रायपुर। रविवार, 27 सितम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 56/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड मेडल...
@ साहित्य केसरी फोटो फ्रेम ...
@ व्यापार आर्थिक बुनियाद के दम पर शेयर बाजार में फिर से लौटेगी तेजी...

खबर झरोखा

तकनीक-नवाचार से 10% से ज्यादा विकास संभवः सीतारमण

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि यदि भारत विभिन्न क्षेत्रों में तकनीक और नवाचार को व्यापक रूप से अपनाता है, तो देश वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनने की दिशा में 10 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर भी हासिल कर सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और समाज सहित सभी हितधारकों को मिलकर अधिक प्रयास करने होंगे।

शॉट पुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने भारत को दिलाया सिल्वर मेडल

नागोया। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर लगातार तीसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल से चूक गए। शनिवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों के शॉट पुट फाइनल में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जबकि ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया।

एसआईआर के दोनों चरणों को सर्वसम्मत मंजूरीः चुनाव आयोग

मतदाताओं को ईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं, बीएलओ घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की सुविधा के लिए कई अहम फैसले लिए हैं।

आयोग की शनिवार को हुई बैठक में तय किया गया कि अनमैप्ड और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ/एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी।

आयोग की बैठक 26 सितंबर को दोपहर तीन बजे हुई। बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, ऐसे लोगों के घर जाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) दस्तावेजों के आधार पर फैसला करेंगे।

आयोग ने कहा कि केवल विशेष परिस्थितियों में, ईआरओ के निर्णय के अनुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा। यदि सुनवाई की आवश्यकता पड़ती है तो मतदाता अपने परिवार के किसी भी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को और मजबूत करने का भी फैसला किया है।

जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क स्थापित करें या विशेष शिविर आयोजित करें। इन सुविधाओं का लाभ रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों, बेघर लोगों और अन्य जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा।

आयोग ने कहा कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 के साथ संलग्न घोषणा को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। वहीं, एसआईआर अवधि के बाहर मतदाता पंजीकरण के लिए निर्वाचन नियम, 1960 के तहत लागू फॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग ने कहा कि फील्ड अधिकारियों को उनकी वैधानिक शक्तियों के अनुरूप ईसीआईनेट प्रणाली में भूमिका-आधारित पहुंच दी गई है। ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त (डीईसी) की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी। इसमें आईआईटी/आईआईआईटी के एक स्वतंत्र विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाएगा।

यह समिति यह दोबारा जांच करेगी कि ईसीआईनेट अधिनियमों और नियमों के प्रावधानों के अनुरूप काम कर रहा है या नहीं और अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी।

आयोग ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) से मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में कई अपग्रेडेशन पहले ही किए जा चुके हैं। यदि फील्ड अधिकारियों को आगे किसी अतिरिक्त लचीलेपन की जरूरत होगी तो उसे भी लागू किया जाएगा। भविष्य में आईटी मॉड्यूल और पोर्टल से जुड़ी नई पहलों को आयोग की मंजूरी से पहले कमेटी ऑफ ऑफिसर्स (सीओओ) में चर्चा के लिए रखा जाएगा।

बस्तर पर कहर बनकर टुटा, उड़ीसा बांध का पानी

कई परिवार हो गए बेघर, जान बचाने छतों पर चढ़े ग्रामीण

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

लगातार दो दिनों तक हुई झमाझम बारिश बस्तर के लोगों ले लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गई है। ऊपर से ओडिशा के दो बांधों से छोड़ा जा रहा पानी बस्तर पर कहर बनकर टूट पड़ी है। ओड़िशा से आ रहे पानी के कारण बस्तर के लगभग सभी नदी नाले बौरा से गए हैं। हालात लगभग बेकाबू हो चले हैं। कई मकान टूट गए हैं, बस्तियों में पानी घुस गया है और जल स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जान बचाने के लोग बहुमंजिली ईमारतों की छतों पर जा चढ़े हैं।

बंगाल के चक्रवाती तूफान के कारण लगभग पूरे बस्तर संभाग में दो दिन इस कदर बारिश हुई कि समूचा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बस्तर के सारे नदी नाले उफान मार रहे हैं। बाढ़ के कारण कई गांवों का संपर्क कट गया है। रास्ते बंद हो जाने से आवागमन ठप हो गया है। बस्तर जिले में भारी बारिश से चारों ओर तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है। ओडिशा के खातिगुड़ा डैम और मुरान बांध के गेट खोल दिए जाने से जगदलपुर शहर के अलावा दर्जनों गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। बाढ़ के बीच एक ऐसी तस्वीर निकलकर सामने आई है, जहां ग्रामीण प्रशासन से मदद की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं।नगरनार के बेलगांव में शुक्रवार दोपहर से ही लगातार जलस्तर बढ़ने से कई घर जलमग्न हो चुके हैं।

जिससे ग्रामीण अपने घरों के छतों पर आश्रय लिए हैं। ग्रामीण अपनी जान बचाने छतों का सहारा लेने मजबूर हो गए हैं। बेलगांव के ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया में वायरल किया है और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। इस वीडियो में महिलाएं भी दिख रही है, जो बता रही हैं किस तरह से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

महिला कबड्डी टीम ने देश को दिलाया तीसरा गोल्ड, फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया

एजेंसी ■ नागोया

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियन गेम्स 2026 में देश को तीसरा गोल्ड मेडल दिला दिया है। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारतीय महिला टीम ने हांगझोऊ 2023 एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था।

बेहद रोमांचक और करीबी रहे इस मुकाबले में भारत ने आखिरी समय तक अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी थी। ईरान भी वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। मैच के आखिरी मिनट में ईरान को मुकाबले में बने रहने के लिए पॉइंट्स की जरूरत थी। भारत के डिफेंस ने आयनाज पर एक जरूरी टैकल करके मुकाबला आसानी से जीत लिया। 37-34 से मैच जीतकर भारतीय टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

पूरे टूर्नामेंट में भारत की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाली संजू देवी ने एक बार फिर अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला कबड्डी टीम में पूजा, राज रानी, सोनाली विष्णु शिंगटे, पुष्पा, भावना देवी, रितु, संजू देवी, रितु नेगी, मनीषा कुमारी, पिंकी रॉय, ज्योति और निकिता शामिल थीं।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का भी शनिवार को ही फाइनल मुकाबला होने वाला है। भारतीय पुरुष टीम भी ईरान से ही भिड़ेगी। भारतीय टीम भी गत चैंपियन है और ईरान के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

भारतीय दल के लिए शनिवार का दिन अच्छा रहा है। सावन बरवाल ने पुरुषों की मैराथन में 2:11:37 के नेशनल रिकॉर्ड टाइम के साथ सिल्वर मेडल जीता। बरवाल ने एशियन गेम्स मैराथन में पदक के लिए भारत का 44 साल का इंतजार समाप्त किया।

भारत ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम इवेंट में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदरसा विनोद की मदद से सिल्वर मेडल भी जीता।

स्क्वैश में, जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने हांगकांग के टैंग मिंग होंग और ली का यी के खिलाफ मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीता।

छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का गौरवः मुख्यमंत्री साय

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है।

मुख्यमंत्री साय ने संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं।

नागालैंड : संदिग्ध शराब पीने से दो दिन में 19 लोगों की मौत, 19 गिरफ्तार

विश्व केसरी ■ कोहिमा

नागालैंड के मोकोकचुंग और तुएनसांग जिलों में पिछले दो दिनों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने अवैध शराब के स्रोत और सप्लाई चेन की जांच शुरू कर दी है। इस शराब त्रासदी के सिलसिले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कोहिमा में पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग जिले में 11 लोगों की मौत की खबर है।

उन्होंने बताया कि इन मौतों की जांच करने और संदिग्ध मिलावटी शराब के स्रोत का पता लगाने के लिए एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एएसपी) बुंगलांग चांग की अध्यक्षता में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। अधिकारी ने कहा, कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन अभी जानकारी का खुलासा करना जल्दबाजी होगी।

उन्होंने बताया कि मौतों का कारण पता लगाने के लिए शराब के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी की एक लैब में भेजे गए हैं। इन मौतों के बाद पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की और 19 लोगों को गिरफ्तार किया, साथ ही शराब की लगभग 3,000 बोतलें जब्त की।

नागालैंड में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है, हालांकि राज्य में शराब का सेवन और अवैध बिक्री अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं। पुलिस ने कई बार लोगों को बिना पहचान, बिना लेबल या संदिग्ध अवैध शराब न पीने की सलाह दी है और शराब पीने के बाद चक्कर आना, धुंधला दिखना, सांस लेने में तकलीफ या बेहोशी जैसे लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने को कहा है।

चीन-अमेरिका रिश्तों को नई दिशा देंगे शी

एजेंसी ■ बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 23 से 25 सितंबर तक अमेरिका की राजकीय यात्रा की। दोनों देशों के नेताओं ने छह महीने से भी कम समय में फिर से मुलाकात की और कई नई सहमतियां बनीं, जिसने चीन-अमेरिका रचनात्मक सामरिक स्थिरता संबंधों के आंतरिक अर्थ को समृद्ध किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस वर्ष मई में चीन का दौरा किया था, जब दोनों देशों के नेताओं ने चीन-अमेरिका रचनात्मक सामरिक स्थिरता संबंध बनाने पर सहमति व्यक्त की थी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चार आयामों से इसकी मूल अवधारणा समझाई: सहयोग-प्रधान सकारात्मक स्थिरता, प्रतिस्पर्धा-सीमित स्वस्थ स्थिरता, नियंत्रण-योग्य मतभेदों वाली सामान्य स्थिरता, और शांति-संभावित स्थायी स्थिरता।

व्हाइट हाउस स्वागत समारोह में राष्ट्रपति शी ने संचार बढ़ाने, ईमानदार सहयोग और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के तीन पहलुओं से कार्रवाई का मार्ग बताया। दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने 'सम्मान, निष्पक्षता और पारस्परिकता पर आधारित रचनात्मक सामरिक स्थिरता संबंध' बनाने पर सहमति व्यक्त की।

आर्थिक और व्यापार क्षेत्र में, चीन और अमेरिका ने हाल ही में नए दौर की वार्ता की और एक संयुक्त व्यवस्था बनाई। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि सहयोग दोतरफा है। सहयोग की सूची बढ़ाने के साथ-साथ समस्याओं की सूची भी कम करनी होगी।

चुनाव आयोग में दरारः सवाल सिर्फ चुनाव का नहीं, लोकतंत्र के भरोसे का है

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

भारत में लोकतंत्र की सबसे मजबूत दीवार संसद नहीं, मतपेटी पर जनता का विश्वास है। और जब उसी मतपेटी की रखवाली करने वाली संवैधानिक संस्था—निर्वाचन आयोग—के भीतर दो चुनाव आयुक्त लगातार सवाल उठाएं, तो इसे सामान्य प्रशासनिक मतभेद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

इंडियन एक्सप्रेस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम-से-कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। ये आपत्तियां नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता नाम हटाने, चुनावी डेटा तक पहुंच और आयोग की आईटी व्यवस्था के केंद्रीकरण जैसे सीधे चुनावी प्रक्रिया के केंद्र से जुड़े मुद्दों पर थीं।

सबसे गंभीर बात यह है कि रिपोर्ट के मुताबिक दोनों आयुक्तों ने कुछ फैसलों और आदेशों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी या सहमति नहीं थी। एक मामले में फॉर्म-6 में बदलाव को 'अनधिकृत' और 'अवैध' बताते हुए उसे तत्काल हटाने की मांग की गई।

विपक्ष स्वाभाविक रूप से इसे सरकार और निर्वाचन आयोग के रिश्ते पर सवाल के रूप में उठा रहा है। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग तेज की है। दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग का पक्ष है कि उसके निर्णय सर्वसम्मत रहे और अधिकारियों की टिप्पणियां आंतरिक विचार-विमर्श का हिस्सा थीं।

लेकिन लोकतंत्र में केवल आयोग का स्पष्टीकरण पर्याप्त नहीं होना चाहिए। जनता को तथ्य चाहिए।

किसने क्या फैसला लिया? किसकी आपत्ति थी? किस आधार पर आपत्ति खारिज हुई? किस अधिकारी को मतदाता डेटा तक पहुंच थी? क्या राज्यों के वैधानिक निर्वाचन अधिकारियों की शक्तियां वास्तव में सीमित हुईं? और यदि नहीं हुईं, तो दो चुनाव आयुक्तों ने बार-बार ऐसी आपत्तियां क्यों दर्ज कीं?

इन सवालों का जवाब राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, दस्तावेजों और सार्वजनिक पारदर्शिता से मिलना चाहिए।

चुनाव आयोग सरकार नहीं है। वह विपक्ष भी नहीं है। वह लोकतंत्र का रेफरी है। रेफरी के फैसले पर बहस हो सकती है, लेकिन यदि रेफरी की अपनी टीम में ही दो सदस्य यह कहने लगें कि उन्हें फैसलों की जानकारी नहीं दी गई, तो मैदान के बाहर बैठे करोड़ों नागरिकों का सवाल पूछना स्वाभाविक है।

आज असली खतरा किसी एक पार्टी की जीत या हार नहीं है। असली खतरा यह है कि मतदाता के मन में यह संदेह पैदा हो जाए कि उसका वोट पूरी तरह सुरक्षित, स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया से गिना जाएगा या नहीं।

भारत ने सत्ता परिवर्तन देखे हैं, राजनीतिक संकट देखे हैं, सरकारें गिरते देखी हैं। लोकतंत्र फिर भी इसलिए बचा रहा क्योंकि जनता को चुनाव पर भरोसा रहा।

इसलिए चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर उठे सवालों का जवाब जितना जल्दी और जितना पारदर्शी होगा, भारतीय लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। चुप्पी इस समय समाधान नहीं—संदेह को और गहरा करने का रास्ता है।

दुर्ग में लगातार बारिश में फंसे 200 परिवारों को रेस्क्यू कर 16 अस्थायी राहत शिविरों में ठहराया गया

विश्व केसरी■

रायपुर। दुर्ग जिले में पिछले 24 एवं 25 सितंबर को लगातार बारिश होने से नदी नाले उफान पर चल रहे है। अनवरत बारिश होने से नगर निगम दुर्ग, भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों के 13 ग्रामीण इलाक़े के 200 घरों में पानी भर जाने के कारण 764 व्यक्तियों को एसडीआरएफ तथा स्थानीय पार्षद एवं अन्य व्यक्तियों तथा प्रशासन की मदद से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया है। नजदीकी सामुदायिक केंद्र, पंचायत भवन, शालाओं को अस्थाई राहत कैम्प बनाकर सभी प्रभावितों को शिफ्ट किया गया है। दुर्ग जिले में अभी तक कुल 16 राहत कैम्प बनाया जाकर प्रभावितों को भोजन पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं दी जा रही है।

दुर्ग तहसील के 52 परिवारों/घरों के 268 लोगों को 05 अस्थायी राहत शिविर में रुकवाया गया है। प्रभावित क्षेत्र में दुर्ग तहसील अंतर्गत निगम क्षेत्र पुलगांव वार्ड नंबर 55 में 13 घरों के 48 प्रभावित व्यक्तियों को नगर निगम की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा सामुदायिक भवन पुलगांव में शिफ्ट किया गया है। भिलाई निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 41 में 05 घरों में जलभराव होने पर 30 व्यक्तियों को रेस्क्यू कर अस्थायी राहत एसएलआरएम सेंटर में ठहराया गया है। दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचल के ग्राम डंडेसरा के 02 घरों के 03 प्रभावितों को ग्राम पंचायत भवन में, ग्राम मालूद के 02 घरों के 07 प्रभावितों को मितानिन भवन में, तथा ग्राम भरदा के ईंट भट्ठा क्षेत्र में अत्यधिक जलभराव होने की सूचना पर 35 मकानों के 210 लोगों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक शाला भवन में रुकवाया गया है। सभी के भोजन पानी एवं रुकने की व्यवस्था इन अस्थाई शिविरों में की गई है।

इसी प्रकार से पाटन तहसील के 07 ग्रामों के 117 परिवारों के 345 व्यक्तियों को 05 राहत कैम्प में ठहराया गया है। जिसमें नगर पालिका क्षेत्र अमलेश्वर से लगा हुआ बोथली में 03 घरों के 12 व्यक्तियों का एसडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू कर पंचायत भवन में शिफ्ट किया गया है।

ग्राम पाहंदा के 04 घरों के 40 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर उनकी इच्छानुसार उनके रिश्तेदारों के यहां सुरक्षित पहुंचाया गया। पाटन क्षेत्र के ही ग्राम खुड़मुड़ा में 01 परिवार के 02 महिलाओं को एसडीआरएफ द्वारा बोट के माध्यम से रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालकर अमलेश्वर के उसके दूसरे निजी मकान में उनकी इच्छानुसार पंहुचवाया गया। ग्राम जामराव के 35 घरों के 147 व्यक्तियों को सुरक्षित निकालकर 52 व्यक्तियों को पंचायत भवन में तथा शेष को उनके कहे अनुसार उनके रिश्तेदारों के घर पंहुचवाया गया। ग्राम केसरा के 70 घरों के 135 लोगो को राहत कैम्प पंचायत भवन, शाला भवन तथा सामुदायिक भवन में सुरक्षित ठहराया गया है। ग्राम रिवागहन के 02 घरों के 05 लोगो को रेस्क्यू कर उनके रिश्तेदारों के यहां तथा ग्राम किकिरमेता के 01 घर के 04 लोगों को भी उनके परिचित के घर सुरक्षित ठहराया गया है।

तहसील अहिवारा के अकोला ग्राम पुरानी बस्ती के प्रभावित 10 घरों के 46 लोगों को सुरक्षित निकालकर सामुदायिक केंद्र अकोला राहत कैम्प में ठहराया गया है। तहसील बोरी के दनिया ग्राम जो शिवनाथ नदी तट पर स्थित है।

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ आगे बढ़ी पदयात्रा

विश्व केसरी■

रायपुर। नशामुक्त भारत और नशामुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रायपुर में आयोजित नशामुक्त भारत पदयात्रा सप्ताह का दूसरा दिन भी उत्साह एवं व्यापक जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित पदयात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न समाजों के प्रमुखजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

पदयात्रा की शुरुआत भगत सिंह चौक, गौरव पथ से हुई। प्रारंभ में शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात पदयात्रा गौरव पथ से होते हुए भीमराव अंबेडकर चौक पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया।

27 वर्षों की निरंतर यात्रा, 28वें वर्ष में भी संकल्प जारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त भारत और नशामुक्त छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से पिछले 27 वर्षों से लगातार नशामुक्ति पदयात्रा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान अब अपने 28वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

गणेश झांकियों की तारीख बदली

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के बीच गणेश विसर्जन और ऐतिहासिक गणेश झांकियों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक राजधानी में ऐतिहासिक गणेश झांकियां 27 सितंबर को निकलनी थीं, लेकिन बारिश को देखते हुए अब आयोजन की तारीख बदल दी गई है।

अब रायपुर में ऐतिहासिक गणेश झांकियां 28 सितंबर, सोमवार को निकाली जाएंगी। बारिश के बीच श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आयोजन की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। सिटीगाइड खोजें

बारिश के कारण बदली झांकियों की तारीख

रायपुर में गणेश झांकियां शहर की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में शामिल हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और शहरवासी शामिल होते हैं। लगातार बारिश को देखते हुए झांकियों के कार्यक्रम को एक दिन आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। पहले झांकियों का आयोजन 27 सितंबर को प्रस्तावित था। अब संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 28 सितंबर को गणेश झांकियां निकाली जाएंगी। बता दें कि गणेश झांकियों को लेकर पुलिस और आयोजन समितियों की बैठक पहले ही हो चुकी थी। बैठक में आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई थी। इसमें झांकियों के रूट, ट्रैफिक व्यवस्था, डीजे, सुरक्षा और गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से जुड़ी व्यवस्थाएं शामिल थीं। अब तारीख में बदलाव के बाद इन व्यवस्थाओं को नए कार्यक्रम के अनुसार लागू किया जाएगा।

बारिश के बीच कई इलाकों में विसर्जन जारी

झांकियों की तारीख बदलने के बावजूद रायपुर के कई इलाकों में गणपति विसर्जन का सिलसिला जारी है। मोवा और सड्डू समेत शहर के कई क्षेत्रों में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका है। बारिश के बीच श्रद्धालु गणपति बप्पा को विदाई दे रहे हैं। वहीं, ऐतिहासिक झांकियों के आयोजन के लिए अब 28 सितंबर की तैयारी की जा रही है।

एटीडीएससी के गौरवशाली 25 वर्षः रीजनल डिस्ट्रीब्यूटर 'प्रीमियर वेंचर्स' के साथ छत्तीसगढ़ में लॉन्च किए नेक्स्ट-जनरेशन

विश्व केसरी■

रायपुर। देशभर में पूरी तरह इंटीग्रेटेड ऑडियो-विजुअल ऑटोमेशन और वर्ल्ड क्लास प्रॉडक्ट्स उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी ATDSC ने आज छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट के विश्वसनीय नाम और अपने आधिकारिक रीजनल डिस्ट्रीब्यूटर 'प्रीमियर वेंचर्स' के साथ मिलकर अपने नए प्रॉडक्ट्स के पोर्टफोलियो को लॉन्च किया। दोनों कंपनियों ने संयुक्त रूप से राज्य में अपने पार्टनरशिप नेटवर्क के बड़े पैमाने पर विस्तार की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि ATDSC ब्रांड बीते एक दशक से भी अधिक समय से भारतीय बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है, वहीं इसकी मूल कंपनी 27 सितंबर को अपने उद्योग-सफर के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे करने जा रही है। इस ऐतिहासिक पड़ाव के उपलक्ष्य में कंपनी, प्रीमियर वेंचर्स के मजबूत स्थानीय नेटवर्क के सहयोग से छत्तीसगढ़ के तेजी से बढ़ते कॉर्पोरेट, एजुकेशनल और गवर्नमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर मार्केट में अपनी उपस्थिति को और अधिक मजबूत बना रही है।

ATDSC और प्रीमियर वेंचर्स द्वारा रायपुर के जेल रोड में एक व्यापक 'पार्टनरशिप नेटवर्क एक्सपेंशन रोड शो' का भव्य आयोजन किया गया। इस रोड शो का मुख्य उद्देश्य स्थानीय सिस्टम इंटीग्रेटर्स, ऑडियो-विजुअल डीलर्स, आईटी वेंडर्स और चैनल पार्टनर्स को नए उत्पादों का व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) अनुभव कराना और उन्हें इस मजबूत एक्सपेंशन नेटवर्क से जोड़ना है।

प्रीमियर वेंचर्सः गुणवत्ता, विश्वास और बेहतरीन सर्विस का पर्याय

ATDSC के 25 वर्षों के अनुभव को छत्तीसगढ़ में घर-घर और व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक बेहतरीन सर्विस के साथ पहुँचाने का जिम्मा 'प्रीमियर वेंचर्स' के पास है। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में प्रीमियर वेंचर्स एक बेहद विश्वसनीय नाम है, जो हाई क्वालिटी वाले प्रॉडक्ट्स की एक बड़ी रेंज में डील करता है।

राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम कांड के पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

कहा- पूरा न्याय मिलने तक हम लड़ेंगे

विश्व केसरी■

रायपुर। लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम नक्सल कांड के पीड़ित परिवारों ने मुलाकात की. इस दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं के साथ पीड़ित परिवारों के सदस्यों से कहा कि पूरा न्याय मिलने तक हमें एक इंच पीछे नहीं हटना है. हम लड़ेंगे!

मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सुखदेव भगत, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज विशेष रूप से मौजूद रहे. वहीं झीरम पीड़ित परिवारों में उमेश पटेल, अनिता योगेंद्र शर्मा, जितेंद्र मुदलियार, शिव सिंह ठाकुर, छविंद्र कर्मा, मलकीत सिंह गैन्दू आदि शामिल रहे.

लड़ाई को आगे ले जाने पर हुई मंत्रणा

राहुल गांधी के साथ मुलाकात को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि 10 जनपथ, नई दिल्ली में हमारे नेता राहुल गांधी के साथ हम सबने झीरम घटना में हुए अन्याय, भाजपा और जाँच एजेंसियों के षड्यंत्र और इस लड़ाई को आगे ले जाने पर मंत्रणा की. राहुल ने सभी वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में झीरम शहीदों के परिवारजनों और घटना के समय उपस्थित साथियों से भी संवाद किया. उन्होंने स्पष्ट कहा है कि पूरा न्याय मिलने तक हमें एक इंच पीछे नहीं हटना है. हम लड़ेंगे!

खारून का रौद्र रूप! महादेव घाट का पुल डूबा, ऊपर से बह रहा 2 फीट पानी

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश के बीच रायपुर की खारून नदी भी उफान पर है। महादेव घाट पर नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से छोटा पुल पूरी तरह पानी में डूब गया है और पुल के ऊपर करीब 2 फीट तक पानी बह रहा है। इसके चलते रायपुर से अमलेश्वर, पाटन, भिलाई और सांकरा की ओर जाने वाला मार्ग बंद कर दिया गया है। वहीं धमतरी के गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोले जाने से महानदी में बड़े पैमाने पर पानी छोड़ा जा रहा है।

पुल के ऊपर से बह रहा पानी, आवाजाही पूरी तरह बंद

महादेव घाट पर खारून नदी का जलस्तर बढ़ने से मुख्य छोटे पुल के ऊपर पानी का तेज बहाव जारी है। हालात को देखते हुए इस मार्ग पर आवागमन रोक दिया गया है। यह रास्ता रायपुर को अमलेश्वर, पाटन और आगे भिलाई-दुर्ग क्षेत्र से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल है। महादेव घाट के इसी पुराने पुल के समानांतर नए ओवरब्रिज की योजना भी प्रस्तावित है।

गंगरेल के सभी 14 गेट खुले

लगातार बारिश के बीच धमतरी स्थित गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोल दिए गए हैं। 26 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक बांध से 2.5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे महानदी के किनारे बसे निचले इलाकों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

नदी किनारे पहुंच रहे लोग, पुलिस ने दी चेतावनी

खारून नदी का विकराल रूप देखने के लिए महादेव घाट पर लोगों की भीड़ भी जुट रही है। कई लोग पुल और नदी के आसपास खड़े होकर वीडियो और सेल्फी बनाते नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया में सिमटता जा रहा इंसान, आध्यात्मिकता ही जीवन को दे सकती है दिशा : आचार्य इन्द्रेश महाराज

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित 'हमर पहुना' कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथावाचक एवं आध्यात्मिक वक्ता आचार्य इन्द्रेश महाराज पत्रकारों से रूबरू हुए। इस अवसर पर उन्होंने आध्यात्मिकता, बदलती जीवनशैली, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, युवाओं की भूमिका, धर्म और राजनीति के संबंध, मंदिरों में व्यवस्था एवं वीआईपी दर्शन, गोवंश संरक्षण, धार्मिक आयोजनों तथा वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में गुंजन प्रजापति भी उपस्थित रहीं। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के द्वारा संवाद हेतु हमर पहुना कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की और विशेष सिलेब्रटियों के पत्रकारों से आत्मीय संवाद के इस तरह क्रम को देश में अनोखा और अनुकरणीय बताया

पत्रकारों से चर्चा में आचार्य इन्द्रेश महाराज ने कहा कि आज की परिस्थितियां मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर लौटने के लिए प्रेरित कर रही हैं। आध्यात्मिकता अब केवल धार्मिक विषय नहीं रह गई है, बल्कि जीवन को संतुलित और सही दिशा देने की आवश्यकता बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि समय के साथ मनुष्य का प्रकृति और समाज से संबंध बदलता गया है। आज स्थिति यह है कि मानो मनुष्य के प्राण ही सोशल मीडिया में चले गए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया से दूर व्यक्ति स्वयं को समाज से कटा हुआ महसूस करने लगता है।

उन्होंने कहा कि तकनीक जीवन को सुविधा देती है, लेकिन जब सुविधा निर्भरता में बदल जाती है तो मनुष्य के लिए चिंतन का विषय बन जाती है। आने वाले समय में तकनीक पर निर्भरता और बढ़ सकती है, इसलिए जरूरी है कि आधुनिकता के साथ आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का संतुलन बना रहे।

युवाओं की ऊर्जा समाज को रोशन करने में लगे

Gen-Z और युवाओं के आंदोलनों को लेकर आचार्य इन्द्रेश महाराज ने कहा कि युवाओं के भीतर अपार ऊर्जा और शक्ति है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि 440 वोल्ट की बिजली आ रही है तो उससे बल्ब जलाकर प्रकाश करें, किसी को छुआकर तड़पाएं नहीं। उनका कहना था कि शक्ति का उपयोग रचनात्मक कार्यों में होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज बुलंद होना लोकतांत्रिक समाज की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन किसी भी आंदोलन में धर्म, मंदिर या किसी व्यक्ति के प्रति आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि अपनी ऊर्जा का उपयोग समाज और देश को रोशन करने के लिए करें, ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचे या देश की छवि प्रभावित हो।

राजनीति में धर्म हो, धर्म में राजनीति नहीं

धर्म और राजनीति के संबंध पर आचार्य इन्द्रेश महाराज ने कहा कि राजनीति में धर्म का प्रवेश होना चाहिए, लेकिन धर्म में राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति बिना धर्म के नहीं चल सकती, लेकिन धर्म राजनीति के बिना भी चल सकता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर : :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र /....35730..../ न. पा. नि. जोन नं 3/2026
रायपुर, दिनांक 25-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35730
वार्ड का नाम - 29 - गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663R1236A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. ANIL CHUGANI S/O RAM CHANDRA CHUGANI, 2. VISHAL CHUGANI S/O LATE RAM CHANDRA CHUGANI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE RAM CHANDRA CHUGANI के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती एम डी फारुक पिता / पति श्री/श्रीमती पिता अब्दुल गफ्फार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।
सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर : : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र /....35695..../ न. पा. नि. जोन क्र 6/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35695
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR334E00291 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती JAMAMANI BAHORIYA पिता / पति श्री/श्रीमती GANESH BAHORIYA के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती एम डी फारुक पिता / पति श्री/श्रीमती पिता अब्दुल गफ्फार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

पिथौरा में तेज बारिश और आंधी से पेड़ की डाल बिजली तारों पर झुकी, टला बड़ा हादसा

रेंजर अतरंग पांडे ने पल्ला झाड़ा, नपा सीएमओ की तत्परता से बहाल हुआ मार्ग

विश्व केसरी■

पिथौरा (नीशू माटा)। नगर में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश और तेज आंधी के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आंधी-तूफान के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अतरंग पांडे के शासकीय निवास के ठीक सामने स्थित वर्षों पुराना एक विशालकाय पेड़ हवा के भारी दबाव से झुक गया। पेड़ की एक भारी-भरकम डाल टूटकर सीधे बिजली के तारों पर जा फंसी, जिससे क्षेत्र में किसी बड़े हादसे और जन-धन की भारी हानि की आशंका बन गई थी।

उक्त वृक्ष रामकुमार राजपूत मार्ग पर स्थित है, जो नगर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में गिना जाता है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। साथ ही स्कूली बच्चों और आम नागरिकों का भी दिनभर इसी रास्ते से आना-जाना लगा रहता है। तारों के सहारे अटकी भारी डाल के कारण मार्ग पर करंट फैलने और कभी भी धराशायी होकर राहगीरों पर गिरने का गंभीर खतरा बना हुआ था।

रेंजर अतरंग पांडे ने नियमों का हवाला देकर झाड़ा पल्ला

सुबह जब स्थानीय नागरिकों की नजर इस खतरनाक स्थिति पर पड़ी, तो उन्होंने फौरन इसकी जानकारी वन विभाग को दी। चूंकि पेड़ रेंजर निवास के ठीक सामने ही स्थित था, इसलिए नागरिकों को उम्मीद थी कि विभाग तत्परता दिखाएगा। हालांकि, वन परिक्षेत्र अधिकारी अतरंग पांडे ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि संबंधित स्थल राजस्व सीमा के अंतर्गत आता है और पेड़ की टहनी काटने के लिए विधिवत अनुमति की आवश्यकता होगी। खतरे की गंभीरता के बावजूद रेंजर के इस प्रशासनिक रवैये से नागरिकों में भारी नाराजगी देखी गई।

सीएमओ ने दिखाई तत्परता, नपा और विद्युत अमले ने संभाला मोर्चा - वन विभाग से निराशा मिलने के बाद जागरूक नागरिकों ने मामले की जानकारी नगर पंचायत सीएमओ बिरजू राम सोनबर को दी। स्थिति की गंभीरता और जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीएमओ सोनबर ने बिना देर किए नगर पालिका की टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर भेजा।

साथ ही विद्युत विभाग को सूचना देकर ऐहतियातन बिजली सप्लाई बंद कराई गई। विद्युत विभाग ने भी तुरंत अपना तकनीकी स्टाफ मौके पर तैनात किया। नगर पालिका और विद्युत अमले के संयुक्त प्रयासों से करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तारों में फंसी भारी डाल को सुरक्षित काटकर नीचे उतारा गया।

आधे घंटे बाधित रहा आवागमन - डाल हटाने के कार्य के दौरान सुरक्षा के लिहाज से करीब आधे घंटे तक रामकुमार राजपूत मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। मार्ग से मलबा हटाए जाने के बाद यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सका। स्थानीय नागरिकों ने संकट के समय त्वरित संज्ञान लेने और बड़ा हादसा टालने के लिए सीएमओ बिरजू राम सोनबर, पालिका कर्मियों और विद्युत विभाग के अमले का आभार जताया है।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में दिखी सामुदायिक सहभागिता

माताओं और बच्चों को दिया सुपोषण का संदेश

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पवनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री माताओं, बच्चों, अभिभावकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन, स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुभाष जालान अध्यक्षता नगर अध्यक्ष कुलदीपक साहु व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला मंत्री पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामनारायण देवांगन ने की। अतिथियों ने मां सरस्वती/भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा। इस अवसर पर माताओं से संवाद करते हुए बच्चों के संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान एवं आंगनबाड़ी सेवाओं के संबंध में उपस्थित हितग्राहियों को जानकारी दी गई तथा पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में 'मेरी पौष्टिक थाली' के अंतर्गत स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों से तैयार पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। महिलाओं को कम लागत में उपलब्ध स्थानीय खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन तैयार करने की जानकारी दी गई। साथ ही पोषण वाटिका में पौधरोपण कर परिवारों को घर-घर पोषण वाटिका विकसित करने का संदेश दिया गया। बच्चों के लिए स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, चित्रकला, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं उनकी माताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बच्चों को कुपोषण से मुक्त रखने, पौष्टिक आहार अपनाने तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पोषण शक्ति सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

बिहान समूह की महिलाओं ने अपने टीआरपी पर लगाए गंभीर आरोप

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बिहान समूह से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं ने अपने क्लस्टर के PRP (पार्टनर रिसोर्स पर्सन) के खिलाफ गंभीर शिकायत की है। महिलाओं ने आरोप लगाया है कि PRP ने समूह के खाते में बिना प्रस्ताव के करीब 10 लाख रुपए ट्रांसफर कराए और अब उक्त राशि को बिना रसीद और लिखित प्रस्ताव के नगद आहरण कर देने का दबाव बनाया जा रहा है।

महिलाओं का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें समूह से हटाने की धमकी दी गई। शिकायत में PRP पर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप भी लगाए गए हैं।

बिना दस्तावेज नगद राशि मांगने का आरोप

शिकायत पत्र के अनुसार, CLF और VO से जुड़े कार्यों में भी बिना रसीद या आवश्यक दस्तावेज के नगद राशि की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया है। महिलाओं ने इन गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

फर्जी फर्नीचर वाउचर से 1.48 लाख की गड़बड़ी का आरोप

महिलाओं ने शिकायत में आरोप लगाया है कि कंप्यूटर और प्रिंटर के नाम पर फर्जी फर्नीचर वाउचर तैयार कर करीब 1 लाख 48 हजार 500 रुपए की कथित वित्तीय गड़बड़ी की गई। शिकायतकर्ताओं ने इस पूरे मामले में दस्तावेजों और बैंक लेनदेन की जांच कराने की मांग की है।

PRP को पवनी क्लस्टर से हटाने की मांग

बिहान समूह की महिलाओं ने संबंधित अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोप सही पाए जाने पर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने और संबंधित PRP को पवनी क्लस्टर से हटाने की मांग की है।

रामधुनी सीताराम कीर्तन प्रतियोगिता आयोजित

विश्व केसरी■

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। ग्राम उड़तला में अखण्ड 24 घण्टे रामधुनी सीताराम कीर्तन प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ, प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11001 रुपये लालपूर (बोड़ला), द्वितीय पुरस्कार 8001 रुपया बम्हनी, तृतीय पुरस्कार 6501 रुपया मथानीकला, चतुर्थ पुरस्कार 5101 रुपया सुरुंगदहरा,पंचम पुरस्कार 4501 रुपया पेण्ड्री (दाढ़ी), छठवां पुरस्कार 4001रुपया बिसनपूरा की मंडली को प्रदान किया गया, पुरस्कार समारोह में सुरेन्द्र सिंह भुवाल (विधायक प्रतिनिधि) व बलराम सिंह चन्द्रवंशी मुख्यअतिथि रहे,इसके अलावा क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति सरपंच बिरेंद्र चंद्रवंशी, राजाराम ठाकुर, टोपीराम चंद्राकर, अश्वनी प्रसाद चंद्रवंशी, संतोष साहू पूर्व सरपंच, बसंत चौहान ,गजानन सिंह, हरिशंकर सिंह, बिरेंद्र जायसवाल, प्रतीक भगोरिया,कुंजबिहारी सिंह, दयाराम चंद्राकर,रामकमल साहू, जनक साहू , ईश्वर चंद्राकर, उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन रज्जू चंद्राकर शिक्षक के द्वारा बड़े ही अच्छे ढंग से पूर्ण किया गया, आयोजन के लिए ग्रामीण युवा चन्द्र प्रकाश धुर्वे पूर्व सरपंच, लक्ष्मण साहू,प्रमेश साहू, राकेश चंद्राकर, द्वारिका साहू, राजकुमार धुर्वे, भगवान सिंह धुर्वे, शंकर सप्रे, प्रकाश चंद्रवंशी, विजय चंद्राकर, बिरेंद्र चौहान, राजकुमार चंद्राकर, का विशेष योगदान रहा।

सजा-धजा नंदी निकला गली-गली, दर्शन-पूजन के लिए उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। समीपस्थ ग्राम रावंड में शुक्रवार को अन्नन्त चर्तुदशी के पावन अवसर पर धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नंदी बैल को आकर्षक ढंग से सजाकर पूरे गांव में गली भ्रमण कराया गया। सजे-धजे नंदी के भ्रमण को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उमड़ पड़े।

नंदी के गांव की गलियों से गुजरने के दौरान लोगों ने अपने-अपने घरों के सामने पूजा-अर्चना की और आरती उतारकर श्रद्धा व्यक्त की। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने नंदी का स्वागत करते हुए धार्मिक परंपरा के अनुसार पूजन किया। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। नंदी के गली भ्रमण में ग्रामीण अध्यक्ष कुंज राम निषाद, सचिव तोरण निषाद, कन्हैया यादव, टोमन साहू, कनक साहू, भगवान साहू, भुवन पटेल, मनी निर्मलकर, भानुप्रताप साहू, राजकुमार साहू, ओमप्रकाश साहू, खुमान पटेल, रोशन साहू, दिनेश्वर पटेल, थनेश साहू, अवध निषाद और धनेश्वर पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तु जल्दी आ के नारो से गुंजा गरियाबंद

विश्व केसरी■

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। गणपति बप्पा मोरया.... मंगलमूर्ति मोरया... अगले बरस तु जल्दी आ... कुछ ऐसे ही उद्घोष से सुबह से ही गरियाबंद की सड़कें गूंजती रही। जिसको देखो वहीं अपने आराध्य गणपति को सबसे शानदार विदाई देना चाहते थे। हर तरफ़ रंगों और फूलों की होली खेलने वालों की भीड़ लगी थी। गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भगवान गणेश की विसर्जन यात्रा में भक्तगण नाचते- झूमते नजर आये। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल भी लगाया। नगर के छिंदतालाब में नम आंखों से भगवान गणेश को विसर्जित किया गया ।

गणेश चतुर्थी पर सिन्हा परिवार की बुजुर्ग महिला धरमीन बाई सिन्हा बुद्धि देवी सिन्हा लक्ष्मी सिन्हा रेणुका सिन्हा भारती सिन्हा एवं लीना वंदना ने अपने निवास पर विराजमान गणपति जीं की आरती कर गणपति बप्पा को विशेष मंत्रों के साथ उनके द्वारा विदाई दी गई। परिवार के बुज़र्गों से ले कर बच्चे पूरे 11 दिन गणपति स्थापना को त्योहार की तरह मनाते है पूरे घर को दूधिया एव रनिंग लाइट से सजाते है प्रतिदिन मोदक का प्रसाद वितरण किया जाता है बड़े धूमधाम से परिवार सहित आसपस के लोग गणपति जी की आरती करते है

साथ ही 11वे दिन शोभायात्रानिकाला जाता है उसी कड़ी में शोभायात्रा निकालकर गणपति बप्पा को विसर्जन के लिए जयकारों के साथ पुराना मंगल बाज़ार से मेंन रोड से तिरंगा चौक होते हुए श्रद्धालु अपने आराध्य को लेकर छिन्द तलाब के घाट पर पहुँचे, तो उनके साथ सेल्फ़ी लेने का दौर शुरू हो गया। अगले बरस जल्दी आने की कामना के साथ विघ्नहर्ता की मूर्ति को विसर्जित किया। शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए छिन्द तालाब के तट पहुंचे शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया के जयघोष करते हुए खूब आनंदित हो रहे थे। वही नगर पालिका की पूरी टीम सुबह से ही छिन्द तालाब में गणपति विसर्जन करने में लोगों की सहयाता करते नज़र आए नपा अध्यक्ष ने बतलाया पालिका की टीम के द्वारा तालाब में सभी मूर्तियों को विसर्जित करने के लिए पूरी टीम लगी हुई है । देररात तक मूर्तियो का विसर्जन किया और भी मूर्तियाँ आना अभी बाक़ी है साथ ही हमारे द्वारा सफ़ाई को ले कर विशेष ध्यान दिया जा रहा है पूजा एवं हवन में उपयोग किए गए समग्री को तलाब में ना अर्पण कर नदी में अर्पित किया जाएगा जिससे तलाब में अन्य दिनो की तरह आम लोगों के उपयोग में काम आ सके ।

पीडीएस चावल हेराफेरी का आरोप, कांग्रेस पार्षदों ने रुकवाया वाहन

स्टॉक रजिस्टर और मौके के स्टॉक में अंतर की जानकारी, खाद्य विभाग ने चावल जब्त कर शुरू की जांच

विश्व केसरी■

गोबरा-नवापारा (शेखर मिश्रा)। नवापारा नगर पालिका क्षेत्र में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान से बड़ी मात्रा में चावल पिकअप वाहन में लोड किए जाने का मामला सामने आने के बाद राशन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। वार्ड क्रमांक-2 स्थित राशन दुकान के बाहर पिकअप वाहन क्रमांक ब्ळ 04 ङ 3045 में चावल की बोरियां लोड की जा रही थीं। इसी दौरान कांग्रेस पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर वाहन रुकवाया और चावल को दुकान से बाहर ले जाने के संबंध में जानकारी मांगी।

मौके पर करीब 50 से 60 बोरी चावल लोड होने की बात सामने आई। इसकी मात्रा करीब 2 से 2.5 टन बताई जा रही है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई, जिसके बाद चावल से लदे वाहन को गोबरा नवापारा थाने ले जाया गया। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि राशन दुकानदार के मुखौटा उजागर करें जानकारी के अनुसार इसमें खोटे के पीछे भाजपा के बड़े नेता का चेहरा छुपा हुआ है

पार्षदों ने उठाए सवाल, आखिर किसके निर्देश पर हो रहा था परिवहन?

मौके पर पहुंचे कांग्रेस पार्षद अर्जुन साहू, रामरतन निषाद, टिकेश गिलहरे, फागू देवांगन, अजय साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामा यादव, महामंत्री सुरेंद्र साहू, वीरेंद्र सिंह राजपूत, रूपाली राजपूत सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने चावल लोड किए जाने पर सवाल उठाए।

पार्षदों का कहना था कि यदि चावल शासकीय राशन व्यवस्था का हिस्सा है तो इतनी बड़ी मात्रा में चावल दुकान से बाहर ले जाने के लिए किस दस्तावेज, किस अनुमति और किस उद्देश्य से परिवहन किया जा रहा था, इसकी जांच होनी चाहिए।

खाद्य विभाग ने पहुंचकर की जांच, चावल कराया जब्त

मामले की सूचना मिलने के बाद खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच दल में खाद्य निरीक्षक श्रद्धा चौहान और सहायक अभियोजन अधिकारी विवेक मिश्रा सहित अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने वाहन में रखे चावल, संबंधित दस्तावेज और राशन दुकान के रिकॉर्ड की जांच की। जांच के बाद वाहन में लदे चावल को जब्त कर वेयर हाउस गोदाम में रखवाए जाने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने राशन दुकान पहुंचकर स्टॉक रजिस्टर और मौके पर उपलब्ध खाद्यान्न का भी मिलान किया।

स्टॉक रजिस्टर में अंतर ने बढ़ाई चिंता

प्रारंभिक जांच में राशन दुकान के दस्तावेजों और मौके पर उपलब्ध स्टॉक के बीच अंतर की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। हालांकि वास्तविक कमी कितनी है और उसका कारण क्या है, यह विस्तृत दस्तावेजी जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

यही अंतर अब पूरे मामले का सबसे अहम बिंदु बन गया है। विभाग को यह पता लगाना होगा कि दुकान को जितना चावल आवंटित हुआ, उसमें से कितना हितग्राहियों को वितरित किया गया, कितना स्टॉक में होना चाहिए था और मौके पर वास्तव में कितना चावल उपलब्ध था।

यदि रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक में अंतर की पुष्टि होती है तो यह महज परिवहन का मामला न रहकर शासकीय खाद्यान्न के स्टॉक और वितरण व्यवस्था में संभावित अनियमितता का मामला बन सकता है।

सरस्वती शिशु मंदिर बलौदा में वंदे मातरम का 150वीं वर्षगांठ मनाया गया

विश्व केसरी■

बलौदा। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदा में संस्थान के योजना अनुसार, वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर, विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार गुप्ता व्यवस्थापक शिव कुमार सोनी विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर के गौतम प्राचार्य रमेश अहीर प्रधानाचार्य दयाशंकर देवांगन द्वारा मां भारती के तेल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के विशिष्ट आचार्य संतोष यादव के संचालन में, बहन कुमकुम सूर्यवंशी पूजा सोनी वर्षा निर्मलकर पल्लवी पटेल यदिती नामदेव ने वंदे मातरम गायन का शुभारंभ किया इसके बाद सभी भैया बहनों ने एक साथ मिलकर सुमधुर स्वर में मनमोहक सामूहिक गायन किया। इसके उपरांत कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भूपेंद्र गुप्ता ने बंकिम चंद चट्टोपाध्याय को याद करते हुए उनके कृतित्व की प्रशंसा करते हुए देश प्रेम की एकता पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर विराजमान विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर के गौतम जी ने संस्कृत और बांग्ला भाषा मिश्रित वंदे मातरम के मिश्रित शब्दों का भावार्थ बताते हुए, इसकी महत्ता के संबंध में रोचक जानकारी देते हुए, छात्र-छात्राओं को अपने बहुमूल्य विचारों से लाभान्वित किया।

कहानी

सुधीर कुमार सोनी

फोटो फ्रेम

काफी लम्बे समय से दीवार पर एक फोटो फ्रेम टंगा है। दीवार पर लगे फोटो फ्रेम में मेरा ध्यान बार बार जा रहा था। फ्रेम मुझे धुँधला दिख रहा था। मुझे याद आया कि लगभग तीन महीने पहले मैंने साफ किया था। मैंने फोटो फ्रेम को दीवार से उतारा और उसे कपड़े से अच्छी तरह साफ किया और दीवार से

लगे टेबल पर टिकाकर रख दिया।लगभग बत्तीस वर्ष पूर्व मैंने यह फोटो खिंचवायी थी। उस समय मैं जवान था। मेरे बाल काले थे और चेहरे पर कसाव

था, भरा भरा चेहरा था। बालों में अब सफेदी आ गयी है। चेहरे की चमड़ी में अब बत्तीस वर्ष पूर्व जैसी चमक नहीं है, लेकिन मेरे पुराने मित्र जिन्होंने वर्षों पहले

मुझे देखा है वह अभी भी पहचान सकते हैं।मैं टेबल में दीवार से टिकाकर रखे फोटो फ़्रेम की फोटो को गौर से देखता हूँ। मैं स्वयं से यह सवाल पूछता हूँ कि '

क्या यह मैं ही हूँ ,सच में मैं ही हूँ।'

मेरे द्वारा सवाल को दुहराने से मुझे ऐसा लगा कि यह फोटो भी कुछ सवाल पूछना चाहता है।

' क्यों महाशय, क्या हालचाल है ? फोटो ने पूछा

' ठीक है '

' क्या आप ही हैं इस फोटो फ्रेम में ?

' हाँ भाई मैं ही हूँ '

' फिर इतना अंतर क्यों ? मेरे बाल तो काले हैं आपके सफेद कैसे ?

' भाई तुम उस बीते समय के टुकड़े हो जिसे रोक दिया गया था फोटो खींचने

वाले ने ' मैने कहा ।

' वाह क्या बात कही है, भला समय के पहिए को कौन रोक सकता है, किसमें इतनी हिम्मत है ?

' भाई समय को नहीं कह रहा हूँ, समय के उस पल को ' मैंने जवाब दिया।

' लेकिन कैसे किसी पल को रोका जा सकता है ?

' आप इतने सवाल क्यों पूछ रहें हैं ?

' मैं भी तो तुम हूँ ना, तो मैं, तुम से ही सवाल पूछ रहा हूँ ।

' भाई जब फोटो खींचने वाले कैमरे का अविष्कार नहीं हुआ था तब भी राजा-महाराजा अपनी तस्वीरें बनवाते थे किसी चित्रकार से।उस काल में भी समय

के उस पल को चित्रकार द्वारा रोक दिया जाता था ।'

' मतलब यह कि मैं आज से बत्तीस साल पहले के दिन में खड़ा हूँ और तुम बत्तीस साल बाद के दिन में खड़े हो ?

' अब आप समझे हैं ' मैने कहा

' लेकिन बीता कल और वर्तमान दोनों आपस में कैसे संवाद कर सकते हैं ?

' आप कौन हो,एक बेजान फोटो फ्रेम हो तो आप नहीं समझ सकते ना ही आप को समझाया जा सकता है '

' लेकिन मेरे सवाल का जवाब नहीं मिला मुझे 'तो मैं क्या कर सकता हूँ भला '

' आप अपने आप को भी नहीं समझा सकते तो किसी और को कैसे समझा सकते हैं '

' कोई फोटो फ्रेम भला कहाँ समझेगा, फोटो फ्रेम में जान तो नहीं है।व्यक्ति समझ जायेगा, क्योंकि हर व्यक्ति के घर मे पुरानी फोटो तो होता ही है। वह

फोटो के विषय मे इतनी बहस भी नहीं करेगा

आपके कहने का अर्थ है कि हर व्यक्ति का चेहरा समय के साथ बदल जाता है और फोटो फ्रेम का नहीं बदलता. '

' बदलता है।पहले तुम भी बहुत ही चमकते हुए फ्रेम थे जब मैंने अपनी फोटो इसमें लगायी थी।धीरे धीरे तुम बदरंग हो गए. '

' मुझे पहले वाला फोटो फ्रेम देखने मिल सकता है।क्या उस पल को तुमने रोका था, अगर रोका था तो मुझे दिखा दो मैं भी देखना चाहता हूँ कि मैं आखिर

कैसा था. '

नहीं मैंने फोटो खींच कर नहीं रखी है।मुझे थोड़ी मालूम था कि बत्तीस साल बाद कोई बेजान फ़ोटो फ्रेम मुझसे इस तरह के बेतुके सवाल करेगा

' क्यों नहीं रखा ? रखना चाहिए था आपको.

' देखो जीवन में इतने सारे सवाल खड़ें हैं जिसका जवाब हमें नहीं मिल रहा है और सवाल सुनने की हिम्मत नहीं है मुझमें है ,न ही किसी व्यक्ति में है इस

वर्तमान में '

' आप इतने उखड़े-उखड़े से क्यों हो ?

' अब व्यक्ति से कोई फोटो फ्रेम सवाल पूछेगा तो उखड़ना स्वाभाविक है '

' आप मुझसे पीछा छुड़ाना चाह रहें हैं, और मैं जानता हूँ कि आप क्यों पीछा छुड़ाना चाह रहे हो।इसलिए ना कि मेरे बाल काले हैं।मैं जवान खूबसूरत हूँ और

आपके चेहरे में झुर्रियां उतरने लगी है। मैं शान्त हूँ और आप चिढ़चिढ़े हो गये हो. '

' पीछा नहीं वास्तविकता बता रहा हूँ ।इस समय में इतने सारे सारे सवालों से घिरा है आदमी कि उसका जीना हराम हो गया है। सारा जोश बर्फ की तरह

जम गया है, जिसका पिघलना अब मुश्किल है ' मैने कहा ।

थोड़ी देर रूककर मैंने कहा ' तुम्हें क्या पता कब सुबह होती है कब शाम होती है. '

' क्यों नहीं पता ? सुबह होती है तो आप बिजली बंद कर देते हैं ।कमरे में उजाला रहता है दिन का और रात को बिजली बंद करने के बाद आप सो जाते हो। मेरे लिए भी तो वही सब कुछ है जो आपके लिये है '

थोड़ी देर मैं भी चुप रहा।फोटो फ्रेम भी चुप रहा उसके पास भी सवाल खत्म हो गये थे। फोटो फ्रेम भी कहाँ तक सवाल पूछता रहेगा।

अंकिता लिटिल क्राफ्ट
सत्ती बाजार
रायपुर,मोबाइल 9826174067

असली शिक्षा — दो लघुकथाएँ

डॉ.योगिता जोशी

गाँव के सरकारी स्कूल में एक नया शिक्षक नियुक्त हुआ। नाम था अजय सर। पहले ही दिन उन्होंने देखा कि बच्चे बेमन से पढ़ रहे हैं, और कई तो स्कूल ही नहीं आते।

उन्होंने बच्चों से पूछा, 'तुम लोग स्कूल क्यों नहीं आना चाहते?'

एक बच्चा बोला, 'हम तो बस मार खाने से बचने आते हैं, पढ़ाई में क्या रखा है?'

अजय सर चौंक गए। उन्होंने पढ़ाई का तरीका बदला — किताबें रखकर बच्चों को पेड़-पौधों, खेल, कहानियाँ और जीवन के अनुभवों से सिखाने की शुरुआत की।

धीरे-धीरे बच्चों में उत्साह लौटने लगा। अब वे सवाल पूछते थे, बहस करते थे, चीज़ों को समझने की कोशिश करते थे।

एक दिन एक बच्चा बोला, 'सर, अब पढ़ाई मज़ा देती है, डर नहीं।'

सर मुस्कराए — 'बस यही है असली शिक्षा — जो सोचने-समझने और बदलने की ताक़त दे।'

पढ़ना है मुझे!

छोटे-से गाँव की गली में दस साल की गुड़िया झाड़ू लगा रही थी। हाथ में छाले थे, पर आँखों में चमक थी। पास के स्कूल से बच्चों की आवाजें आ रही थीं — 'सर! मैं पढ़कर डॉक्टर बनूँगा!

गुड़िया रुक गई। झाड़ू एक ओर रख दी और स्कूल की खिड़की से झाँकने लगी। उसकी आँखें किताबों में डूबी थीं, पर उसका जीवन बर्तन और झाड़ू में उलझा था।

उसी समय स्कूल के प्रधानाध्यापक बाहर आए और बोले, 'क्या देख रही हो, बेटी?'

गुड़िया सकुचाकर बोली, 'पढ़ना है मुझे... पर माँ कहती है, पढ़ाई रोटियाँ नहीं देती।'

प्रधानाध्यापक थोड़ी देर चुप रहे, फिर बोले, 'तुम पढ़ना चाहती हो? कल से स्कूल आओ। फीस की चिंता मत करना।

अगले दिन गुड़िया स्कूल की पहली बेंच पर बैठी थी — चमकते चेहरे और टूटी चप्पलों के साथ।

जयपुर

सॉनेट — समय की शिक्षा

डॉ. विनीत मोहन औदिच्य

डूबा है संसार..अवसाद में, अतीत की स्वर्णिम याद में,
गुरु का स्थान था पुनीत मंदिर, शिष्य रहता गुरुपाद में
था समय वह शिक्षा व संस्कार का,मान व अधिकार का,
हृदय में भर क्षमा व प्रेम,करता त्याग अपने अहंकार का।

समय आज का है यह कैसा, लिखता पानी पर कहानी,
भ्रमित मार्गदर्शक स्वयं यहाँ, कुपथ पर चलता अज्ञानी।
नूतन युग के इस निर्माण में, चेतना रह गई है
अपरिचित,
रिक्त हो रही विश्वास-धरा, सत्य भी हो रहा अब कलुषित।

समय ही शिक्षा, समय ही शिक्षक, समय का पथ अति कठिन,
तरुण पौधा बढ़ता गहन वन में, हिंसा से चरित्र होता मलिन
समय स्वयं लेता निर्णय अपना, निष्क्रिय कर जाता वलय को,
मानव कितना भी हो विकसित, बाँध सका न इस समय को।

शिक्षा से संस्कार और सुसंस्कार से समाज है बनता सर्वोत्तम,
मिथ्या के भंवर में न उलझ ऐ युवा, जलते रहो तुम सूर्य-सम!

सॉनेटियर व ग़ज़लकार
सागर, मध्यप्रदेश

कविता — पुराने नंबर की घंटी

रेणु अग्रवाल

व्हाट्सऐप-इंस्टा के समय में
घर के एक कोने में
पड़े रहते हैं चुपचाप।
आहट तक
नहीं पहुँचती वहाँ।
मानो
उन्हें म्यूट कर दिया गया हो।
वे घुलना चाहते हैं
हर बातचीत में,
मगर हर बार
कोई अदृश्य उँगली
लौटा देती है उन्हें
उनकी ही चुप्पी में।
कमरे की दीवारों,
तस्वीरों और छत को
टकटकी लगाए
देखते रहते हैं—
जैसे किसी पुराने नंबर पर
अब भी घंटी बजने का
इंतज़ार हो।

अधखुली खिड़की

मेरे मकान से तीसरे नंबर की
गली में पुराने मकान की
अधखुली खिड़की पर
अक्सर ठहर जाती हूं
उसके पीछे की हल्की
रोशनी मुझसे कुछ
कहना चाहती है
जैसे कोई धीमे-धीमे
सिसक रहा हो
किसी अनजानी आहट के साथ
पर्दे सरसराकर
भर देते हैं हवा में
एक अनसुनी-सी बेचैनी
सोचती हूं सीढ़ियां
चढ़कर भीतर जाऊं
पर कुछ है जो रोक लेता है
फिर कांपते हाथों से
समय मुझे खींच ले जाता है
अंदर
मैंने देखा उसकी आंखों में
धुआं-सा उठती
लौटने की आस थी
कमरे की दीवारें
सीलन से नहीं किसी की
यादों से भीगी थीं
झूलती तस्वीरें जैसे किसी ने
उन्हें बीच में ही छोड़ दिया हो
कैलेंडर के पन्ने
पुरानी यादों के पीछे
फड़फड़ाते हैं
और मेज पर डायरी से झांकता
गुलाब
अब भी किसी का इंतजार करता है
मुझसे कोई धीरे से पूछता है—
कहाँ खो गई थी तुम?

बरगढ़ ओड़िशा मोबाइल - 7077047744
ईमेल - agrawalrenuy|x@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

आत्म मंथन के लिए प्रेरित करती कृति

रंजना श्रीवास्तव

उपन्यास मानव जीवन का इतिहास-प्रेमचन्द उपन्यास साहित्य की वह विधा है जो जीवन को हमारे समीप लाकर धरोहर के रूप में रख दे। संस्कृत में 'उप' का अर्थ है समीप और 'न्यास' का अर्थ है धरोहर के रूप में रखना। गद्य में लिखा वह बड़ा कथात्मक प्रबंध जहाँ जीवन की विस्तृत कथा, पात्रों के चरित्र और परिवेश का कलात्मक चित्रण हो। समीक्षा और विवेचना की दृष्टि से उपन्यास के छह तत्व माने गए हैं कथावस्तु, पात्र, संवाद, देशकाल, भाषा-शैली और उद्देश्य। अग्निपथ के राही इन छहों कसौटियों पर खरा उतरता है।

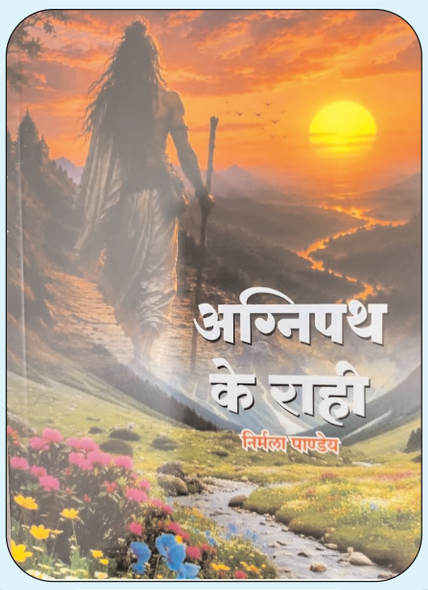

उपन्यास : अग्निपथ के राही
लेखिका : निर्मला पाण्डेय
प्रकाशक : अविशा प्रकाशन, नागपुर
क़ीमत - 150/-

निर्मला जी के उपन्यास में कथावस्तु का केंद्र है मणिकर्णिका घाट। मोक्ष तक अथाह परिकल्पनाएँ और अनन्त संभावनाएँ प्रस्तुत की हैं लेखिका ने। उपन्यास आध्यात्मिक गलियारों से गुजरता हुआ जन्म-जन्मांतर के चक्र और वैराग्य के अंतिम सत्य तक ले जाता है जो उपन्यास का सबसे सशक्त संबिम्ब है।

मणिकर्णिका घाट केवल श्मशान नहीं है, वह काशी का हृदय है। मणिकर्णिका काशी के पाँच प्रमुख और प्राचीनतम तीर्थों में से एक है। प्राचीन काल में इसे चक्रपुष्करिणी कहा जाता था। मान्यता है कि यहाँ स्वयं शिव मृतक के कान में तारक मंत्र फूँकते हैं, जिससे जीव जन्म-मरण के फेर से मुक्त हो जाता है। इसलिए यहाँ की चिता कभी बुझती नहीं। यहाँ मृत्यु मंगल मानी जाती है। इसी घाट पर माँ शारदा गिरी 24 घंटे शवों को भस्मीभूत होते, परिजनों का क्षणिक विलाप और सब कुछ राख और ख़ाक होते देखती हैं और तभी नायिका को बोध होता है कि संसारअसार है। यह दृश्य ही पूरे उपन्यास का दर्शन है। निर्मला जी ने इसी घाट को वैराग्य की प्रयोगशाला बनाया है।

निर्मला जी ने बिट्टी उर्फ सरला उर्फ माँ शारदा गिरी के रूप में प्रकारांतर से स्वयं को ही केन्द्र में रखा है। बिट्टी बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति की रही है। स्कूल के बाद यज्ञशाला की 101 परिक्रमा, स्वामी रामकिंकर जी की रामकथा, महीनों चलने वाली रामलीला, इन सबने उसे भीतर से गढ़ा। भागवत सुनकर नहीं, स्वयं भागवत पढ़कर उसे कृष्ण का ज्ञान मिला। वह जानती है कि राधा कोई साधारण पात्र नहीं, कृष्ण की आह्लादिनी शक्ति है जिसे विष्णु ने अपनी लीला के लिए हृदय से प्रकट किया। यही प्रौढ़ दृष्टि आगे चलकर माँ शारदा के प्रवचनों में दिखती है। जब सरला संन्यास लेती है तो एक सन्त रोकते हैं कि वैदिक काल में भी स्त्री का संन्यास स्वीकार्य नहीं था! पर सरला का उत्तर स्पष्ट है, आत्मा एक ही है, वह केवल स्त्री-पुरुष का चोला पहने है। गुरु उसे कठोर विधि से दीक्षा देते हैं, बारह बार साष्टांग प्रणाम, केश-मुंडन, स्वयं का श्राद्ध, और संकल्प कि अब कभी तेल का प्रयोग नहीं, केवल सात्विक भोजन, व्रत-नियम और शास्त्राध्ययन। भगवा वस्त्र धारण कर वह काशी आती है, भिक्षा पर निर्वाह करती है, और वैराग्य को दृढ़ करने के लिए मणिकर्णिका घाट पर साधना करती है। बाद में वही शारदा गिरी हजारों की सभा में भागवत, वेद-पुराण और रामकथा कहती है। वास्तव में कमाल की कलम है निर्मला जी की। कहते हैं — 'कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर वाणी'। भाषा हर चार कोस पर अपना रूप बदलती रहती है। यही कारण है कि निर्मला जी के बहुभाषी होने के साथ साथ उनके उपन्यास में जनभाषा की सुगंध भी देखी जा सकती है। उपन्यास में लाहौर से लखनऊ तक की यात्रा का वर्णन है। बिट्टी के बाऊजी विभाजन से पहले लाहौर में रहते थे, वहाँ पंजाबी बोली जाती थी। विभाजन के बाद परिवार लखनऊ में आ बसा, इसलिए बिट्टी की हिन्दी में पंजाबी की मिठास और अवध की संस्कृति दोनों हैं। हर बच्चे के बचपन की यादें उसके विद्यालय से सीधे जुड़ी होती हैं, पर भय वाले अनुशासन का चित्रण भी सजीव बन पड़ा है निर्मला जी के उपन्यास में — प्रिंसिपल मिस घोष और वाइस प्रिंसिपल मिस बैनर्जी, सफेद कड़क साड़ी में, बड़ी-बड़ी आँखों से घूरती हुईं। उनका खौफ इतना कि ऑफिस में बुलाए जाने पर आधी जान निकल जाए। पर कहते हैं ना! कि दवा कड़वी ही होती है।

व्यंग्य

संपादक जी की जय हो...!

रन्दी सत्यनारायण राव

अमूमन हिन्दी लेखक की लेखन क्षमता और पाठक की पठनीयता पर समय-समय पर अनेकानेक कलमकारों द्वारा अपनी कलम सेंकते देख मैं अभिभूत ही नहीं, वरन आह्लादित भी हूँ. बल्कि मेरा तो यह निश्चित मानना है कि जो नकारा होते हैं, वही लिखने के काम को सही से अंजाम दे सकते हैं.लेकिन संपादक कोई तब बनता है जब वह अपने को सभी विधाओं में निष्णात पाता है, और लेखक को अपने आगे याचक. मुझ जैसों को वह लेखक मानता भी है इस में भी संदेह है. अपनी खुन्नस निकालने और अपनी प्रतिभा की अरुणिमा के दीदार को व्याकुल, नौसिखियों के बीच अपने क्षीण ज्ञान का रुआब ग़ालिब के लिए, यह 'पद' मन-मुआफ़िक बैठ रहा होता है. रही बात पाठक की तो यह कहने में गुरेज नहीं करूंगा कि वह भी लेखक की भांति एक मूक दोपाया निरामिष प्राणी होता है, जिसके जिसके आगे संपादक-प्रकाशक रुपी स्वामी जो भी घास-पूस, दर्रा-खल्ली, मांड-भात, बासी या ताजा आगे डाल दे, वर्षों से वह भूखे की भांति खाने को विवश है. बल्कि मैं तो संपादक नामक प्राणी को नाना प्रकार के 'वरिष्ठ-,गरिष्ठ', 'बलिष्ठ-कनिष्ठ' लिक्खाडों का अपशिस्ट,-गरल अथवा अमृत को अपने विशाल हृदय में प्रतिष्ठित करने को विवश होना पड़ता है, यह स्वीकारने में मुझे तनिक भी संकोच नहीं.यह इसलिए भी की संपादक, स्वयं यह मानने को हर्गिज तैयार नहीं होता कि उसने पाठक के आगे जो खाध्य सामग्री परोसी है, उसमें उसका भी महत्वपूर्ण योगदान और पसंद समाहित है. 'मीठा-मीठा गप्प और कडुआ-कडुआ थू' की भांति पाठक, या जनता को पसंद आ गया तो उस सफलता के लिए अपनी पीठ स्वयं ठोंक लेंगें. वर्ना उनकी तरह 'ई.वी.एम' के सर पर अपनी हार का टीकरा फोड़ फ़ारिग हो जाएँगे. और 'यह लेखक के अपने विचार हैं, इसमें संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं' का टैग लटका कर लेखक को स्वर्ग से नर्क में धकेल देने का उपक्रम जग जाहिर है. सब जानते हैं कि साहित्य तो संपादक के पसंद और ना पसंद की मथनी से छन कर पाठक की आँख के रास्ते पहले आंत फ़िर खोपड़ी में समाता है. किंतु होशियार संपादक वही जो सब के मन को भाये.ऐसे ही एक बार मैंने इस क्षेत्र में उग आए एक खर-पतवार संपादक श्रीमान 'हिचकौले लाल' जी से मैंने प्रश्न किया- 'आपकी पत्रिका की नीति क्या है?' वह बगैर हिचकौले खाए बोले- 'फिलहाल हमारी पत्रिका की नीति दुनिया भर के नए-पुराने साहित्यकारों की उबकाई को स्वीकारना, तथा उनकी गन्दगी को साफ़ कर खूबसूरत तश्तरी में स्वादिष्ट-डिश का लेबल लगा कर पाठकों को परोसना है.' आगे चलने पर एक और स्टाइलिश संपादक 'मिस्टर डिफरेंट' से मिलना हुआ, सच में यथा नाम, तथा गुण चेहरे से टपक रहा था. अपनी आदत के अनुसार मैंने उनसे भी यही सवाल किया तो बोले - 'भई हमारी पत्रिका नोबेल के स्तर की है. इसका करोड़ों का बजट है.इसमें हम गली-मोहल्ले के लेखकों को अवसर नहीं दे सकते. इसके लेखक आस्कर और नॉवेल पुरस्कार विजेता होते हैं.' मैंने उनके हंसीन सपने में खलल डालना उचित न समझ, उन्हें आशीर्वाद दे कर घर की राह ली तो एक सज्जन को मेरी ओर तकते पाया. स्मरण शक्ति पर जोर डाला तो याद आया कि आप कई दलों के तड़ी-पार हैं.पहले गुंडई से नेतागिरी में उतरे या नेतागिरी से गुंडई में? यह एक रहस्य था. अहोभाग्य हमारे कि उनसे नमस्कार ग्रहण कर पूछा- 'कहिए जनाब, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ.' वे बोले- 'भईवा, हम हूँ संपादक भोईले बानी. तनी एगो व्यंग्वा हमनी के सरकाई देब तो पत्रिका निकाले के सहायता हो जाईब. ऐसन लिखलन लोग त ढेरों बाड़े. बाकि कछु निम्मन लिखले नू हैं. रव्वा हमनी के ऐसन रचना देवे के चाही, जोनो कौनो जगह न छप्ले हा.' मैंने उन्हें ऐसी रचना दे कर पिंड छुडाई जो सच में मुझे ही याद नहीं कि उसने पूरे भारत की कितनी परिक्रमा कर अपनी ईहलीला समाप्त करने कि सोच रखी थी. ऐसे में इस संपादक से उसमें जीने की आशा जग गई.वैसे भी भारतीय परम्परा में आगत भिक्षुक को खाली हाथ लौटाना पाप करने के सामान माना जाता है. यह पाप करने से मैं बच गया।

लघुकथा — प्रभाते कर दर्शनम्

राजेंद्र ओझा

उसने सब्ज़ी काटकर फ्रिज में रख दी।

इससे पहले वह दही भी जमा चुकी थी। उसके द्वारा जमाए गये दही की सभी तारीफ़ करते थे। यह तारीफ़ सही में दही के अच्छे से जमने के लिए थी या दही जमाने के काम से बचने के लिए, इसे वह अच्छी तरह जानतीं थीं। उसने आटा भी गूंधा और तरह-तरह की चीजों से भर चुके फ्रिज में जगह बनाकर उसे भी रख दिया।

सोने जाने से पहले उसने घड़ी की तरफ़ देखा और अपने से ही कहा, 'ओह! आज फिर रात के दो बज गए।' अभी वह ठीक से सोई भी नहीं थी कि खिड़की के कांच के उधर जितना उजाला फैल गया था। आँखों में गहरी नींद भरी पड़ी थी फिर भी वह उठी और अपनी दोनों हथेलियों को जोड़कर लगभग बंद आँखों से ही उसने पढ़ा, 'कराग्रे वसते लक्ष्मी,कर मध्ये सरस्वती कर मूले तु गोविंदं, प्रभाते कर दर्शनम्।'

और उसने अपनी हथेलियों को चेहरे पर घुमाया। उसे अपनी हथेलियाँ कुछ खुरदुरी-सी लगी। उसने सायास अपनी आँखें पूरी खोली और हथेलियों को देखा। हाथ अभी भी आटे से सना पड़ा था।

वह मन-ही-मन बुदबुदाई 'प्रभाते कर दर्शनम्' और बिस्तर छोड़कर नीचे उतर गई।

ग़ज़ल

हमीद कानपुरी

कहीं ग़म हज़ारों
कहीं हर खुशी है।
यही ज़िन्दगी है
यही ज़िन्दगी है।

महज लफ्ज़ अच्छे नहीं यार काफी,
दिलों को जो भाये वही शायरी है।

न दिल से अगर हो इबादत कहाँफिर,
सभी कुछ भुला दे वही बन्दगी है।

अगर दिल के अंदर मुहब्बत बसी हो,
निभा ले उसे भी अगर कुछ कमी है।

ज़माने में हर जीव से है जोअफ़ज़ल,
निसंदेह वो जीव बस आदमी है।

179, मीरपुर, कैण्ट, कानपुर-208004

महानदी का बढ़ रहा जलस्तर, बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट

जलस्तर बढ़ने से महानदी पुल पर आवागमन बंद, कलेक्टर महोबे ने शिवरीनारायण पहुंचकर लिया जायजा

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के बीच शिवरीनारायण में बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण महानदी पुल पर आवागमन बंद कर दिया गया है, जिससे नदी के दोनों ओर आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

इसी बीच जांजगीर-चांपा कलेक्टर जनमेजय महोबे ने शिवरीनारायण पहुंचकर महानदी के बढ़ते जलस्तर और आसपास की स्थिति का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने लोगों से सावधानी बरतने तथा नदी किनारे जाने से बचने की अपील की। कलेक्टर महोबे ने कहा कि महानदी का जलस्तर बढ़ रहा है, इसलिए लोग अनावश्यक रूप से नदी किनारे और जलभराव वाले क्षेत्रों में न जाएं। उन्होंने बताया कि यदि पानी बस्ती के अंदर आने की स्थिति बनती है तो प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने, बचाव कार्य चलाने और राहत कैंप स्थापित करने सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की पूरी तैयारी प्रशासन ने कर रखी है।

नगर पंचायत ने 24 घंटे की निगरानी व्यवस्था की - बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए नगर पंचायत शिवरीनारायण ने बाढ़ आपदा नियंत्रण एवं राहत व्यवस्था के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है। नगर पंचायत द्वारा जारी आदेश के अनुसार कर्मचारियों की ड्यूटी तीन पालियों में लगाई गई है, ताकि 24 घंटे स्थिति पर नजर रखी जा सके।

आदेश के अनुसार उप अभियंता नुनेश साहू को नोडल अधिकारी तथा सफाई दरोगा दीपक कुमार साहू को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। कर्मचारियों की ड्यूटी सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे, दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तथा रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तीन पालियों में निर्धारित की गई है।

पुल बंद होने से बढ़ी परेशानी- महानदी का जलस्तर बढ़ने के बाद महानदी पुल पर आवागमन बंद किए जाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे बंद किए गए मार्ग या नदी के आसपास जाने का प्रयास न करें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

बस्ती में पानी पहुंचा तो तत्काल होगा रेस्क्यू - प्रशासन ने संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव की तैयारी पूरी रखने की बात कही है। यदि महानदी का पानी बस्ती के अंदर आने की स्थिति बनती है तो प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए बचाव दल, राहत कैंप और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी रखी गई है।

नगर पंचायत ने जारी आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर जांजगीर-चांपा, एसडीएम पामगढ़, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार शिवरीनारायण एवं थाना प्रभारी शिवरीनारायण को आवश्यक कार्रवाई एवं सूचना के लिए भेजी है। फिलहाल महानदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन की नजर नदी के जलप्रवाह और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों पर बनी हुई है। तीन पालियों में कर्मचारियों की तैनाती के साथ प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

नगर के वार्ड क्रमांक 12 में सड़के हुई कीचड़ में तब्दील

विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। नगर के वार्ड क्रमांक 12 में इन दिनों गलियों के सड़कों पर जलना परेशानियों का सबब बना हुआ हैं। यहां नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रही हैं।और कीचड़ से जाम की स्थिति निर्मित हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार थाना चौक काली मंदिर के पास अंडर ब्रिज के समीप बेलदार पारा वार्ड क्रमांक 12 में गली के सड़क में नाली का गंदा पानी बह रहा है जिससे मोहल्ले एवं राह चलने वाले राहगीरों को बड़ी परेशानी हो रही हैं यहां नाली का गंदा पानी सहित नाली से निकले गंदा मलबे और कचड़े पूरी तरह सड़कों पे फैले हुई हैं। और उस नाली से निकले गंदे कचड़े से बदबू आ रही हैं।गंदे बदबू से मोहल्ले वाशी इसकी शिकायत कई बार वार्ड के पार्षद सहित नगर पालिका शासन को दी गई हैं। लेकिन इस समस्या की ओर आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि नाली की गंदगी का मुख्य कारण पानी की निकाशी हैं।इस नाली में पानी निकाशी की व्यवस्था नहीं होने के कारण नाली का गंदा पानी सड़कों पर बहती हैं।और जाम की स्थिति उत्पन्न होती हैं।नाली से निकले हुए कचरे से भी दुर्गंध आती रहती हैं। लोगो ने बताया कि कई वर्ष पूर्व में इस नाली का निकाशी पानी पीछे खेत से होते हुए बैंगिंन बंधान के दो तालाबों में जाकर मिलती थी।लेकिन इस स्थान पर एक व्यक्ति द्वारा मकान निर्माण कराया गया और नाली की निकाशी में काम चलाउ के लिए दोन का उपयोग कर नाली का पानी निकाशी किया जा रहा था। समस्या यही तक सिमित नहीं रही क्योंकि रेल्वे कालोनी का गंदा पानी भी इसी नाली में आती थी। नाली का पानी अधिक हो जाने के कारण पानी का कचरा दोन में जाम हो गई।और नाली का कचरा सहित गंदा पानी सड़कों पर फैल गई। और जाम की स्थिति बन गई।

साफ सफाई में अभाव - वार्ड क्रमांक 12 में सड़के में फैली नाली का गंदा पानी सहित बदबू दार कचड़े को निरंतर साफ सफाई नहीं करने से नाली का सारा कीचड़ युक्त कचरे पूरा सड़कों पर फैली हुई हैं। जिससे बदबू भी आने लगी हैं।अगर इस नाली का नगर पालिका द्वारा लगातार साफ सफाई किया जाता तो शायद स्थिति आज अलग होती।जाम का मुख्य कारण साफ सफाई में अभाव हैं। सफाई नहीं होने के कारण जाम की स्थिति निर्मित बनी हुई हैं।

क्या कहती हैं वार्ड पार्षद भगवंती साहू वार्ड क्रमांक 12

वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद भगवंती साहू ने कहा कि नगर पालिका शासन को सूचना के तहत अवगत कराया गया हैं कि वार्ड क्रमांक 12 में एक नए नाली का निर्माण कराया जाए और वार्ड क्रमांक 12 में निवासित मोहल्ले वाशियो को होने वाले नाली की पानी निकाशी समस्या से निजात दिलाए।ताकि हो रहे नाली की समस्या से छुटकारा मिल सके नगर पालिका से मांग किया गया हैं कि अंडरब्रिज से लेकर निचले क्षेत्र तक एक नए नाली का निर्माण बहुत जल्द कराया जाए। नगर पालिका शासन प्रशाशन ने नए नाली का निर्माण के लिए आश्वाशन दिया गया हैं कि जल्द ही एक नए नाली का निर्माण किया जाएगा।

हीरे तराश रही है बस्तर की ज्ञानगुड़ी!

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा संचालित निशुल्क ज्ञानगुड़ी कोचिंग सेंटर वास्तव में हीरे तराशने वाला केंद्र बन गया है। यहां कोचिंग कर रही फिर एक बच्ची का चयन सरकारी बीएएमएस कॉलेज में हो गया है।

बीएएमएस कोर्स के लिए चयनित छात्रा हिमांशी ने मुख्यमंत्री, विधायक, सांसद, महापौर, कमिश्नर, कलेक्टर का धन्यवाद ज्ञापित किया है। हिमांशी ने कहा- ऐसे कोचिंग सेंटर का होना हम जैसे माध्यम वर्गीय गरीब बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। आर्थिक मानसिक परेशानियों को दूर कर फ्री होकर तैयारी का परिणाम सुखद होता है। कलेक्टर बस्तर ने अच्छे से पढ़ाई पूर्ण कर बस्तर में ही सेवा देने की अपील की एवं शिक्षकों और पेरेंट्स को बधाई दी।

इससे पूर्व चार बच्चों का ज्ञानगुड़ी से एमबीबीएस के लिए हो चयन हो चुका है। इस पर सभी बच्चों ने कहा कलेक्टर सर से प्राप्त टिप्स को ध्यान में रखकर पूरे वर्ष पढ़ाई की, जिसका परिणाम हमें मिला। उल्लेखनीय है कि बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा लगातार ज्ञानगुड़ी में मार्गदर्शन देते रहे हैं। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा अपनी पढ़ाई और यूपीएससी की तैयारी की पिन प्वाइंट जानकारी बच्चों को लगातार देते रहे, जिसका परिणाम यह हुआ कि 90 में से 50 बच्चों ने नीट क्वालीफाई किया और उनमें से पांच बच्चों ने एमबीबीएस एवं बीएएमएस में सीट प्राप्त कर ली है। इस उपलब्धि पर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ज्ञानगुड़ी अलेक्जेंडर एम. चेरियन, जी. श्रीनिवास राव, मनीष श्रीवास्तव, संजीव बिस्वास को बधाई है।

खैरगुड़ा राहत शिविर में ठहराए गए 13 प्रभावित परिवार

रिहायश और भोजन की उत्तम व्यवस्था

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। लगातार बारिश और जलभराव के चलते प्रभावित परिवारों की सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत कुंडगुड़ा मधोता 02 द्वारा खैरगुड़ा स्थित प्राथमिक शाला में राहत शिविर बनाया गया है। यहां जलभराव से प्रभावित 13 परिवारों के सदस्यों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है।

प्रभावित परिवारों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सरपंच ईस्पर मंडावी सुबह से ही प्रभावित परिवारों की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। वहीं मनोज कुमार, नंदो ठाकुर और जगरु कश्यप भी प्रभावित परिवारों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। राहत शिविर में रह रहे परिवारों के लिए भोजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन की ओर से भी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। तहसीलदार बस्तर जॉली जेम्स प्रभावित परिवारों एवं स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं और राहत व्यवस्था की जानकारी ले रहे हैं। बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रभावित परिवारों से सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की गई है। प्रशासन एवं ग्राम पंचायत द्वारा राहत शिविर में रह रहे परिवारों की आवश्यक जरूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

घर में घुसकर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, स्कूटी व लोहे की रॉड बरामद

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। थाना अकलतरा क्षेत्र के ग्राम रसेड़ा में घर का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त स्कूटी तथा ताला तोड़ने में इस्तेमाल लोहे की रॉड बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 331(4), 305(ए), 3(5) के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार ग्राम रसेड़ा निवासी संदीप साहू 24 सितंबर को मेन रोड स्थित अपने घर में ताला लगाकर काम से बाहर गए थे। रात में वापस लौटने पर उन्हें घर के अंदर अज्ञात व्यक्ति दिखाई दिए। परिवार के सदस्यों को देखकर आरोपी भागने लगे, इसी दौरान एक आरोपी को पकड़ लिया गया। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मानसिंह उर्फ रामू सिंह (22 वर्ष), निवासी ग्राम कोसमनार, थाना कोतरारोड, जिला रायगढ़, हाल मुकाम बंधवा तालाब, तोरवा, जिला बिलासपुर बताया। आरोपी ने अपने साथी के साथ चोरी की नीयत से घर में प्रवेश करना स्वीकार किया।

बड़े भाई की हत्या के मामले में छोटे भाई को उम्रकैद, कांकेर जिला न्यायालय का फैसला

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कांकेर जिले के आमाबेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जंगलपारा गरदा में मोटरसाइकिल को लेकर हुए विवाद के दौरान बड़े भाई की हत्या के मामले में कांकेर जिला न्यायालय ने आरोपी छोटे भाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने विवाद के दौरान बड़े भाई से भरमार बंदूक छीनकर उसके बट से सिर पर दो बार वार किया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास के साथ 1 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर उसे 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामला 20 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8 बजे का है। ग्राम जंगलपारा गरदा निवासी मंगऊ कावड़े (31 वर्ष) नारायणपुर से लौटकर अपने घर के आंगन में बैठा था। इसी दौरान उसका बड़ा भाई मंगतूराम कावड़े (35 वर्ष) भरमार बंदूक लेकर वहां पहुंचा और मोटरसाइकिल नहीं देने की बात को लेकर उससे विवाद करने लगा। विवाद के दौरान मंगतूराम ने भरमार बंदूक से फायर कर दिया। गोली से निकला लोहे का टुकड़ा मंगऊ के दाहिने पैर में लगा, जिससे वह घायल हो गया।

घटना के बाद गुस्से में मंगऊ ने अपने भाई से भरमार बंदूक छीन ली और उसे जमीन पर पटककर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद उसी बंदूक के बट से मंगतूराम के सिर पर दो बार वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद मंगतूराम आंगन में गिर पड़ा और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई।

आरोपी ने घटना की जानकारी तत्काल परिवार के किसी सदस्य को नहीं दी। अगले दिन मृतक की मां रजाय बाई ने मंगतूराम को घर के आंगन में मृत अवस्था में देखा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गुस्से में बंदूक के बट से हमला करने की बात स्वीकार की। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई और आमाबेड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी की हुई मासिक बैठक

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। स्थानीय रेस्ट हाउस सक्ती में जिला कांग्रेस कमेटी सक्ती की मासिक बैठक आयोजित किया गया। बैठक में संगठन सृजन अभियान के तहत मंडल कमेटियों की नियमित बैठक, पंचायत एवं बूथ कमेटी के कार्यकर्ताओ से संपर्क कर संगठन की मजबूती एवं सक्रियता हेतु लगातार कार्य करने संबंधी निर्णय लिया गया । इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी मंडलों में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण को प्रभारी नियुक्त किया गया है जो संगठन की मजबूती एवं समय समय पर पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का बूथ स्तर तक पालन हो । इसके साथ ही स्मार्ट मीटर के विरोध में जो अभियान चल रहा है, उसके क्रियान्वयन में तेजी लाने हेतु सभी मंडलों में बैठक करने हेतु निर्णय लिया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती रश्मि गभेल, चंद्रपुर विधायक माननीय रामकुमार यादव जी, जैजैपुर विधायक माननीय बालेश्वर साहू जी, पूर्व विधायक चैन सिंह सामले ठा गुलजार सिंह जी जिला प्रतिनिधि,जिला कांग्रेस उपाध्यक्षगण बलराम पांडे , धनीराम सोनवानी , ,रुप नारायण साहू , ताराचंद साहू, अमरसिंह बनाफर, भुनेश्वर चंद्रा महामंत्री गण गिरधर जायसवाल पिंटू ठाकुर , विजय सूर्यवंशी घनश्याम देवांगन, अमित राठौर, कुसुम यादव, राजीव जायसवाल, मधुसूदन साहू, ओमप्रकाश पटेल,बोधसाय चंद्रा, ताम्रध्वज चंद्रा, सचिव रामकुमार पटेल , सन्नी यादव, राजेन्द्र कुसुमलता अजगल्ले,पारस यादव,सुभान खान, चंद्रकुमार सोनी, जीवन लाल साहू ,दुजराम साहू,लखन चंद्रा, मनोज जायसवाल, सुनील कुमार पटेल पूर्णिमा खूंटे, किसान कांग्रेस साधेश्वर गबेल, अल्पसंख्यक महबूब खान, असंगठित मजदूर , अनुसूचित मोर्चा टीकाराम कुर्रे, असंगठित मजदूरों। कांग्रेस पवन साहू ,समेलाल जायसवाल , सेवा दल छोटु दास महंत, युवा कांग्रेस रोहित यादव , राशिद खान, राकेश गबेल , मंडल अध्यक्ष लाला सोनी रामसजीवन देवांगन , कुंज राम साहू, भीष्म साहू, कार्तिक साहू, मीडिया प्रभारी भानुप्रताप गबेल, प्रकाश गबेल , राइस किंग खुटे, सुभान खान, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गण राकेश राठौर, श्याम केवट , गोपाल भारद्वाज, रामप्यारे सिदार , जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि ऋषि राय जी, सम्मेलाल जायसवाल, रोहित साहू,प्रेम राठौर, बंशी खांडे ,लोकेश पांडे, चन्द्रकुमार सोनी संजय कोसले सोनू तंबोली एवं कांग्रेस जन उपस्थित थे ।

बाढ़ के बीच जनता की सुध लेने पहुंचे सांसद कश्यप जगदलपुर से बकावंड तक का लिया जायजा

राहत शिविरों में पहुंचे कश्यप, प्रभावितों के बीच बैठकर सुनी समस्याएं

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। अर्नब चक्रवात के कारण लगातार बारिश से इंद्रावती नदी और उसकी सहायक नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच बस्तर सांसद महेश कश्यप शनिवार सुबह से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर शहर के डोंगाघाट, आसना और प्रवीर वार्ड सहित प्रभावित इलाकों में पहुंचकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही सांसद कश्यप बकावंड विकासखंड के बाढ़ प्रभावित कुरुसनार, लिटीगुड़ा, शुक्रापाल भी पहुंचे। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान सांसद ने प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। सांसद महेश कश्यप ने राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रभावित लोगों की सुरक्षा, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर प्रशासन से समन्वय किया। इससे पहले बीती शाम सांसद महेश कश्यप मोटर बोट के माध्यम से नगरनार क्षेत्र के भेजापदर गांव पहुंचे थे। भारी बारिश और इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण यह गांव टापू में तब्दील हो गया था। सांसद रेस्क्यू टीम के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लिया।लगातार बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच सांसद कश्यप प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं।

चारपारा में 43 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

करमंदा में 10 लाख रुपए के सामुदायिक भवन का लोकार्पण

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। अकलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चारपारा में लगभग 43 रू.लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा ग्राम करमंदा में विधायक निधि से 10 लाख रू.की लागत से निर्मित सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का लोकार्पण अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर विधायक सिंह ने कहा कि क्षेत्र के गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों की मांग एवं आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाकर उन्हें धरातल पर उतारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों का विश्वास ही विकास कार्यों के लिए प्रेरणा है। आने वाले समय में भी अकलतरा विधानसभा क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच मानी बाई राजकुमार पटेल, उपसरपंच सूरज पटेल, जनपद सदस्य कमलेश भैना एवं गांव के वरिष्ठ नागरिक दारूराम पटेल, मनोज कश्यप,दिनेश मिरी, पवन पटेल सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं करमंदा में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में सरपंच नरेन्द्र साहू, उपसरपंच, जनपद सदस्य यादमती पंचराम रात्रे, पूर्व जनपद अध्यक्ष कन्हैया राठौर, सरपंच संघ अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, प्रितेश शुक्ला, शशि जगत, सदन यादव, सहित गांव एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आर्थिक बुनियाद के दम पर शेयर बाजार में फिर से लौटेगी तेजी: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा है कि हाल के वर्षों में भारत के बॉन्ड बाजार का प्रदर्शन न केवल अपने पिछले रिकॉर्ड की तुलना में बेहतर रहा है, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों की तुलना में भी अधिक मजबूत रहा है। उनका कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद अंतत: शेयर बाजार में भी दिखाई देगी और भारतीय इक्विटी दोबारा निवेशकों के लिए आकर्षक बनेगी।

आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में पूनम गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड यील्ड 22 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बावजूद भारतीय बॉन्ड बाजार ने मजबूती दिखाई है। उन्होंने इसके पीछे केंद्र सरकार की राजकोषीय अनुशासन के प्रति प्रतिबद्धता और आने वाले वर्षों में उच्च आर्थिक विकास दर की संभावनाओं को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की वित्तीय स्थिति में सुधार और भविष्य में बेहतर राजकोषीय परिणामों की उम्मीदों ने भारतीय बॉन्ड बाजार को मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता और मुद्रास्फीति से जुड़े संरचनात्मक दबावों में आई कमी ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। पूनम गुप्ता ने उल्लेख किया कि भारत के सुव्यवस्थित बॉन्ड बाजार को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित पत्रिका द इकोनॉमिस्ट ने टिप्पणी की थी कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि सार्वजनिक वित्त को मजबूत रखना और केंद्रीय बैंकरों को स्वतंत्र रूप से महंगाई नियंत्रित करने देना कितना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजार ने अभी तक उसी स्तर का आशावाद नहीं दिखाया है, जैसा बॉन्ड बाजार में देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि इसका एक कारण यह हो सकता है कि कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित विकास की कहानी फिलहाल अधिक आकर्षक दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजार ने जून 2022 से सितंबर 2024 के बीच असाधारण प्रदर्शन किया था, लेकिन वर्तमान में कुछ अन्य देशों के बाजार उस तरह की तेजी का अनुभव कर रहे हैं। इसके बावजूद उनका मानना है कि आखिरकार वास्तविक अर्थव्यवस्था की मजबूती अपना प्रभाव दिखाएगी और भारतीय शेयर फिर अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक नजर आएंगे। गुप्ता ने भारत के भुगतान संतुलन (बैलेंस ऑफ पेमेंट्स - बीओपी) और रुपए की दिशा पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या भुगतान संतुलन और विनिमय दर देश की वास्तविक आर्थिक ताकत को सही ढंग से दर्शाते हैं।

पीएफ से जुड़ा अटका काम चुटकियों में निपटाएं ईपीएफओ कैंप में मिलेगा हर समाधान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) 'निधि आपके निकट 2.0' पहल के तहत 28 सितंबर को कैंप लगाने जा रहा है। इसका उद्देश्य सदस्यों के पीएफ से जुड़े अटके कामों और उससे जुड़े सवालों का तेजी से समाधान करना है।

ईपीएफओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'निधि आपके निकट 2.0' पहल की जानकारी दी। साथ ही, बताया कि इसके तहत ईपीएफओ 28 सितंबर को कैंप लगाने जा रहा है, जिसमें संगठन की योजनाओं, फायदों और सेवाओं के बारे में बताया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ईपीएफओ की सेवाओं को सब्सक्राइबर के करीब पहुंचाना है, जिससे उन्हें पीएफ से जुड़े अटके कामों के लिए केवल ऑनलाइन प्रक्रिया पर निर्भर न रहना पड़े।

पोस्ट में ईपीएफओ ने लिखा, 'ईपीएफओ की योजनाओं और फायदों के बारे में जानने, अधिकारियों के साथ सेवाओं और प्रक्रियाओं को समझने और अपनी शिकायतों का तुरंत समाधान पाने के लिए 28 सितंबर 2026 को 'निधि आपके निकट 2.0' कैंप में जाएं।'

ईपीएफओ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस कैंप में अधिकारियों से आप अपनी समस्या को लेकर सीधे बातचीत कर पाएंगे। ऐसे में अगर आपका कोई कार्य ऑनलाइन नहीं हो पा रहा है या किसी विशेष स्थिति के कारण अटका हुआ है तो अधिकारियों के समझ आप अपनी बात को रख सकते हैं। 'निधि आपके निकट 2.0' के तहत लगाए जाने वाले कैंप की खास बात यह है कि इसमें शिकायतों के सुनने के साथ उनके तत्काल पर फोकस किया जाएगा। ऐसे में अगर आपकी कोई शिकायत लंबे समय से अटकी हुई है या किसी सेवा को लेकर परेशानी आ रही है तो आप उसे कैंप में संबंधित अधिकारी के समक्ष रख सकते हैं।

हालांकि, यह मानना सही नहीं है कि हर समस्या का समाधान तत्काल कैंप में हो जाएगा, यह समस्या की प्रकृति पर भी निर्भर करता है।

वैश्विक चिंताओं के चलते लगातार 7वें सप्ताह फिसला बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी 0.88 प्रतिशत तक टूटा

विश्व केसरी■

मुंबई। वैश्विक चिंताओं के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार सातवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में 0.88 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

साप्ताहिक आधार पर निफ्टी 0.88 प्रतिशत कमजोर हुआ, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.34 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 23,140 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स शुक्रवार को 315 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 73,895 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह में इसमें 0.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। गुरुवार को दोनों प्रमुख सूचकांक 1.6 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे, जबकि शुक्रवार को चुनिंदा शेयरों में वैल्यू बाइंग के चलते सीमित रिकवरी देखने को मिली।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सप्ताह भर ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहीं, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करता रहा। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति को लेकर चिंताओं ने तेल बाजार को सहारा दिया। हालांकि सप्ताह के अंत में तेल कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली, जिससे आयात बिल, महंगाई, रुपए और कॉरपोरेट लागत पर दबाव की आशंकाएं थोड़ी कम हुईं। दूसरी ओर, अमेरिकी बॉन्ड बाजार ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड सप्ताह के दौरान 5.10 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई। विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंची यील्ड वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को सख्त बनाती है और उभरते बाजारों की परिसंपत्तियों को अपेक्षाकृत कम आकर्षक बना सकती है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बाजार के लिए बड़ी चुनौती बनी रही। एक्सचेंज आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई लगातार छठे सप्ताह शुद्ध विक्रेता रहे और उन्होंने सप्ताह के दौरान 11,490 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखते हुए 16,398 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया, जिससे बाजार में गिरावट कुछ हद तक सीमित रही।

तीन दिन की बैंक हड़ताल से पहले जरूरी काम निपटा लें ग्राहक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और कुछ पुरानी पीढ़ी के निजी बैंकों के ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे अपने महत्वपूर्ण बैंकिंग लेनदेन पहले ही पूरा कर लें, क्योंकि बैंक कर्मचारी यूनियनें 28 सितंबर से तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रही हैं। प्रस्तावित हड़ताल से कई बैंकों की शाखा सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं और यह बैंकिंग क्षेत्र के महत्वपूर्ण अर्धवार्षिक समापन (हाफ-ईयर क्लोजिंग) के दौरान हो रही है।

यह हड़ताल यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की ओर से बुलाई गई है, जो दावा करता है कि वह देश के लगभग 90 प्रतिशत बैंक कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। यूनियनें पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह को लागू करने, पेंशन सुधारों और कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े अन्य मुद्दों पर मांग कर रही हैं।

ग्राहकों को होने वाली असुविधा कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार, 27 सितंबर को भी खुले रखने का निर्देश दिया है, ताकि लोग हड़ताल शुरू होने से पहले अपने जरूरी बैंकिंग कार्य पूरे कर सकें।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने जारी एडवाइजरी में कहा है कि वह शाखाओं और कार्यालयों में आवश्यक सेवाएं जारी रखने का प्रयास करेगा, लेकिन हड़ताल के दौरान कुछ बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। बैंक ने ग्राहकों से कहा है कि वे अपने महत्वपूर्ण लेनदेन पहले ही निपटा लें और जहां संभव हो, योनो, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और कैश डिपॉजिट मशीनों जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग करें। बैंक ऑफ इंडिया ने भी ग्राहकों को संभावित हड़ताल के बारे में आगाह करते हुए सलाह दी है कि वे बैंकिंग जरूरतों के लिए इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट पॉइंट और यूपीआई जैसी चौबीसो घंटे उपलब्ध डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करें।

रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) के कर्मचारी भी आंदोलन में शामिल हो सकते हैं, जिससे देशभर में बैंकिंग सेवाओं पर असर और व्यापक हो सकता है। हालांकि, नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंक जैसे आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक के सामान्य रूप से काम जारी रखने की उम्मीद है। ऐसे में ग्राहकों के लिए नियमित बैंकिंग सेवाओं का एक वैकल्पिक विकल्प उपलब्ध रहेगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में वित्त मंत्रालय ने बैंक कर्मचारी यूनियनों से हड़ताल टालने और लंबित मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाने की अपील की थी। मंत्रालय का कहना है कि यूनियनों द्वारा उठाई गई अधिकांश चिंताओं पर पहले ही काफी हद तक कार्रवाई की जा चुकी है।

सुशासन से साइबर सुरक्षा तक, एनबीएफसी क्षेत्र की टिकाऊ वृद्धि के लिए आरबीआई ने बताए पांच अहम मंत्र

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू ने कहा है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) अब केवल वैकल्पिक ऋणदाता की भूमिका में नहीं रह गई हैं, बल्कि वे विशेषीकृत वित्तीय साझेदार के रूप में उभर रही हैं। ऐसे में क्षेत्र की दीर्घकालिक और टिकाऊ वृद्धि के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में मुर्मू ने कहा कि देश में एनबीएफसी क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है। वर्तमान में एनबीएफसी ऋण सकल नॉमिनल जीडीपी का 16.7 प्रतिशत हो चुका है, जो एक वर्ष पहले 15.9 प्रतिशत था। वहीं अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए कुल ऋण में एनबीएफसी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 27 प्रतिशत हो गई है, जो पहले 26 प्रतिशत थी।

मुर्मू ने सबसे पहले सुशासन (गुड गवर्नेंस) को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी मजबूत संस्थान की नींव बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था होती है। उन्होंने कहा कि निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन को पूरे संगठन में अनुपालन और नैतिक मूल्यों की मजबूत संस्कृति विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे एनबीएफसी क्षेत्र का आकार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे उसके प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे को भी मजबूत होना चाहिए।

दूसरे महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उन्होंने लिक्विडिटी प्रबंधन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अतीत में कई बार देखा गया है कि एनबीएफसी और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां (एचएफसी) बाजार की धारणा में बदलाव और सीमित फंडिंग स्रोतों के कारण दबाव में आ सकती हैं। इसलिए मजबूत लिक्विडिटी प्रबंधन अनिवार्य है। उन्होंने कंपनियों को फंडिंग स्रोतों में विविधता लाने की सलाह दी और कहा कि एक गहरा और तरल कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार इस दिशा में मददगार साबित होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सिक्योरिटाइजेशन को केवल लिक्विडिटी जुटाने के साधन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे जोखिम हस्तांतरण और पूंजी मुक्त करने के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए पारदर्शिता और उचित नियामकीय मानकों का पालन जरूरी है।

तीसरे क्षेत्र के रूप में मुर्मू ने संपत्ति गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे ऋण वृद्धि की रफ्तार बढ़ती है, वैसे-वैसे खराब ऋण (एनपीए) और परिसंपत्ति गुणवत्ता से जुड़े जोखिम भी बढ़ सकते हैं। इसलिए संस्थानों को नियमित स्ट्रेस टेस्टिंग, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और गतिशील प्रावधान व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों का उपयोग उधारकर्ताओं में वित्तीय तनाव के शुरुआती संकेतों की पहचान के लिए अधिक व्यापक स्तर पर किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास की दौड़ में ऋण मंजूरी के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

17 साल बाद समान शर्तों पर भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शनिवार को कहा कि भारत ने लगभग 17 वर्षों की लंबी बातचीत के बाद यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) बराबरी की शर्तों पर सफलतापूर्वक संपन्न किया है। उन्होंने कहा कि देश की अगली औद्योगिक विकास यात्रा में तकनीक हस्तांतरण, स्थानीय विनिर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) में संबोधित करते हुए प्रसाद ने भारत-ईयू एफटीए को सरकार की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कई वर्षों तक अटका हुआ था और पहले बातचीत में ठोस प्रगति नहीं हो पा रही थी। उन्होंने कहा, 'ईयू एफटीए पर 17 वर्षों से बातचीत चल रही थी। वे हमारे साथ आगे बढ़ने को तैयार नहीं थे, लेकिन हमारी सरकार ने समान और संतुलित शर्तों पर समझौता करने में सफलता हासिल की।'

गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी 2026 को इस व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी की थी। इसकी बातचीत वर्ष 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन कई वर्षों तक ठप रहने के बाद 2022 में इसे फिर से शुरू किया गया था। इसी महीने यूरोपीय आयोग ने समझौते को हस्ताक्षर और अंतिम मंजूरी के लिए यूरोपीय संघ परिषद के पास भी भेजा है। जितिन प्रसाद ने कहा कि विदेशी निवेश को लेकर भारत का दृष्टिकोण अब पहले से काफी बदल चुका है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखे जाने के बजाय यह चाहता है कि विदेशी कंपनियां देश में विनिर्माण क्षमताओं के विकास और तकनीकी उन्नति में भी योगदान दें। उन्होंने कहा, 'भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने वाली विदेशी कंपनियों को संयुक्त उपक्रमों (ज्वाइंट वेंचर्स) के माध्यम से स्थानीय उद्योगों के साथ साझेदारी करने और तकनीक हस्तांतरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

यूपी ट्रेड शो : आगरा के ताज हैंडीक्राफ्ट स्टॉल पर दिखा हाथ का हुनर, ज्वेल कारपेट बनाने में लगते हैं डेढ़ महीने

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में उत्तर प्रदेश की आधुनिक औद्योगिक ताकत के साथ प्रदेश की सदियों पुरानी हस्तकला और कारीगरों का हुनर भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

ट्रेड शो में अलग-अलग जिलों से पहुंचे उत्पादों के बीच आगरा के ताज हैंडीक्राफ्ट का स्टॉल भी खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां हाथों से तैयार किए गए ऐसे उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें तैयार करने में कारीगरों को कई सप्ताह तक लगातार मेहनत करनी पड़ती है।

आगरा के ताज हैंडीक्राफ्ट से जुड़े रेहान अहमद ने बताया कि उनके यहां हाथ से काम करने की यह कला पीढ़ियों से चली आ रही है। परिवार के कारीगर पारंपरिक तकनीक के जरिए विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करते हैं। एक खास पीस को तैयार करने में आमतौर पर दो कारीगर लगातार काम करते हैं। उत्पाद की डिजाइन और बारीकी के आधार पर इसे तैयार होने में करीब एक से डेढ़ महीने तक का समय लग सकता है।

रेहान अहमद के मुताबिक, इस पारंपरिक हस्तकला में नक्शी, टपका और कोरा जैसे मटेरियल और तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। ट्रेड शो में प्रदर्शित किए गए खास उत्पाद में तांबे का इस्तेमाल किया गया है। तैयार किए गए तांबे के उत्पाद के ऊपर सोने का पानी चढ़ाया जाता है। इसके बाद उत्पाद को एक खास चमक और आकर्षक रूप मिलता है। दूर से देखने पर इसकी फिनिशिंग और डिजाइन लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। स्टॉल पर प्रदर्शित प्रमुख उत्पादों में ज्वेल कारपेट भी शामिल है। नाम के अनुरूप यह सामान्य कारपेट से अलग डिजाइन और बारीक कारीगरी वाला उत्पाद है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए कौन सा तेल है बेस्ट? यहां जानिए इसे चुनने का सही तरीका

खाना पकाने के लिए सरसों, मूंगफली, ऑलिव, तिल और राइस ब्रान जैसे तेल सेहतमंद विकल्प हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, अलग-अलग तेलों का उपयोग करना अधिक फायदेमंद होता है. तो आप अपनी सेहत और जरूरत के अनुसार सही तेल का चुनाव कर सकते हैं.

खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाला तेल केवल स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि हमारी सेहत पर भी बड़ा असर डालता है. सही तेल का चुनाव हृदय को स्वस्थ रखने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने और शरीर को आवश्यक फैटी एसिड उपलब्ध कराने में मदद करता है. हालांकि कोई एक तेल सभी के लिए सबसे अच्छा नहीं माना जाता, लेकिन कुछ तेल स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर विकल्प माने जाते हैं.

1. सरसों का तेल

भारतीय रसोई में सरसों का तेल काफी लोकप्रिय है. इसमें मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं. इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माने जाते हैं. सरसों का तेल सब्जी, अचार और तड़के के लिए अच्छा विकल्प है.

2. मूंगफली का तेल

मूंगफली के तेल का स्मोक पॉइंट काफी ऊंचा होता है, इसलिए यह तलने और भूनने के लिए उपयुक्त माना जाता है. इसमें विटामिन ई और हेल्दी फैट मौजूद होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं.

ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल को दुनिया के सबसे हेल्दी तेलों में गिना जाता है. इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. सलाद, हल्की कुकिंग और ड्रेसिंग के लिए एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल बेहतर रहता है.

4. तिल का तेल

तिल के तेल में एंटीऑक्सीडेंट और हेल्दी फैट पाए जाते हैं. यह हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है और भोजन को अलग स्वाद भी देता है. दक्षिण भारतीय व्यंजनों में इसका काफी उपयोग होता है.

5. राइस ब्रान ऑयल

राइस ब्रान ऑयल में ओरायज़नॉल नामक तत्व पाया जाता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है. इसका स्वाद हल्का होता है और यह रोजमर्रा की कुकिंग के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है.

कौन सा तेल सबसे अच्छा है?

विशेषज्ञों के अनुसार केवल एक ही तेल का लगातार उपयोग करने के बजाय अलग-अलग तेलों को बदल-बदल कर इस्तेमाल करना अधिक फायदेमंद हो सकता है. इससे शरीर को विभिन्न प्रकार के फैटी एसिड मिलते रहते हैं. उदाहरण के लिए, सरसों, मूंगफली और राइस ब्रान ऑयल का संतुलित उपयोग किया जा सकता है.

तेल इस्तेमाल करते समय रखें ध्यान

दिनभर में तेल की मात्रा सीमित रखें.

बार-बार एक ही तेल को गर्म न करें.

डीप फ्राई भोजन कम खाएं.

ट्रांस फैट और अत्यधिक प्रोसेस्ड तेलों से बचें. संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ तेल का सेवन करें।

पनीर से बनाएं ऐसी लाजवाब डिश, स्वाद चखते ही बार-बार बनाने का करेगा मन! जानें पनीर ब्रोकली कोफ्ता की आसान रेसिपी

रोज-रोज पनीर की एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार ट्राई करें स्वादिष्ट पनीर ब्रोकली कोफ्ता. पनीर और ब्रोकली से बने ये कोफ्ते मसालेदार ग्रेवी के साथ और भी स्वादिष्ट लगते हैं. जानिए घर पर आसानी से बनाने की पूरी रेसिपी.

अगर आप रोज-रोज पनीर की एक जैसी सब्जी खाकर बोर हो गए हैं, तो इस बार कुछ अलग ट्राई कर सकते हैं. पनीर ब्रोकली कोफ्ता स्वादिष्ट होने के साथ देखने में भी काफी खास लगता है. इसमें पनीर की नरमी और ब्रोकली का स्वाद मिलकर एक बढ़िया कॉम्बिनेशन बनाते हैं. इसे आप लंच या डिनर में रोटी, नान, पराठे या जीरा राइस के साथ सर्व कर सकते हैं. खास बात यह है कि इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है.

पनीर ब्रोकली कोफ्ता बनाने के लिए सामग्री

कोफ्ते के लिए आपको 200 ग्राम पनीर, 1 कप बारीक कटी या उबली हुई ब्रोकली, 2 बड़े चम्मच बेसन, 1 हरी मिर्च, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला, थोड़ा सा धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक चाहिए. कोफ्तों को स्वाद देने के लिए थोड़ा सा अदरक भी डाल सकते हैं.

ग्रेवी के लिए 2 बड़े चम्मच तेल, 2 बारीक कटे प्याज, 2 टमाटर, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला और जरूरत के अनुसार पानी लें. ग्रेवी को थोड़ा मलाईदार बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच फ्रेश क्रीम भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

कैसे बनाएं पनीर ब्रोकली कोफ्ता

सबसे पहले ब्रोकली को हल्का उबाल लें और उसका अतिरिक्त पानी अच्छी तरह निकाल दें. अब इसे बारीक काट लें. एक बड़े बाउल में कद्दूकस किया हुआ पनीर, ब्रोकली, बेसन, हरी मिर्च, अदरक, लाल मिर्च, गरम मसाला, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें.

इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोल कोफ्ते बना लें. अगर मिश्रण ज्यादा नरम लगे तो थोड़ा और बेसन मिला सकते हैं. अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और कोफ्तों को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें. इन्हें निकालकर अलग रख दें. आप चाहें तो कोफ्तों को कम तेल में पैन पर सेंक सकते हैं या एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं.

अब ग्रेवी तैयार करने के लिए कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें. इसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें. फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ सेकेंड पकाएं. इसके बाद टमाटर की प्यूरी डालें और तब तक पकाएं जब तक मसाले से तेल अलग दिखाई देने लगे।

रात में किचन में घूमते हैं कॉकरोच? बोरिक एसिड वाले इस घरेलू तरीके को आजमाने से पहले जान लें इस्तेमाल और सावधानियां

किचन की सफाई के बावजूद सिंक, कैबिनेट और फ्रिज के आसपास कॉकरोच छिपे रह सकते हैं. कॉकरोच के लिए दूध, चीनी, आटा और बोरिक एसिड से बाइट बनाने का घरेलू तरीका काफी चर्चा में रहता है. बोरिक एसिड कीटनाशक पदार्थ है, इसलिए इसका इस्तेमाल करते समय सुरक्षा का खास ध्यान रखना जरूरी है. इसे खाने की चीजों और खाना बनाने वाली जगह से दूर तथा बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से बाहर रखें. कॉकरोच से छुटकारे के लिए सिर्फ बाइट पर निर्भर रहने के बजाय किचन को साफ और सूखा रखना भी जरूरी है. समस्या ज्यादा होने पर तैयार कॉकरोच बाइट या पेशेवर पेस्ट कंट्रोल की मदद ली जा सकती है.

रसोई की सफाई करने के बाद भी अगर रात में अचानक सिंक के पास कॉकरोच दिखाई दे जाए तो पूरी मेहनत बेकार लगने लगती है. खासकर किचन कैबिनेट, गैस के पीछे और फ्रिज के आसपास छिपे कॉकरोच आसानी से नजर नहीं आते. बाजार में मिलने वाले स्प्रे तुरंत राहत दे सकते हैं, लेकिन कई लोग कम गंध वाले और सीमित जगह पर इस्तेमाल होने वाले विकल्प भी तलाशते हैं. सोशल मीडिया पर शेफ रूपम सेहत्या से जुड़ा एक घरेलू तरीका चर्चा में है, जिसमें दूध, चीनी, आटा और बोरिक एसिड का इस्तेमाल किया जाता है.

हालांकि इसे इस्तेमाल करने से पहले यह समझना जरूरी है कि बोरिक एसिड एक कीटनाशक पदार्थ है और इसे खाने की चीज समझकर या खुले में रखना सुरक्षित नहीं है.

दूध और बोरिक एसिड वाला तरीका कैसे काम करता है

इस घरेलू बाइट में दूध और चीनी कॉकरोच को आकर्षित करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं. गेहूं का आटा मिश्रण को आकार देने में मदद करता है. बोरिक एसिड कीटनाशक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और कॉकरोच नियंत्रण के लिए इसके उत्पाद उपलब्ध हैं. हालांकि किसी घरेलू मिश्रण को हर घर में एक जैसा असरदार या 100 प्रतिशत सफल बताना सही नहीं होगा. सोशल मीडिया पर बताए गए तरीके में बोरिक एसिड के साथ थोड़ा आटा और पिसी चीनी मिलाकर दूध की मदद से गाढ़ा मिश्रण तैयार करने की बात कही गई है. इसे छोटी बाइट की तरह बनाया जा सकता है, लेकिन यहां मात्रा से ज्यादा जरूरी बात यह है कि बोरिक एसिड वाले उत्पाद का इस्तेमाल हमेशा उसके पैकेट पर दिए निर्देशों के अनुसार किया जाए।

शाम की हल्की भूख में बनाएं काले चने का क्रीमी सूप, देसी घी और जीरे का तड़का बढ़ा देगा स्वाद, जानिए आसान रेसिपी

काले चने से घर पर गाढ़ा और स्वादिष्ट सूप आसानी से यार किया जा सकता है. इसके लिए चनों को पहले 5 से 6 घंटे या रातभर पानी में भिगोकर रखना बेहतर है. चनों को प्याज, अदरक और लहसुन के साथ कुकर में नरम होने तक पकाया जाता है. उबले चनों को उसी के बचे पानी के साथ पीसने से सूप को क्रीमी बनावट मिलती है. आखिर में देसी घी और जीरे का तड़का इसके स्वाद और खुशबू को बढ़ा देता है. इसे नाश्ते या शाम की हल्की भूख में गर्मागर्म परोसा जा सकता है.

शाम होते ही जब हल्की भूख लगे और कुछ गर्मागर्म पीने का मन करे तो ज्यादातर घरों में चाय या सामान्य सूप का विकल्प सामने आता है, लेकिन अगर आप इस बार कुछ अलग और पेट भरने वाला बनाना चाहते हैं तो काले चने से तैयार सूप ट्राई कर सकते हैं. काले चने को प्याज, अदरक और लहसुन के साथ पकाकर जब पीसा जाता है तो इसकी बनावट काफी क्रीमी हो जाती है.

ऊपर से देसी घी और जीरे का तड़का इसके स्वाद को और बढ़ा देता है. खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती. शेफ श्रुति महाजन की बताई इस आसान रेसिपी को नाश्ते या शाम के हल्के खाने में शामिल किया जा सकता है.

काले चने से बनाएं स्वादिष्ट सूप

काले चने आमतौर पर सब्जी, चाट या सलाद में इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन इन्हीं चनों से सूप तैयार करने का तरीका थोड़ा अलग है. इसमें चनों को पहले अच्छी तरह भिगोया जाता है और फिर प्याज, अदरक और लहसुन के साथ पकाया जाता है. इससे सूप में स्वाद के साथ अच्छी गाढ़ी बनावट भी आती है. इस रेसिपी की खासियत यह है कि इसमें चनों को पकाने के बाद फेंका नहीं जाता. बचे हुए पानी के साथ ही उन्हें पीसा जाता है. इससे सूप को मनचाही थिकनेस मिलती है और उसका स्वाद भी ज्यादा अच्छा रहता है.

पहले काले चने भिगोकर रखें

सूप बनाने के लिए सबसे पहले काले चनों को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें. इसके बाद उन्हें पर्याप्त पानी में करीब 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें, अगर संभव हो तो इन्हें रातभर भी भिगोया जा सकता है. जब चने अच्छी तरह फूल जाएं तो उनका अतिरिक्त पानी निकाल दें. भिगोए हुए चनों को पकाने में आसानी होती है और वे जल्दी नरम हो जाते हैं.

प्याज, अदरक और लहसुन के साथ पकाएं

अब भीगे हुए काले चनों को प्रेशर कुकर में डालें. इसमें कटा हुआ प्याज, अदरक, लहसुन और स्वाद के अनुसार नमक डालें. जरूरत के हिसाब से पानी मिलाकर कुकर बंद कर दें. चनों को तब तक पकाएं जब तक वे अच्छी तरह नरम न हो जाएं. सूप के लिए चनों का पूरी तरह सॉफ्ट होना जरूरी है. इससे बाद में मिक्सी में इन्हें आसानी से स्मूथ किया जा सकेगा.

उबले पानी को न फेंकें

कुकर खोलने के बाद चनों के मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें. यहां एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि चनों को पकाने वाला पानी अलग करके फेंकें नहीं. इसी पानी को बाद में सूप को पीसने और उसकी कंसिस्टेंसी ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

धनिया और मिश्री से दूर करें एसिडिटी और पेट की जलन, आचार्य बालकृष्ण ने बताया आसान आयुर्वेदिक उपाय

आचार्य बालकृष्ण द्वारा बताए गए इस पारंपरिक नुस्खे में उपयोग होने वाले दोनों घटक—धनिया और मिश्री—हर भारतीय रसोई में आसानी से मिल जाते हैं. लेकिन हम में से बहुत कम लोग जानते हैं कि ये साधारण सी दिखने वाली चीज़ें सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं. आइए विस्तार से जानते हैं कि यह नुस्खा पेट और शरीर के लिए कैसे काम करता है.

आज के समय में खराब खानपान और तनाव के कारण एसिडिटी, गैस और पेट की जलन आम समस्या बन गए हैं. इनसे राहत पाने के लिए लोग अक्सर अंग्रेजी दवाओं का सहारा लेते हैं, लेकिन हमारी रसोई में ही इसका बहुत ही असरदार और प्राकृतिक इलाज मौजूद है.

हाल ही में योग गुरु आचार्य बालकृष्ण ने अपने एक वीडियो में धनिया और मिश्री के बेहतरीन आयुर्वेदिक फायदों के बारे में बताया है. आयुर्वेद के अनुसार, धनिया एक ठंडी तासीर वाली जड़ी-बूटी है जो पेट की गर्मी और एसिडिटी को शांत करती है. वहीं, मिश्री इसके स्वाद को बेहतर बनाने के साथ शरीर को ठंडक देती है.

अगर आप भी अक्सर पेट की गड़बड़ी से परेशान रहते हैं, तो धनिया और मिश्री का यह आसान सा घरेलू नुस्खा आपकी इस समस्या को चुटकियों में दूर कर सकता है।

धनिया और मिश्री के अचूक आयुर्वेदिक फायदे-

आचार्य बालकृष्ण द्वारा बताए गए इस पारंपरिक नुस्खे में उपयोग होने वाले दोनों घटक- धनिया और मिश्री- हर भारतीय रसोई में आसानी से मिल जाते हैं।

ना महंगा टिकट, ना भारी खर्च, 10 रुपये में घूमें धौलपुर की 3 शाही इमारतें

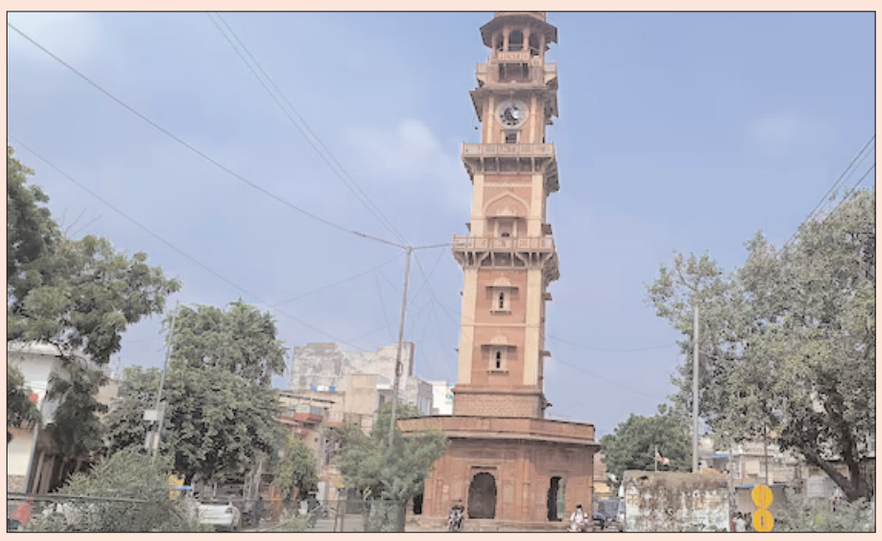

राजस्थान के धौलपुर में आप मात्र 10 रुपये में तीन ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण कर सकते हैं. इन इमारतों में एंट्री बिल्कुल फ्री है और 10 रुपये केवल बस स्टैंड से यहां तक पहुंचने का ऑटो किराया है. इन स्थानों में 1904 में बनी ऐतिहासिक नगर पालिका, 150 फीट ऊंचा निहाल टावर (घंटाघर) और 1935 में बनी ऐतिहासिक लाइब्रेरी शामिल हैं. यहां आप लाल पत्थर की अद्भुत वास्तुकला, क्रांतिकारियों के संघर्ष की कहानी और 30 हजार दुर्लभ पुस्तकों का अनमोल संग्रह देख सकते हैं. यह एक बेहतरीन और बजट फ्रेंडली ट्रिप है.

राजस्थान के धौलपुर जिले में कई ऐतिहासिक इमारतें आज भी अपने भीतर पुराने दौर की विरासत और इतिहास को संजोए हुए हैं. अगर आप इतिहास और स्थापत्य को करीब से देखना चाहते हैं और धौलपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो महज 10 रुपये के टेंपो किराए में शहर की तीन ऐतिहासिक इमारतों की सैर कर सकते हैं. खास बात यह है कि इन इमारतों में प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है. धौलपुर बस स्टैंड से यहां तक पहुंचने के लिए करीब 10 रुपये का टेंपो किराया देना पड़ता है. इन ऐतिहासिक इमारतों की खास पहचान धौलपुर के लाल और सफेद बलुआ पत्थर से बनी उनकी खूबसूरत संरचनाएं हैं.

धौलपुर की ऐतिहासिक इमारतों की खूबसूरती में यहां के लाल और सफेद बलुआ पत्थर की अहम भूमिका है, जो इन्हें शाही पहचान देता है. अगर आप उत्तर प्रदेश के आगरा शहर से धौलपुर घूमने आ रहे हैं, तो रोडवेज बस स्टैंड पर उतरकर करीब 10 रुपये के टेंपो किराए में ऐतिहासिक नगर पालिका भवन पहुंच सकते हैं. महाराजा राणा रामसिंह के शासनकाल में वर्ष 1904 में निर्मित यह इमारत रियासत काल में टाउन काउंसिल भवन यानी नगर पालिका के रूप में इस्तेमाल होती थी.

महाराजा राणा रामसिंह इस टाउन काउंसिल के अध्यक्ष थे और धौलपुर रियासत से जुड़े प्रशासनिक कामकाज का संचालन इसी भवन से होता था. आजादी के बाद भी यह इमारत लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा बनी रही. गुंबदनुमा स्थापत्य वाली यह ऐतिहासिक इमारत आज भी राजतंत्र से लोकतंत्र तक के बदलाव की गवाह मानी जाती है. यहां पहुंचकर पर्यटक धौलपुर के पुराने प्रशासन और रियासतकालीन व्यवस्था की झलक करीब से देख सकते हैं.

अगर आप देश के प्रमुख ऐतिहासिक घंटाघरों में शामिल धौलपुर के निहाल टावर को देखना चाहते हैं, तो यह जगह आपके लिए खास हो सकती है. धौलपुर बस स्टैंड से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित यह करीब 150 फीट ऊंचा और 8 मंजिला घंटाघर आज भी अपनी भव्य संरचना से लोगों का ध्यान आकर्षित करता है. इसकी छठवीं मंजिल पर चारों दिशाओं में विशाल घड़ियां लगी हुई हैं. स्थानीय जानकारी के अनुसार, वर्ष 1946 में इसी घंटाघर के नीचे क्रांतिकारियों ने जय हिंद संघ की स्थापना की थी और अपने रक्त से हस्ताक्षर किए थे.

निहाल टावर आज भी धौलपुर के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी यादों को अपने भीतर समेटे हुए है. धौलपुर के प्रसिद्ध लाल पत्थर से बनी यह इमारत शहर की ऐतिहासिक पहचान को दर्शाती है. टावर की भव्य संरचना को देखकर रियासतकालीन दौर के साथ स्वतंत्रता आंदोलन और क्रांतिकारियों के संघर्ष की यादें ताजा हो जाती हैं.

अगर आपको ऐतिहासिक और दुर्लभ किताबें पढ़ने का शौक है, तो धौलपुर की ऐतिहासिक लाइब्रेरी आपके लिए खास जगह हो सकती है. धौलपुर बस स्टैंड से महज 10 रुपये के टेंपो किराए में यहां पहुंचा जा सकता है. वर्ष 1935 में महाराजा राणा उदयभान सिंह ने इस भव्य इमारत का निर्माण सिटी जुबली हॉल के नाम से करवाया था. लाल और सफेद बलुआ पत्थर से बनी यह शाही इमारत आज भी अपनी खूबसूरत वास्तुकला और ऐतिहासिक विरासत के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित करती है।

'महंगी गाड़ियां, स्पोर्ट्स कंपनी, मुंबई में कई फ्लैट्स'

एकम बावा ने रिति तिवारी के दावों को बताया झूठा

"रिति लोगों कों पागल बनाना बंद करिए, झूठ नहीं बोलो'
- एकम बावा

बिग बॉस-20 में कम पॉकेट मनी को लेकर दिए बयान पर एकम बावा ने उठाए सवाल, कहा- सच कुछ और है

मुंबई। भोजपुरी अभिनोत और नेता मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी इन दिनों 'बिग बॉस-20' में साथी प्रतिभागियों उदिति और काजी तौकीर के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल और कम पॉकेट मनी मिलने को लेकर दिए बयान के कारण आलोचना का सामना कर रहीं हैं। इस बीच रिति की मां रानी तिवारी के दूसरे पति और पंजाबी गायक एकम बावा ने उनके बयानों को गलत बताया है।

एकम बावा ने क्या कहा?

- रिति तिवारी ने बिग बॉस में कहा था कि उन्हें हर माह 25,000 रुपये पॉकेट मनी मिलती है।
- मैं 2020 से 2025 तक रिति तिवारी के घर पर रहता था।
- रिति की मां और मैं 2020 से 2022 तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे, फिर 2022 में हमारी शादी हुई।
- उनके पास 4 से 5 लाख रुपये तक के हैंडबैग हैं, रेंज रोवर से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड की गाड़ियां हैं।
- इन गाड़ियों में डीजल ही 2 से 3 हजार तक का पड़ता है।
- उनकी स्पोर्ट्स कंपनी है, जिसका टर्नओवर बहुत कमाल का है, कई क्रिकेटर्स उससे जुड़े हैं।
- मुंबई में कई फ्लैट्स हैं।

रिति को दी नसीहत

एकम बावा ने रिति तिवारी को समझाते हुए कहा कि वे लोगों को झूठ बोलना बंद करें। उन्होंने कहा, "रिति तिवारी लोगों को पागल बनाना बंद कीजिए और बिग बॉस में जाकर लोगों को गालियां भी न दें।"

मां रानी तिवारी पर भी की टिप्पणी

गायक ने रिति तिवारी की मां रानी के बारे में कहते हुए कहा, "रिति तिवारी की मां के बारे में बोलने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उन्होंने मेरे साथ जो किया हैं, वैसा भगवान किसी के साथ न करें। मैं सोशल मीडिया पर लाइव नहीं आता हूं और न ही इतनी वीडियो बनाता हूं, चाहें तो हमारे दर्शक मेरी प्रोफाइल देख सकते हैं। मैं बस काम से मतलब रखता हूं, लेकिन झूठ नहीं पसंद है।"

आपत्तिजनक शब्दों पर भी बोले

एकम बावा ने रिति तिवारी द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने पर भी कहा, "आप शो में काजी को गाली दे रही हैं, तो ऐसे में गुस्सा आना जाहिर है। तो मैं रिति तिवारी से विनती करता हूं कि सही से चलिए कोई दिक्कत नहीं होगी। मैं आपके साथ 6 साल रहा हूं, तो मुझे तो आपके बारे में न जाने कितनी बातें पता हैं। आपको हाथ जोड़कर विनती है कि झूठ नहीं बोलो। असलियत में जिए और लोगों को गुमराह करना बंद करें।"

बहस के दौरान रिति तिवारी

बिग बास-20 में रिति तिवारी का विवाद

रिति तिवारी इन दिनों 'बिग बॉस-20' में साथी प्रतिभागियों उदिति और काजी तौकीर के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल और कम पॉकेट मनी मिलने को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनके बयान पर सोशल मीडिया और दर्शकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

"झूठ नही पसंद है और इतना झूठ कौन बोलता है..."
- एकम बावा

'आप मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं', नानी के नाम एक्टर राघव जुयाल का भावुक पोस्ट

विश्व केसरी

मुंबई। साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म 'द पैराडाइज' में अभिनेता राघव जुयाल ने विक्रम मलिक (विक्रम 'छोटा' मलिक) नाम के विलेन का किरदार निभाया है। शनिवार को अभिनेता राघव जुयाल ने शुक्रिया अदा करते हुए खास पोस्ट शेयर किया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर नानी के लिए एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नानी को अपना गाइड बताया। राघव जुयाल का कहना है कि नानी ने उन्हें सिनेमा, जिंदगी, करियर और कई तरह के बारे में बताया, जिसकी जरूरत जिंदगी में आने वाले पड़ावों में होगी।

उन्होंने लिखा, 'जिंदगी में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो बिना जाने ही आपकी सुरक्षित जगह बन जाते हैं। मेरे लिए नानी (घंटा नवीन बाबू) दादा उन्हीं लोगों में से एक हैं। सच कहूं तो आज भी लगता है कि शब्द कभी भी काफी नहीं होंगे। मैं सच में आपसे बहुत प्यार और इज्जत करता हूं। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर।

उन्होंने लिखा, 'इस इंडस्ट्री में जहां कई बार सब कुछ अनिश्चित और शोर भरा लगता है, ऐसे में आपने मेरे साथ घंटों बातें की। जीवन में कई पल ऐसे भी आए हैं, जब मैं पूरी तरह से खोया हुआ महसूस करता था और ऐसे में आपने मुझे बिठाकर घंटों-घंटों बात की है। आपने मुझे सिनेमा, करियर, जिंदगी और कई बार ऐसी बातों के बारे में बताया है। आपने मुझे सुना और समझा।'

अभिनेता राघव जुयाल ने बताया कि नानी से बातें करके उनकी सभी समस्या का हल निकल आता है। उन्होंने लिखा, 'आपने कभी मुझे मेरे कन्फ्यूजन या इमोशनल होने पर छोटा महसूस नहीं कराया और पता नहीं कैसे, हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल पर जो बोझ होता है वो थोड़ा हल्का हो जाता है। आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बात सुनी और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया। कुछ लोग सिर्फ सलाह देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको एक नई सोच देते हैं।

राघव का कहना है कि फिल्म की शुरुआत में नानी से उन्हें सही फैसला लेना कितना जरूरी है। उन्होंने लिखा, 'आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूं, कौन से फैसले लेना सही हैं और सबसे जरूरी बात, ये फिल्में करते हुए मैं किस तरह की इंसान बना रहना चाहता हूं। मैं आपके काम, सोच, ईमानदारी, अच्छाई और सबसे ज्यादा उस इंसान की इज्जत करती हूं जो आप तब होते हैं जब कोई नहीं देख रहा होता, लेकिन इन सब से बढ़कर, मैं बस दिल से शुक्रिया अदा करता हूं कि जिंदगी ने मुझे आप जैसा इंसान दिया, तब जब मुझे ऐसे ही किसी इंसान की सबसे ज्यादा जरूरत थी।

उन्होंने अपना बात को खत्म करते हुए लिखा, 'नानी दादा, मुझे उम्मीद है आप जानते हैं कि आप मेरे लिए कितने मायने रखते हैं।

रामलीला के मंच पर उतरेगा सितारों का कारवां, सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 केजिया लिज़ मेजो

विश्व केसरी

अयोध्या। अयोध्या की विश्वप्रसिद्ध रामलीला इस बार दिल्ली में भव्य मंचन के साथ भगवान श्रीराम की गाथा को नए रंग-रूप में प्रस्तुत करेगी। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 केजिया लिज़ मेजो इस बार माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जबकि सांसद और अभिनेता रवि किशन प्रभु श्रीराम का किरदार निभाएंगे।

10 से 20 अक्टूबर तक दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब स्थित मावलंकर हॉल में होने वाले इस आयोजन में फिल्म और भोजपुरी जगत के कई चर्चित कलाकार भी अलग-अलग पात्रों को जीवंत करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, रामलीला को भव्य स्वरूप देने के लिए विशाल सेट, अत्याधुनिक तकनीक और बड़ी एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके जरिए मंच पर त्रेतायुग के प्रसंगों को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करने की तैयारी है।

रामलीला के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि पिछले सात वर्षों से अयोध्या की पावन धरती पर इसका आयोजन किया जा रहा था। आयोजन को देश और विदेश में दर्शकों का व्यापक जुड़ाव मिला है। उनके अनुसार, पिछले वर्ष ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से करीब 62 करोड़ दर्शकों ने रामलीला देखी थी। इस वर्ष के मंचन में राजनीति और मनोरंजन जगत से जुड़े कई चर्चित चेहरे अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सांसद और अभिनेता रवि किशन प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाएंगे, जबकि सांसद एवं भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी विभिन्न भूमिकाओं में दिखाई देंगे। अभिनेता अरुण बख्शी रावण, बिंदु दारा सिंह कुंभकरण, अवतार गिल मेघनाद और पुनीत इस्सर परशुराम की भूमिका निभाएंगे। अभिनेता रजा मुराद समेत कई अन्य जाने-माने कलाकार भी रामलीला के महत्वपूर्ण पात्रों को मंच पर जीवंत करेंगे।

शिल्पा शेट्टी ने शेयर की वेकेशन की तस्वीरें, पर्यावरण की अहमियत पर कही बड़ी बात

विश्व केसरी

मुंबई। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के मौके पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सभी से प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करने की अपील की। फिटनेस क्विन का कहना है कि सेहत और पर्यावरण एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर विदेशी लोकेशन से अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने लिखा, 'चारों तरफ देखो। इतनी सारी खूबसूरती है जिसे हम बस चलते-चलते नजरअंदाज कर देते हैं। बदलता आसमान, खिले हुए फूल, पानी की आवाज, पेड़ की छांव, एक खूबसूरत सनसेट जो आपको एक पल के लिए रोक देता है, ये छोटे-छोटे पल बिना कुछ मांगे हमें अच्छा महसूस करा देते हैं।'

उन्होंने आगे लिखा: 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर एक छोटी सी याद दिलाना चाहती हूं कि रुकिए, अपने आसपास की दुनिया को देखिए और उसकी कद्र कीजिए। हमारी सेहत और खुशहाली पर्यावरण से जुड़ी हुई है और हमें दोनों की हिफाजत करनी चाहिए।'

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस हर साल 26 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ द्वारा की गई थी। मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच के गहरे संबंध के बारे में दुनियाभर में जागरूकता फैलाना है।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और प्रदूषणमुक्त माहौल के बिना स्वस्थ जीवन संभव नहीं है।

शिल्पा की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार सोनल जोशी निर्देशित फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। इसमें शिल्पा के साथ अमित साध, डेलनाज ईरानी, कुशा कपिला और पवलीन गुजराल लीड रोल में हैं। फिल्म की कहानी 38 साल की एक पंजाबी गृहिणी सुखप्रीत कालरा उर्फ 'सुखी' (शिल्पा शेट्टी) के इर्द-गिर्द घूमती है। सुखी अपने पति, बेटी और बीमार ससुर की देखभाल में इतनी व्यस्त हो जाती है कि वह अपनी पहचान और ख्वाहिशों को भूल जाती है। अपनी जवानी के दिनों में वह एक बिंदास और बेबाक लड़की हुआ करती थी।

'ये सबसे घटिया डिस था', मनोज तिवारी की बेटी की सलमान ने लगाई क्लास

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान इन दिनों 'बिग बॉस-20' में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। आगामी 'वीकेंड के वार' में सलमान खान को कंटेस्टेंट रिति तिवारी को हालिया एपिसोड में लाइन क्रॉस करने पर फटकार लगाते देखा जाएगा।

'वीकेंड का वार' एपिसोड के प्रोमो में दिखाया गया कि सलमान, मनोज तिवारी की बेटी रिति को 'डिस' टास्क के दौरान काजी तौकीर और उदिति सिंह के लिए इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने पर डांट रहे हैं। प्रोमो में सलमान खान कहते हैं, 'रिति, यह अब तक का सबसे घटिया डिस था। आपको लिमिट में रहकर इज्जत दिखानी चाहिए। आपकी भाषा कहीं और ही जा रही थी। 'इसके बाद उन्होंने रिति की टीम के सभी मेंबर्स, जिनमें स्काउट ओपी, लव गिल, आम्रपाली दुबे, आसिफ खान और यंग डीएसए शामिल हैं, से सवाल किया कि वे हंस क्यों रहे थे और उन्होंने रिति को रोका क्यों नहीं।

सलमान ने कहा, 'सब हंस रहे थे। आप लोगों की समझ कहां है? आप सब उसको चढ़ा रहे थे और वह बदतमीजी पर बदतमीजी कर रही थी। क्या वहीं पर इसे रोकना आपकी जिम्मेदारी नहीं थी? अगर ये डिस आपकी बहन पर होता, तो क्या आप इसे होने देते?'

इस हफ्ते बेघर होने के लिए नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स में ईशा रिखी और यंग डीएसए शामिल हैं। 'बिग बॉस-20' के लेटेस्ट एपिसोड में कुशल तंवर (गुल्लू) दूसरी बार फिर से घर के कैप्टन चुने गए।

'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का लुक आया सामने, इंटेंस किरदार में नजर आए एक्टर

विश्व केसरी

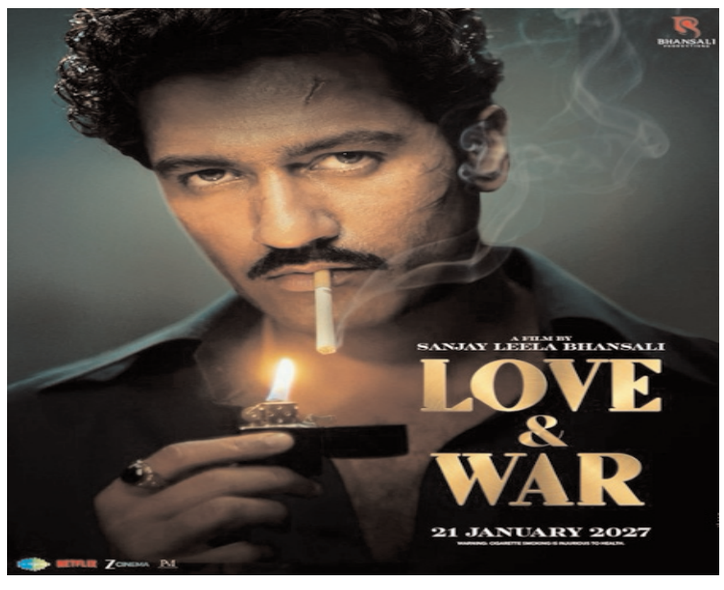

मुंबई। फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' से अभिनेता विक्की कौशल का फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसमें उनका दमदार और इंटेंस अंदाज देखने को मिल रहा है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमें विक्की कौशल का लुक इंटेंस, रेट्रो और स्वैग से भरपूर नजर आ रहा है। पोस्टर में विक्की गहरी नजरों से कैमरे को देख रहे हैं। उनके माथे और गाल के पास चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। उनकी आंखें गुस्से और पूरी इंटेंसिटी के साथ सीधे कैमरे की तरफ देख रही हैं।

पोस्टर के साथ लिखा गया, 'नजरें मिलेंगी, लेकिन हटेंगी नहीं! संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को।'

अभिनेता विक्की कौशल के लुक को फैंस और इंडस्ट्री के साथी कलाकारों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने लिखा, 'क्या बात है।' विक्की कौशल के पिता शाम कौशल ने लिखा, 'तुम पर नाज है, पुत्तर। रब दी मेहर बनी रहे, जोर दी झप्पी।'

सनी कौशल ने लिखा, 'अरे भाई, भाई।' इसी के साथ ही अभिनेत्री सोनम कपूर समेत कई कलाकारों ने पोस्ट में कमेंट कर प्रतिक्रिया दी।

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर यह प्रोजेक्ट जनवरी 2027 में रिलीज से पहले पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। हालांकि, फिल्म 'लव एंड वॉर' को पहले क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की घोषणा की गई थी लेकिन कुछ वजह से इसे टाल दिया गया था और मार्च 2026 में रिलीज करने की बात कही गई थी। अब मेकर्स ने 21 जनवरी 2027 को नई रिलीज डेट के तौर पर कंफर्म किया है।

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी 'लव एंड वॉर' को जंग की पृष्ठभूमि पर बनी एक रोमांटिक ड्रामा बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर और विक्की एयरफोर्स ऑफिसर के किरदार में हैं, जिनकी जिंदगी आलिया के किरदार से जुड़ जाती है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक कहानी और

भारत और खाड़ी देशों ने समुद्री आवाजाही की आजादी और जहाजों की सुरक्षा पर प्रतिबद्धता जताई

विश्व केसरी■

न्यूयॉर्क। भारत और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने समुद्री रास्तों पर बिना रुकावट आवाजाही की आजादी के सिद्धांत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। क्षेत्र में मौजूदा हालात के कारण इस स्वतंत्रता पर खतरा बढ़ गया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को भारत-जीसीसी ट्रोइका मंत्रिस्तरीय बैठक की संयुक्त अध्यक्षता की। इस दौरान क्षेत्र के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने समुद्री रास्तों पर बिना रुकावट आवाजाही की आजादी के सिद्धांत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'हमने समुद्री आवाजाही की आजादी और नाविकों तथा कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा को लेकर अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई।

इस बैठक में जीसीसी के महासचिव जासेम अल-बुदैवी, बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ अल-जयानी और कतर के विदेश मामलों के राज्य मंत्री सुल्तान बिन साद अल मुरैखी समेत कई प्रतिनिधि शामिल हुए। जयशंकर ने बताया कि बैठक में भारत-जीसीसी संयुक्त कार्य योजना 2024-28 के तहत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही भारत और जीसीसी के बीच साझेदारी को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

इस जॉइंट एक्शन प्लान को 2024 में रियाद में हुई पहली भारत-जीसीसी विदेश मंत्रियों की बैठक में अपनाया गया था। इसमें स्वास्थ्य, व्यापार, कृषि, खाद्य सुरक्षा, परिवहन, ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा तथा संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। जयशंकर ने खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय को दिए जा रहे सहयोग के लिए जीसीसी देशों के नेतृत्व को धन्यवाद भी दिया।

भारतीय प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी खाड़ी क्षेत्र में रहती है, जहां 90 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं। जयशंकर ने बताया कि बैठक में भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू होने का भी स्वागत किया गया।छह देशों वाला जीसीसी फिलहाल भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 178 अरब डॉलर रहा था।

मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत फरवरी में दोबारा शुरू हुई थी।

पेजेशकियन ने शी जिनपिंग की पहल को सराहा, इस्लामाबाद समझौते पर लौटने पर जताई सहमति

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उस बयान का स्वागत किया, जिसमें जिनपिंग ने डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर लौटने का आग्रह किया।

पेजेशकियन ने चीन के राष्ट्रपति जिनपंग के इस्लामाबाद समझौता-पत्र (एमओयू) पर लौटने और बातचीत-कूटनीति से मतभेद सुलझाने की पहल की सराहना की। पेजेशकियन ने कहा कि ईरान भी इसी नजरिए का समर्थन करता है और तय वादों के सम्मान के साथ गंभीर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी हालात बनाने पर जोर देता है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उस विचारशील और जिम्मेदार समर्थन की सराहना करता हूं, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद समझौता-पत्र पर लौटने और बातचीत व कूटनीति के जरिए मतभेदों को सुलझाने की बात कही है।''

पेजेशकियन ने कहा कि ईरान भी इस नजरिए से सहमत है और उस समझौते पर लौटने, पहले से तय वादों का सम्मान करने और गंभीर, ठोस और नतीजे देने वाली बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी हालात बनाने के महत्व पर जोर देता है।

इससे पहले पेजेशकियन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में कहा था कि? ईरान आतंकवादी नहीं है, बल्कि हम आतंकवाद और आक्रामकता का शिकार हैं। अपनी रक्षा-क्षमता को बढ़ाना ही आजादी बनाए रखने और हमलावरों की आक्रामकता को रोकने का एकमात्र तरीका है।

पेजेशकियन ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य पर युद्ध थोपा गया है।

संक्षिप्त खबर

बलूचिस्तान में दशकों से पाकिस्तान का दमन चक्र जारी: बीएनएम प्रमुख

विश्व केसरी■

जिनेवा। बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के चेयरमैन नसीम बलोच ने एक बार फिर पाकिस्तानी हुक्मरानों के हाथों बलोचों के दमन का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके के राजनीतिक कार्यकर्ताओं, छात्रों, डॉक्टरों, शिक्षकों, वकीलों और आम नागरिकों की कई पीढ़ियों को जेल में ठूंसा जा रहा है, उन्हें अगवा किया जा रहा है, बड़ी तादाद में लोग निर्वासित जीवन जीने को मजबूर हैं और ज्यादतियों के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'बलोच राष्ट्रीय मुद्दे' को दबाने के लिए इस्लामाबाद की दशकों से चली आ रही कोशिशों में सैन्य बल का इस्तेमाल, राजनीतिक जोड़-तोड़, लोगों को जबरन गायब करना, जेल में डालना और बलूचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा करना शामिल रहा है। नसीम ने जिनेवा में 12वें बलूचिस्तान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, अलग-अलग देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों और बलोच राजनीतिक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। अपने भाषण में, बीएनएम चेयरमैन ने संगठन की केंद्रीय समिति के सदस्य अब्दुल रशीद को भी याद किया और पाकिस्तानी सेना पर उनकी हत्या का आरोप लगाया।

यमुना एक्सप्रेसवे हादसे पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप, महिला पर मामला दर्ज

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण बस हादसे को सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रंग देने का मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा की साइबर थाना पुलिस ने 'एक्स' पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट करने वाली एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार को एक बस में आग लगने से 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। एक महिला ने इस हादसे की फोटो और वीडियो को 'एक्स' पर शेयर कर दिया। महिला ने दावा किया था कि बस में आग भाजपा और आरएसएस के लोगों ने लगाई है। इतना ही नहीं, उसने यह भी लिखा कि इस आग में 30 यात्रियों की मौत हुई है और मरने वाले सभी मुस्लिम और ईसाई समुदाय के थे। पुलिस के अनुसार, यह दावा पूरी तरह से भ्रामक और निराधार था। इस तरह की पोस्ट से लोगों में भय, आक्रोश और प्रशासन के प्रति अविश्वास पैदा हो सकता था। साथ ही इससे कानून व्यवस्था बिगड़ने का भी खतरा था। पुलिस का कहना है कि पोस्ट के जरिए आम लोगों को भड़काने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रेटर नोएडा पुलिस के मीडिया सेल में तैनात एसआई सुमित कुमार की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद महिला ने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया और माफी मांगते हुए कहा कि उससे गलती से पोस्ट हो गया था।

भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलीफेंट 2026' हुआ तेज, पिथौरागढ़ में चल रहा है प्रशिक्षण

विश्व केसरी■

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में फॉरेन ट्रेनिंग नोड पर चल रहा भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलीफेंट 2026' का 18वां संस्करण तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अभ्यास में कई तरह की गहन प्रशिक्षण गतिविधियां चल रही हैं, जिनका मकसद भारतीय सेना और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच आपसी तालमेल, सामरिक दक्षता और समझ को बढ़ाना है।

यह अभ्यास 21 सितंबर से शुरू हुआ है, जो 3 अक्टूबर 2026 तक चलेगा, जिसमें भारतीय सेना और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के 45-45 जवान हिस्सा ले रहे हैं। चल रहे प्रशिक्षण के तहत मंगोलियाई सैनिकों को छोटे हथियारों को संभालने और फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें हथियारों की जानकारी, सुरक्षा ड्रिल, लोडिंग-अनलोडिंग की प्रक्रिया, निशाना लगाने की तकनीक और फायरिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। प्रैक्टिकल सेशन के जरिए मंगोलियाई जवानों ने हथियारों को समझा और सुरक्षित और अनुशासित तरीके से हथियार चलाने का अभ्यास किया।

भारतीय सेना की टुकड़ी ने रूम इंटरवेंशन ड्रिल का प्रदर्शन भी किया, जिसमें व्यवस्थित तरीके से कमरे में प्रवेश करना, कमरे की तलाशी, समन्वित मूवमेंट, संचार, फायर अनुशासन और घायलों को निकालने की तकनीक शामिल थी। इस प्रदर्शन में आबादी वाले इलाकों में ऑपरेशन के दौरान जरूरी टीमवर्क, सटीकता और स्थितिजन्य जागरूकता को दिखाया गया। इसके बाद मंगोलियाई जवानों ने भारतीय जवानों के साथ मिलकर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग की, जिससे दोनों देशों की ऑपरेशनल प्रैक्टिस का आदान-प्रदान हुआ और सामरिक स्तर पर तालमेल मजबूत हुआ।

मंगोलियाई सशस्त्र बलों के जवानों ने अपनी समृद्ध मार्शल परंपराओं का भी प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगोलियाई क्लासिकल कुश्ती (बोख) और बिना हथियार के युद्ध का प्रदर्शन किया।

अमेरिका : एरिजोना में इमिग्रेशन से जुड़े मामलों में 379 लोगों पर आरोप

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना में एक हफ्ते तक चले एनफोर्समेंट ऑपरेशन ने 379 लोगों पर इमिग्रेशन से जुड़े अपराधों के आरोप लगाए हैं। इनमें गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश करने, देश से निकाले जाने के बाद दोबारा अवैध रूप से आने और प्रवासियों की कथित तस्करी से जुड़े मामले शामिल हैं।

डिस्ट्रिक्ट ऑफ एरिजोना के अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस ने बताया कि ये आरोप 19 से 25 सितंबर के बीच चलाए गए अभियान के दौरान दर्ज किए गए। फेडरल अधिकारियों ने 155 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए, जिन पर अमेरिका से पहले निकाले जाने के बाद गैरकानूनी तरीके से दोबारा देश में आने का आरोप है। इसके अलावा 191 लोगों पर गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश करने का आरोप लगाया गयाअभियोजकों ने 32 लोगों के खिलाफ 28 मामले भी दर्ज किए। इन लोगों पर बिना वैध दस्तावेज वाले प्रवासियों को एरिजोना में लाने या एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का आरोप है। एक व्यक्ति पर अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल एजेंट पर हमला करने का आरोप भी लगाया गया। अटॉर्नी ऑफिस ने कहा कि सीमा पर कानून लागू करने के दौरान अधिकारियों की सुरक्षा उसकी अहम प्राथमिकताओं में शामिल है।

इन मामलों को प्रॉसिक्यूटर को सौंपा गया या कई फ़ेडरल एजेंसियों ने इनमें मदद की। इनमें यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट का एनफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशन्स और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स शामिल थे।

कर्नाटक कांग्रेस का फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अपने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग कर रहा है और पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली, एआईसीसी सचिव गोपीनाथ पलानियप्पन समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।सभा को संबोधित करते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि यह आंदोलन संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनावी अनियमितताओं के खिलाफ देशभर में अभियान चला रहे हैं और पार्टी चुनाव आयोग के अधिकारों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेगी।

हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि 2024 के बाद कई राज्यों में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में मतदाता सूची से बाहर किए गए, जबकि हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी इसी तरह की कार्रवाई हुई।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कर्नाटक में एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं और लाखों प्रविष्टियों को फर्जी या अन्य श्रेणियों में डाल दिया गया है। हालांकि, इन आंकड़ों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

हरिप्रसाद ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और प्रत्येक नागरिक को हर पांच साल में मतदान कर सरकार चुनने का संवैधानिक अधिकार है।

बिहार: पीएमसीएच के जूनियर डॉक्टर फिर हड़ताल पर, ओपीडी सेवा बंद

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के जूनियर डॉक्टर एक बार फिर हड़ताल पर चले गए हैं। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए) ने 26 सितंबर से अगले आदेश तक ओपीडी सेवाओं को बंद करने का ऐलान किया है।

हालांकि, इमरजेंसी, आईसीयू और अन्य जरूरी जीवन रक्षक सेवाएं जारी रहेंगी। जेडीए ने स्वास्थ्य विभाग से उनकी मांगों पर तत्काल बातचीत और समयबद्ध कार्रवाई की अपील की है।

जेडीए ने अपनी हड़ताल के पीछे चार मुख्य कारण बताए हैं। संगठन की पहली मांग डॉक्टरों पर हो रहे हमलों को लेकर है। जेडीए ने डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) और पीएमसीएच में हाल में हुई हिंसा की घटनाओं में तत्काल कार्रवाई, संस्थागत एफआईआर दर्ज करने और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

दूसरा मुद्दा सहरसा में डॉक्टरों पर हुई कार्रवाई से जुड़ा है। जेडीए ने डॉ. सुशील कुमार आजाद और डॉ. रोशन लाल के खिलाफ हुई कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा की मांग की है। संगठन का कहना है कि पूरे मामले की परिस्थितियों को देखते हुए कार्रवाई की समीक्षा की जानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को डॉक्टरों का पक्ष भी सुनना चाहिए।

तीसरी मांग बॉन्ड पर तैनात डॉक्टरों को लेकर है। जेडीए का कहना है कि इन डॉक्टरों के वेतन में संशोधन किया जाए और उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप उचित पदनाम और पारिश्रमिक तय किया

नागालैंड के मोकोकचुंग में जहरीली शराब का कहर, 8 लोगों की मौत; 6 गिरफ्तार

विश्व केसरी■

मोकोकचुंग। नागालैंड के मोकोकचुंग जिले में जहरीली शराब पीने से संदिग्ध मौतों की संख्या का आंकड़ा बढ़कर 8 हो गया है। 25 सितंबर को मैंगकोलेम्बा और अलीबा गांव में चार और लोगों की मौत के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और शराब की सप्लाई चेन का पता लगा रही है।

मोकोकचुंग के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 25 सितंबर को मैंगकोलेम्बा में दो लोगों की मौत हुई, जबकि ओंगपांगकोंग सब-डिवीजन के अलीबा में एक आदिवासी दंपति की भी उसी दिन मौत हो गई। मैंगकोलेम्बा में मरने वालों में एक 9वीं एनएपी (आईआर) बटालियन का जवान भी शामिल है, जो अखोया गांव का रहने वाला था। दूसरा मृतक खार गांव का था। दोनों को 25 सितंबर को मैंगकोलेम्बा के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। मैंगकोलेम्बा टाउन काउंसिल के चेयरमैन सुपोंगत्सुंगबा ने बताया कि 9वीं एनएपी बटालियन के दो जवान एक साथ शराब पी रहे थे। एक की मौत पहले हुई और दूसरे की एक दिन बाद। मौतें रात 1 से 2 बजे के बीच हुईं। एक जवान को रात 1 बजे अस्पताल लाया गया और 15-20 मिनट के अंदर ही उसकी मौत हो गई।

सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कॉर्प्स के तहत राष्ट्रीय राइफल्स मुख्यालय का किया दौरा, तैयारियों की समीक्षा की

विश्व केसरी■

श्रीनगर। थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कॉर्प्स के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राइफल्स के सेक्टर मुख्यालय का दौरा किया और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की।

सेना के एडीजी पीआई (अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय) द्वारा 'एक्स' पर दी गई जानकारी के अनुसार, दौरे के दौरान सेनाध्यक्ष को मौजूदा सुरक्षा स्थिति और आतंकी खतरों का पता लगाने, उन्हें रोकने और निर्णायक जवाब देने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी गई।

बता दें कि राष्ट्रीय राइफल्स कश्मीर घाटी में चिनार कॉर्प्स (15 कॉर्प्स) के तहत काम करती है। यह जम्मू-कश्मीर में तैनात एक विशेष आतंकवाद-रोधी बल है और घाटी में सुरक्षा ग्रिड को संभालती है। कश्मीर घाटी में इसकी यूनिट्स और सेक्टर मुख्यालय श्रीनगर स्थित चिनार कॉर्प्स के ऑपरेशनल नियंत्रण में काम करते हैं। सेनाध्यक्ष ने सभी रैंकों के जवानों के प्रोफेशनलिज्म, प्रतिबद्धता और ऑपरेशनल तैयारी के उच्च मानकों की सराहना की। उन्होंने जवानों से लगातार सतर्क रहने, खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों को और तेज करने और उभरते खतरों पर तेजी और सटीकता से जवाब देने की क्षमता बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने और समग्र आतंकवाद-रोधी प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए सभी हितधारकों के साथ सहज तालमेल और करीबी समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया। इस दौरान सेनाध्यक्ष ने वीरता और अनुकरणीय सेवा के लिए योग्य सैनिकों को सीओएएस प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड मेडल, फाइनल में ईरान को 40-34 से हराया

विश्व केसरी

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता।

फाइनल मुकाबला की शुरुआत के साथ ही भारत और ईरान के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान के स्टार डिफेंसर फजल अत्राचली बाकी डिफेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय रेडर्स पर हावी होने की कोशिश करते नजर आए। शुरुआती 8 मिनटों में स्कोर 5-5 से बराबर रहा।

हालांकि, इसके बाद भारतीय टीम ने मैच में कुछ हद तक अपनी पकड़ बनाई और 10-8 की बढ़त हासिल की। इस दौरान राहुल को ग्रीन कार्ड भी दिया गया।

अर्जुन देशवाल की एक के बाद एक शानदार रेड के चलते भारतीय टीम अपनी बढ़त को 12-9 करने में सफल रही। हालांकि, इसके बाद ईरान ने अपने मजबूत डिफेंस के दम पर वापसी करते हुए भारतीय टीम को ऑलआउट किया और 14-13 की बढ़त बना ली। हाफ टाइम तक ईरान अपनी इस बढ़त को 18-17 पर बरकरार रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ में भी भारत और ईरान के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ईरान के मजबूत डिफेंस को भेदने के लिए भारत के रेडर्स को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, भारतीय टीम ने मुकाबले में शानदार वापसी की और ईरान को बैकफुट पर ढकेलते हुए 34-27 की अहम बढ़त बना ली।

भारत की ओर से डिफेंस में सुमित ने शानदार प्रदर्शन किया, तो रेड में अर्जुन देशवाल लगातार प्वाइंट्स लेकर आए। राहुल ने मैच के अंतिम पलों में शानदार टैकल किया और भारत की बढ़त को 36-29 तक पहुंचाया।

मैच के आखिरी मिनटों में ईरान ने स्कोर को बराबर करने के प्रयास में कई गलतियां की, जिसका भरपूर फायदा भारतीय टीम को मिला। भारत ने अंत में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में ईरान को 40-34 से हराते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

लगातार चौथी जीत दर्ज कर शान से सेमीफाइनल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम, जापान को 2-0 से हराया

विश्व केसरी

काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। शनिवार को भारतीय टीम ने पूल ए के मुकाबले में जापान को 2-0 से हराया।

यह इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की लगातार चौथी जीत है।कावासाकी जुको हॉकी स्टेडियम में लगातार बारिश के बीच खेले गए इस मैच में जापान ने भारत को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अभिषेक और कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल मौजूदा चैंपियन को प्रतियोगिता के अंतिम-चार चरण में पहुंचाने के लिए काफी थे। भारतीय टीम पूल ए के अपने आखिरी मुकाबले में 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी।

जापान के खिलाफ यह मैच भारतीय डिफेंडर संजय के लिए एक यादगार पल था, जिन्होंने अपना 100वां सीनियर इंटरनेशनल मैच खेला। मैच तेज गति से शुरू हुआ और दोनों टीमें अटैक करने की कोशिश करती नजर आईं। भारत तीसरे मिनट में गोल के करीब पहुंचा जब एक एरियल पास सर्कल के टॉप पर अभिषेक के पास पहुंचा। हालांकि, भारतीय स्ट्राइकर के जापानी गोलकीपर ताकाशी योशिकावा के खिलाफ वन-ऑन-वन ??स्थिति में होने के बावजूद, गेंद को खतरनाक माने जाने के कारण इस मूव को रोक दिया गया।

दो मिनट बाद, मनप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन हरमनप्रीत का फ्लिक एक भारतीय खिलाड़ी को जा लगा—छठे मिनट में सर्कल के अंदर जापानी खिलाड़ी के पैर से गेंद लगने के बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत का शॉट रशर के पैर पर लगा और दोबारा मिले मौके पर पोस्ट पर खड़े जापानी डिफेंडर ने शानदार बचाव किया।

जापान ने तेज काउंटर-अटैक से जवाब दिया। सातवें मिनट में, उन्होंने दोहरे मौके बनाए। सेरेन तनाका को शुरुआती कोशिश के मिस-हिट होने के बाद एक और मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा डटे रहे। भारत ने दबाव बनाए रखा और नौवें मिनट में मनप्रीत ने दिलप्रीत सिंह को गोल करने का शानदार मौका दिया, लेकिन उनके गोल करने की कोशिश में जरूरी ताकत की कमी थी।

जापान को लगा कि उन्होंने 10वें मिनट में बढ़त बना ली है, लेकिन गोल को अमान्य करार दिया गया क्योंकि गेंद के गोल में जाने से पहले एक भारतीय खिलाड़ी का पैर गेंद से लगा था। दूसरी तरफ, भारत मौके बनाता रहा। शिलानंद लाकड़ा ने बीच से शानदार दौड़ लगाई और अभिषेक को गेंद दी, लेकिन सुखजीत सिंह को गेंद देने की उनकी कोशिश नाकाम रही।

आखिरकार 15वें मिनट में भारत ने बराबरी का स्कोर तोड़ा। जापान के डिफेंस ने अभिषेक को सर्कल के टॉप पर बहुत ज्यादा समय दिया और फॉरवर्ड ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोल में डाला और पहले क्वार्टर के आखिर में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

खेल दोबारा शुरू होने के बाद भी जापान ने दबाव बनाए रखा और 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन योंमा ओका के जबरदस्त शॉट को भारतीय खिलाड़ी की स्टिक ने रोक दिया।

मिवा हरिमोटो से हारकर यशस्विनी घोरपड़े बाहर

विश्व केसरी

टोयोटा। भारत की यशस्विनी घोरपड़े का एशियन गेम्स 2026 में महिला एकल का अभियान शनिवार को तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की मिवा हरिमोटो ने यशस्विनी को 9-11, 5-11, 11-4, 4-11, 5-11 से हराया।

हरिमोटो ने मुकाबले में शुरू में ही नियंत्रण बना लिया था और घोरपड़े को एक करीबी शुरुआती गेम में हराया। दूसरा गेम उन्होंने और आसान तरीके से जीता। घोरपड़े ने तीसरे गेम में अपनी लय पाई और 11-4 की जबरदस्त जीत के साथ मोमेंटम को अपनी तरफ मोड़ा। हालांकि, जापानी खिलाड़ी ने जल्दी ही अपना दबदबा वापस पा लिया। हरिमोटो ने चौथे गेम में अपना गेम सुधारा, जिससे घोरपड़े को वापसी करने का मौका नहीं मिला, और पांचवें गेम में मुकाबला जीतकर अगले राउंड में पहुंच गईं।

घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा पर 4-1 से जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। एकल से बाहर होने के साथ ही उनका व्यक्तिगत कैंपेन खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने गेम्स में विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था।

यह मेरा आखिरी वर्ल्ड कप होगा, टीम को जिताने के लिए जो भी करना पड़े, उसके लिए तैयार हूं: विराट कोहली

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अब आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 पर अपना पूरा ध्यान लगा रहे हैं। उन्होंने माना कि साउथ अफ्रीका में होने वाला यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी वनडे विश्व कप हो सकता है। ऐसे में वह इसे यादगार बनाने और भारत को चैंपियन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के आगाज से पहले 'जियोस्टार' से बात करते हुए कोहली ने 50 ओवर के वर्ल्ड कप की खासियत के बारे में बताया और उस प्रेरणा का जिक्र किया जो उन्हें इस बड़े टूर्नामेंट की ओर ले जा रही है। कोहली ने कहा कि 50 ओवर के वर्ल्ड कप का दबाव और तीव्रता किसी भी दूसरे टूर्नामेंट से कहीं ज्यादा होती है। उनके मुताबिक, आज के दौर में वनडे क्रिकेट की रफ्तार भी टी20 जैसी हो गई है, जिससे खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का दबाव बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा, '50 ओवर के वर्ल्ड कप की तीव्रता किसी भी चीज से ज्यादा होती है। अब आपको ऐसे 10 मैच खेलने पड़ते हैं, जिनमें टी20 जैसा दबाव और गति होती है। एक तरह से आप एक दिन में ढाई टी20 मैच के बराबर क्रिकेट खेल रहे होते हैं।'

कोहली ने आगे कहा कि किसी बड़े टूर्नामेंट में लगातार 10 मैचों तक उसी स्तर की ऊर्जा और प्रदर्शन बनाए रखना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व कप 2027 विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा, जिससे खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय तक उसी तीव्रता के साथ खेलना आसान नहीं होता। ऊपर से जब टूर्नामेंट विदेशी हालात में हो, तो उसमें और ज्यादा ऊर्जा, तैयारी और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।

विराट कोहली ने कहा कि वनडे विश्व कप 2027 शायद उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा और यही बात उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनका एक मात्र लक्ष्य भारत को विश्व कप जिताना है और इस के लिए वह अपना सब कुछ झोंकने को तैयार हैं। कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत के लिए खेलने वाला आखिरी वर्ल्ड कप होगा। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। आप मैदान पर अपना सब कुछ देने की कोशिश करते हैं।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

विश्व केसरी

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया घांघस ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैब्स का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था।

प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रहीं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैब्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी।

इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के सैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम से हार गए।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया

विश्व केसरी

इचिनोमिया। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है।

एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकीं सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम प्वाइंट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली।

इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकीं सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजाकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं।

सिंधु इस बार एशियन गेम्स में मेडल जीतने की कोशिश करेंगी, क्योंकि हांग्जो गेम्स में वह खाली हाथ लौटी थीं, जहां वह महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थीं। इससे पहले, उन्नति हुड्डा ने दूसरे राउंड में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 20-22, 21-9 से हराया। वह शनिवार को राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी का सामना करेंगी, क्योंकि सिंगल्स खिलाड़ियों को एक ही दिन में दो मैच खेलने हैं। आयुष शेट्टी ने दूसरे राउंड के मैच में कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से आसानी से हराया। अब उनका सामना चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से होगा, जो भारतीय शटलर के लिए एक मुश्किल मुकाबला होगा। लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सिंगापुर के लोह कीन यू से 12-21, 21-15 और 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

धीरज बोम्मादेवरा ने एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर रिकर्व इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में टॉप किया

विश्व केसरी

ओकाजाकी। भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आर्चरी क्वालीफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया।

ओकाजाकी, 26 सितंबर (आईएएनएस)। भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आर्चरी क्वालीफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया। धीरज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में से 698 का स्कोर किया और इंडिविजुअल इवेंट में टॉप सीड हासिल की, जबकि भारत की टीम क्वालीफिकेशन में दूसरी सीड पर रही।

धीरज ने 690 पॉइंट्स का पिछला एशियाड रिकॉर्ड तोड़ा, जो कोरिया के ली वू का था। धीरज दोनों हाफ में टॉप फॉर्म में थे और उन्होंने 360 में से 348 पॉइंट्स हासिल किए। इसके बाद तीरंदाज ने दूसरे हाफ में सुधार किया और आखिरी 36 तीरों में 350 का स्कोर किया, यानी 360 में से सिर्फ 10 पॉइंट्स गंवाए।

मुकाबले में शामिल दूसरे भारतीय, नीरज चौहान और संजय यशदीप भोगे, इंडिविजुअल इवेंट में 20वें और 25वें स्थान पर रहे। नीरज ने 676 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि संजय ने इवेंट में 665 पॉइंट्स हासिल किए।

इन तीनों ने टीम क्वालीफिकेशन में भारत को 2039 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर लाने में मदद की, जो कोरियाई टीम से ठीक पीछे है, जिसके 2064 पॉइंट्स थे। इससे भारतीय पुरुष टीम को प्री-क्वार्टर फाइनल में बाई मिल गई है, क्योंकि उन्हें 32 टीमों के ड्रॉ में दूसरी सीड मिली है।

मजबूत और आत्मनिर्भर बैटरी इकोसिस्टम बनाने के लिए 'सेकंड-लाइफ' बैटरियों पर फोकस जरूरी: विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने कहा है कि भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और सर्कुलर बैटरी इकोसिस्टम विकसित करने के लिए बैटरी निर्माण, उपयोग, सेकंड-लाइफ एप्लिकेशन और जीवनचक्र समाप्त होने के बाद उनके प्रबंधन (एंड-ऑफ-लाइफ मैनेजमेंट) पर समन्वित रूप से काम करना होगा। उनका कहना है कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरियों का उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पुन: उपयोग और रीसाइक्लिंग की व्यापक व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में टेरी यानी द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) की महानिदेशक डॉ. विभा धवन ने कहा कि बैटरी क्षेत्र पर चर्चा केवल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग के बाद बची हुई क्षमता वाली बैटरियों के सेकंड-लाइफ एप्लिकेशन की संभावनाओं को भी तलाशना होगा। इससे बैटरियों का उपयोगी जीवन बढ़ाया जा सकेगा और उनकी आर्थिक उपयोगिता अधिकतम की जा सकेगी। इस सम्मेलन में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों ने भारत के तेजी से विकसित हो रहे बैटरी इकोसिस्टम से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की।

भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव विजय मित्तल ने कहा कि सरकार घरेलू विनिर्माण और सप्लाई चेन को मजबूत करने के साथ-साथ सेकंड-लाइफ बैटरियों, ट्रेसबिलिटी, मानकों और रीसाइक्लिंग से जुड़े ढांचे को भी विकसित कर रही है। उनका कहना था कि ऐसे कदम भारत को प्रतिस्पर्धी और सर्कुलर बैटरी अर्थव्यवस्था विकसित करने में मदद करेंगे।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के वैज्ञानिक कुलदीप राणा ने कहा कि सेकंड-लाइफ बैटरियों के उपयोग की संभावनाएं केवल इलेक्ट्रिक वाहनों तक सीमित नहीं हैं। उनका उपयोग घरेलू उपकरणों, रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम्स और यूपीएस सिस्टम्स जैसे कई क्षेत्रों में किया जा सकता है।

सम्मेलन में बैटरी वैल्यू चेन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई, जिनमें घरेलू एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) निर्माण क्षमता का विस्तार, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विकास और बैटरियों के पुन: उपयोग, पुनर्प्रयोजन तथा रीसाइक्लिंग की बढ़ती जरूरतें शामिल थीं।

वहीं, टेरी के वरिष्ठ निदेशक ए.के. सक्सेना ने कहा कि केवल उत्पादन की मात्रा बढ़ाने के बजाय मूल्य सृजन के स्थानीयकरण पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैटरियों को शुरुआती चरण से ही सर्कुलर दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाना चाहिए।

फाइबर से भरपूर थाली रखेगी आपको फिट, जानिए रोजाना कितनी मात्रा है जरूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेहतमंद रहने के लिए सिर्फ भरपूर खाना जरूरी नहीं है, बल्कि संतुलित और पौष्टिक डाइट लेना बेहद जरूरी है। हमारी रोज की डाइट में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का अहम हिस्सा है। फाइबर और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के साथ-साथ लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है।

एक वयस्क को प्रतिदिन लगभग 25 से 35 ग्राम फाइबर की आवश्यकता होती है। ऐसे में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें जैसी फाइबर वाली चीजों को डाइट में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन उत्तर प्रदेश ने भी रोजाना डाइट में फाइबर वाली चीजों को शामिल करने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अपनी रोज की डाइट में फाइबर वाली चीजें शामिल करना हेल्दी ईटिंग प्लान का एक जरूरी हिस्सा है। फल, सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज इसके अच्छे सोर्स हैं। इन्हें रेगुलर खाने से पाचन और पूरी सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

फलों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर होते हैं, जो कब्ज को रोकते हैं और पेट को साफ रखते हैं। नियमित तौर पर खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन काबू में रहता है।

थाली में सब्जियों का होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह पाचन क्रिया को सुधारती हैं। ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखती हैं तथा पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराती हैं। फाइबर रक्त में ग्लूकोज के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है।

दाल प्रोटीन का अच्छा सोर्स होता है। दालों में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर होता है, जो कब्ज से बचाता है और मल त्याग को आसान बनाता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे शुगर का स्तर अचानक नहीं बढ़ता है और डायबिटीज के मरीजों को फायदा मिलता है। फाइबर के साथ-साथ ये प्लांट-बेस्ड प्रोटीन, आयरन, फोलेट और मैग्नीशियम का बेहतरीन स्रोत हैं।

फाइबर से भरपूर थाली में साबुत अनाज का होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह पोषण की भरपूर मात्रा है। इसमें फाइबर के साथ-साथ विटामिन-बी, आयरन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा देते हैं।

शरीर को नई ऊर्जा देता है अष्टावक्रासन, अभ्यास से मिलता है संतुलन और शक्ति

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग केवल शरीर को लचीला बनाने की क्रिय नहीं है, बल्कि यह मन और आत्मा को संतुलित करने का एक प्राचीन मार्ग है। भारतीय योग परंपरा में अष्टावक्रासन एक ऐसा योगासन है, जो बाजुओं में मजबूती, पेट की मांसपेशियों में कसाव और मानसिक स्थिरता लाने के लिए जाना जाता है।

महर्षि अष्टावक्र के नाम पर रखा गया यह आसन दिखने में भले ही कठिन लगे, लेकिन नियमित अभ्यास से यह शरीर को नई ऊर्जा और संतुलन प्रदान करता है। 'अष्टावक्र ' का शाब्दिक अर्थ है 'आठ वक्रता', जो उनके शरीर में मौजूद आठ विकृतियों से संबंधित है। अगला शब्द ' आसन ' है, जिसका अर्थ है आसन या मुद्रा। इस आसन के नियमित अभ्यास से बांहों, कलाई, कंधों, नितंबों और कोर की मांसपेशियों मजबूत बनती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अष्टावक्रासन एक उच्च स्तरीय आर्म-बैलेंसिंग योगासन है। यह आसन महान ऋषि अष्टावक्र को समर्पित है। इस आसन के सही अभ्यास के लिए शारीरिक संतुलन, हाथों की मजबूती और कोर स्टेबिलिटी की आवश्यकता होती है।

अष्टावक्रासन या आठ-कोणीय आसन, एक आधुनिक भुजा संतुलन योगासन है। इस आसन में शरीर को भुजाओं पर कुछ सेकंड के लिए भी संतुलित रखने के लिए कोर, पीठ और भुजाओं में अत्यधिक शक्ति की आवश्यकता होती है।

अष्टकोण आसन के अभ्यास के दौरान, साधक की भुजाएं चतुरंग आसन की तरह मुड़ी हुई होती हैं और शरीर एक समय में एक भुजा पर संतुलित रहता है। साथ ही यह आसन मन और मांसपेशियों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए उत्तम है और पूरे शरीर को सुडौल बनाने में मदद करता है। नए अभ्यासकर्ता इस आसन को करने से दौरान किसी विशेषज्ञ की सहायता लें।

आयुष मंत्रालय के सामान्य योग दिशा-निर्देशों के अनुसार, अगर किसी भी व्यक्ति की कलाई, कंधे, कोहनी या पीठ में गंभीर चोट या दर्द हो, तो वे इसे करने से परहेज करें। साथ ही, गर्भावस्था के दौरान महिलाएं इस आसन का अभ्यास न करें। हर्निया या कार्पल टनल सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति इसके अभ्यास से दूर रहें।

पश्चिम बंगाल में सर्विस कोटे के दुरुपयोग की जांच शुरू, जूनियर डॉक्टरों की पहचान में जुटा स्वास्थ्य विभाग

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने उन जूनियर डॉक्टरों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें पिछली ममता बनर्जी सरकार के दौरान राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सर्विस कोटा के तहत उच्च शिक्षा का मौका मिला था। आरोप है कि इन डॉक्टरों को आवश्यक मानदंडों को पूरा किए बिना ही यह अवसर दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग के एक सूत्र ने बताया कि साथ ही उन पूर्व प्रभावशाली अधिकारियों की पहचान की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, जिनके समर्थन के बिना सर्विस कोटे के इस्तेमाल में इस तरह की अनियमितताएं संभव नहीं हो पातीं।

आम नियम यह है कि सर्विस कोटे के तहत किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में उच्च शिक्षा का अवसर पाने वाले किसी भी जूनियर डॉक्टर को अनिवार्य रूप से राज्य के दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन साल की सेवा देनी होती है।

स्वास्थ्य विभाग के अंदरूनी सूत्र ने कहा, 'राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्त एक कमेटी की हालिया जांच में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां पिछली सत्ताधारी पार्टी के करीबी जूनियर डॉक्टरों को दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन साल की सेवा दिए बिना ही सर्विस कोटे के तहत उच्च शिक्षा करने का मौका मिल गया। उन्होंने बताया कि जांच कमेटी ने राज्य स्वास्थ्य विभाग के कुछ पूर्व प्रभावशाली अधिकारियों की संलिप्तता का भी जिक्र किया था, जिनके प्रत्यक्ष संरक्षण के बिना सर्विस कोटे के उपयोग में ऐसी अनियमितताएं संभव नहीं हो पातीं। अब राज्य का स्वास्थ्य विभाग इस मामले में उन विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि चार सदस्यीय जांच कमेटी ने इस मामले पर अपनी रिपोर्ट पहले ही सौंप दी है। अब यह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और विभाग के अन्य शीर्ष अधिकारियों पर निर्भर है कि वे बिना मानदंड पूरे किए सर्विस कोटा का लाभ उठाने वाले जूनियर डॉक्टरों और उन्हें संरक्षण देने वाले विभागीय अधिकारियों दोनों के भविष्य पर क्या फैसला लेते हैं।

डब्ल्यूएचओ महामारी समझौते पर भारत का जोर, पैथोजन तक निष्पक्ष पहुंच और लाभ साझा करने की मांग की

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में महामारी की रोकथाम और उससे निपटने के तरीकों पर हुई संयुक्त राष्ट्र की एक उच्च-स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने डब्ल्यूएचओ महामारी समझौते के तहत 'पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग' (पीएबीएस) की निष्पक्ष प्रणाली की मांग की है।

उन्होंने कहा कि जो देश पैथोजन (बीमारी फैलाने वाले कीटाणु) और बायोलॉजिकल संसाधन उपलब्ध कराते हैं, उन्हें वैक्सीन, डायग्नोस्टिक्स, इलाज के तरीकों, टेक्नोलॉजी और दूसरे फायदों तक समय पर पहुंच मिलनी चाहिए। श्रीवास्तव ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी को मजबूत करने के भारत के संकल्प को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि कोविड-19 महामारी से मिले सबक को लगातार निवेश, संस्थागत क्षमता और मजबूत हेल्थ सिस्टम में बदला जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें राष्ट्रीय हेल्थ सिस्टम, विकास योजनाओं और घरेलू फंडिंग पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मदद राष्ट्रीय जिम्मेदारी में सहायक हो।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, श्रीवास्तव ने महामारी की रोकथाम और उससे निपटने के लिए सरकार और समाज के स्तर पर भारत के समन्वित दृष्टिकोण के बारे में बताया, जिसमें कई तरह की संभावित स्वास्थ्य आपात स्थिति में शामिल हैं।

शरीर को लचीला बनाता है सुप्त पादांगुष्ठासन, जानें इसे करने के लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पैरों में खिंचाव आम समस्या बन गई है। ऐसे में सुप्त पादांगुष्ठासन एक ऐसा उपाय है, जो पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करने, हैमस्ट्रिंग को मजबूत बनाने और शरीर का संतुलन बेहतर करने में मदद करता है।

'सुप्त पादांगुष्ठासन' संस्कृत शब्दों का संयोजन है, जिसमें 'सुप्त' का अर्थ 'लेटना', 'पाद' का अर्थ 'पैर', 'अंगुष्ठ' का अर्थ है 'अंगूठा' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। लेटकर हाथ को पैर के अंगूठे से जोड़ने वाला आसन आधुनिक योगासन है, इसलिए किसी भी प्राचीन हठ योग ग्रंथ में इस आसन के अभ्यास के बारे में कोई विस्तृत संदर्भ नहीं है।

योग के कई आसनों में से एक है सुप्त पादांगुष्ठासन, जो दिखने में आसान लगता है लेकिन इसके फायदे बहुत गहरे हैं। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सुप्त पादांगुष्ठासन महत्वपूर्ण योगासनों में से एक है, जिसके नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलेपन, रीढ़ की सेहत और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

इस आसन को करने से कमर और कूल्हे की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है, जिससे नल पर पड़ने वाला दबाव कम होता है और दर्द में राहत मिलती है। यह आसन हैमस्ट्रिंग, पिंडलियों और पीठ के निचले हिस्से को गहराई से स्ट्रेच करता है। वहीं, सुप्त पादांगुष्ठासन करने से पैरों को ऊपर उठाने से पैरों में खून का संचार बेहतर होता है, जिससे सूजन और जकड़न कम होती है।

पैर को ऊपर उठाने से पैरों की नसों पर दबाव कम होता है जिससे वैरिकोज वेन्स की समस्या में राहत मिलती है और पेट के अंगों की मालिश होने से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

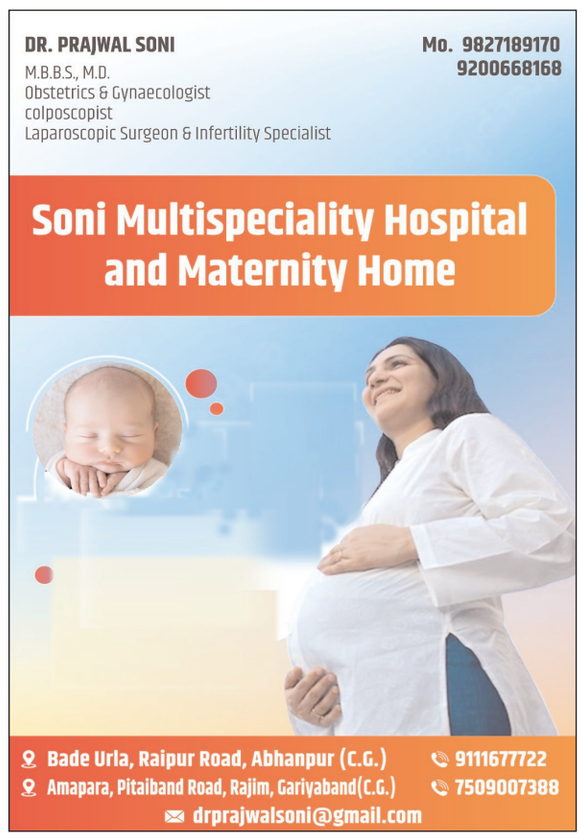

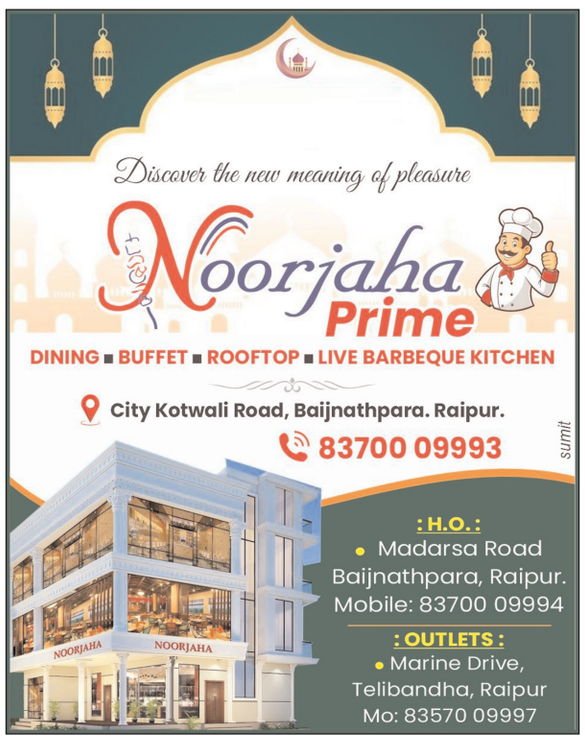

कांकेर में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की रणनीति बैठक

27% आरक्षण और जातिगत जनगणना की मांग को लेकर 3 अक्टूबर को कोंडागांव में महाआंदोलन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। अपने संवैधानिक अधिकारों और लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ का पिछड़ा वर्ग समाज अब आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गया है। शनिवार को कांकेर स्थित पुराना कमेटी हॉल में छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की जिला स्तरीय समीक्षा व रणनीति बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 3 अक्टूबर को कोंडागांव में आयोजित होने वाली विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाना तथा संगठन का विस्तार करना था। बैठक में उपस्थित समाज के प्रमुख नेताओं ने राज्य व केंद्र सरकार की उपेक्षात्मक नीति पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो

शांतिप्रिय तरीके से जारी यह आंदोलन उग्र रूप धारण कर लेगा।

3 अक्टूबर के 'कोंडागांव महाआंदोलन' की तैयारी: गांव-गांव पहुंचेगा संदेश - कोंडागांव में होने वाले विशाल प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। निर्णय लिया गया कि समाज के प्रतिनिधि हर गांव और ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित करेंगे तथा लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कोंडागांव पहुंचने की अपील करेंगे। इसके साथ ही संगठन को धरातल पर मजबूत करने के लिए महिला प्रकोष्ठ एवं युवा प्रकोष्ठ का जिला व ब्लॉक स्तर पर तेजी से विस्तार किया जाएगा।

प्रमुख मांगे: जिन पर सरकार को घेरा जा रहा है - पिछड़ा वर्ग समाज कई वर्षों से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्षरत है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। समाज ने निम्नलिखित मुख्य मांगों को लेकर मोर्चा खोला है। पिछड़ा वर्ग को उनकी जनसंख्या के अनुपात में पूर्ण 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ तुरंत दिया जाए। छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में अविलंब जातिगत जनगणना कराई जाए। आगामी राष्ट्रीय जनगणना के प्रपत्र में ओबीसी समाज के लिए अलग से कॉलम की व्यवस्था की जाए।

उपेक्षा पर फूटा गुस्सा: 'शांतिप्रिय प्रदर्शन को कमजोरी न समझे सरकार- बैठक के दौरान वक्ताओं ने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य की आबादी का एक बड़ा हिस्सा होने के बावजूद पिछड़ा वर्ग समाज को अपने हक और अधिकारों के लिए तरसना पड़ रहा है। समाज के प्रतिनिधियों ने कड़े शब्दों में कहा, 'हम अब तक शांतिप्रिय और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार के सामने रखते आए हैं।

सरेंडर के बाद नई जिंदगी की शुरुआत, मैनू राम नेगी बना रहे अपने सपनों का आशियाना

अब गांव में रहकर खेती-किसानी से करेंगे जीवन-यापन

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत भैसासुर कोयेपारा में नक्सली संगठन से सरेंडर कर समाज की मुख्यधारा में लौटे मैनू राम नेगी उर्फ कारिया अब अपने गृहग्राम में शांतिपूर्ण और सामान्य जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। शासन की आवास योजना का लाभ मिलने के बाद मैनू राम नेगी और उनके परिवार द्वारा गांव में अपने नए आवास का निर्माण कराया जा रहा है।

सरकार की योजना के तहत मैनू राम नेगी के लिए आवास स्वीकृत किया गया है। आवास स्वीकृति मिलने के बाद वे अपने परिवार के साथ मिलकर घर निर्माण के कार्य में जुटे हुए हैं। कभी नक्सली गतिविधियों से जुड़े रहे मैनू राम नेगी ने अब हिंसा का रास्ता छोड़कर अपने गांव और परिवार के बीच रहकर सामान्य जीवन जीने का निर्णय लिया है।

मैनू राम नेगी का कहना है कि अब वह अपने गृहग्राम में ही रहकर

खेती-किसानी करेंगे और मेहनत-मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। उनका उद्देश्य अपने परिवार के साथ सुख-शांति से जीवन बिताना और समाज की मुख्यधारा में रहकर आगे बढ़ना है। नए आवास का निर्माण उनके लिए केवल एक घर बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन में आए बदलाव और नई शुरुआत का प्रतीक भी है। सरकार की पुनर्वास एवं कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सरेंडर कर चुके लोगों को समाज में पुनः स्थापित होने तथा सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

मैनू राम नेगी अब अपने गांव में रहकर खेती-किसानी को आजीविका का साधन बनाना चाहते हैं। परिवार के साथ मिलकर आवास निर्माण में जुटे मैनू राम नेगी के जीवन में यह बदलाव उनके भविष्य को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। उनका कहना है कि वे आगे का जीवन अपने गांव में ही रहकर शांति, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ बिताएंगे।

नक्सलवाद का अंधेरा छटा तो बदलने लगी बस्तर की हवा, दशा और दिशा : बंटी हेमेंद्र ठाकुर

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। किसान मोर्चा जिला कांकेर के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य बंटी हेमेंद्र ठाकुर ने कहा कि बस्तर लंबे समय तक नक्सल हिंसा के साए में रहा, लेकिन आज परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। हिंसा और भय के दौर से बाहर निकलकर बस्तर अब शांति, विकास, रोजगार, शिक्षा, सड़क, संचार और जनसुविधाओं की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार 31 मार्च 2026 तक देश में वामपंथी उग्रवाद का प्रभाव निर्णायक रूप से समाप्त हुआ और बस्तर में सुरक्षा के साथ विकास को गति देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ठाकुर ने कहा कि नक्सलवाद का सबसे बड़ा नुकसान केवल जान-माल की क्षति नहीं था, बल्कि इसने बस्तर की विकास यात्रा को भी बाधित किया। आज सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की पहुंच बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बस्तर क्षेत्र में हजारों किलोमीटर सड़कों और सैकड़ों मोबाइल टावरों के निर्माण से संपर्क व्यवस्था में विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर की पहचान केवल हिंसा से नहीं बल्कि उसकी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला, वन-संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से होनी चाहिए।

वन भूमि पर ट्रैक्टर से अतिक्रमण की कोशिश नाकाम, पांच लाख का जॉन डियर ट्रैक्टर जब्त

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। वन भूमि की सुरक्षा और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में वनमंडलाधिकारी बलरामपुर आलोक कुमार वाजपेयी के निर्देशन में वन परिक्षेत्र राजपुर के वन अमले ने 25 सितंबर 2026 को वन भूमि पर अवैध रूप से जोत-कोड़ कर अतिक्रमण किए जाने के प्रयास को विफल करते हुए ट्रैक्टर सहित कृषि उपकरण जब्त किए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन अमला वन भ्रमण के दौरान वनकक्ष क्रमांक पी-2844, बीट लाऊ क्षेत्र में पहुंचा। यहां वन भूमि के लगभग एक हेक्टेयर रकबे में अवैध रूप से जोत-

कोड़ कर अतिक्रमण किया जा रहा था। मौके पर कार्रवाई करते हुए विभागीय टीम ने जॉन डियर ट्रैक्टर मॉडल 5105 को जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई गई है। इसके साथ ही एक कल्टीवेटर यंत्र, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7 हजार रुपये है, को भी जप्ती की कार्रवाई की गई। वन विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22024/03, दिनांक 25 सितंबर 2026 पंजीबद्ध किया है। प्रकरण में भारतीय वन अधिनियम 1927 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा मामले में संलिप्त आरोपियों से पूछताछ कर प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है।

अतिक्रमण पर वन विभाग की पैनी नजर - वन विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि वन भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण के प्रयासों को रोकने के लिए विभागीय अमला लगातार सक्रिय है। वन भ्रमण एवं निगरानी के दौरान समय रहते कार्रवाई किए जाने से करीब एक हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण की चपेट में आने से बचाया गया।

राजपुर वन अमले का सराहनीय योगदान - पूरी कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी राजपुर अजय वर्मा के नेतृत्व में उप वनक्षेत्रपाल एवं परिक्षेत्र सहायक अमृत प्रताप सिंह, वनपाल रजिंता मिंज, वनपाल राजकुमार सिंह, वनरक्षक पुनीत कुमार सिंह, वनरक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, वनरक्षक संजीव कुमार सिंह तथा वनरक्षक धनंजय का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्यमंत्री को अंतागढ क्षेत्रवासियों के मन की बात भी सुननी चाहिए : अनूप नाग

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पूर्व विधायक अनूप नाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 28 सितंबर को एकलव्य विद्रद्यालय लामकन्हार अंतागढ़ के सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनने का आगमन हो रहा है। जिसे लेकर जिले के अधिकारी द्वारा जिले के अधिकारीयो के द्वारा बड़े जोर शोर तैयारी की जा रही है। अंतागढ़ विधायक ने भी लामकन्हार एकलव्य विद्यालय का दौरा किया है। मैं क्षेत्र की जनता की ओर से स्वागत अभिनंदन करता हूं और निवेदन पूर्वक कहना भी चाहता हूं कि मुख्यमंत्री को अंतागढ़ के लोगों की मन की बात को भी सुननी चाहिए। अंतागढ अति पिछडा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के साथ-साथ कृषि पर निर्भर है यहां के लोग बरसात के पानी पर निर्भर रहते है। मौसम ने साथ दिया तो ठीक नहीं तो मजदूरी के अलावा कुछ भी नहीं। यहां कोई जलाशय नहीं है जिससे किसान साल में दो बार फसल ले सके रोजगार के कोई साधन नहीं है, रावघाट पहाड़ से लोहा खनन प्रारंभ हो गया है अरबों का लोहा अंतागढ़ के रावघाट से ले जाया जा रहा है यहां के चन्द युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में बाहरी लोगों को बड़े ओहदा देकर स्थानीय बेरोजगार युवकों को प्रावेट सेक्टर में मजदूर बनाकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पीने के पानी के बेहतर सुविधा नहीं है।

मुदवेण्डी में सीआरपी एफ ने लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। क्षेत्र में तैनात 85वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा शनिवार, 26 सितंबर 2026 को ग्राम मुदवेण्डी में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कमांडेंट सुनील कुमार राही के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में किया गया।

वर्षा ऋतु में बढ़ने वाली मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस शिविर में ग्राम मुदवेण्डी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

85वीं बटालियन के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया। चिकित्सा अधिकारी ने ग्रामीणों को वर्षा के मौसम में दूषित पानी के सेवन से होने वाली बीमारियों सहित अन्य मौसमी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, साफ-सफाई रखने तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने के लिए जागरूक किया। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ द्वारा आयोजित इस जनहितकारी पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से ग्रामीणों को अपने स्वास्थ्य की जांच और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध होने के साथ-साथ बीमारियों से बचाव की जानकारी भी मिलती है। 85वीं बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि शिविर का उद्देश्य केवल ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाइयों का वितरण करना नहीं, बल्कि उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना और उनसे बचाव के उपाय बताना भी है।

भाद्रपद पूर्णिमा पर गूंजा बुद्ध का संदेश 'करुणा, मैत्री और मानवता ही सच्चा धर्म

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर के डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन में भाद्रपद पूर्णिमा के पावन अवसर पर बौद्ध समाज द्वारा श्रद्धापूर्वक तथागत गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना एवं बुद्ध वंदना की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न होकर भगवान बुद्ध के शांति, करुणा, समानता और मानवता के संदेश को समाज तक पहुंचाना रहा। बुद्ध के विचारों को स्मरण करते हुए उपस्थित समाजजनों ने कहा कि मानवता की सेवा, सभी प्राणियों के प्रति करुणा, आपसी भाईचारा और भेदभाव से मुक्त समाज का निर्माण ही बुद्ध के संदेश की वास्तविक भावना है। बुद्ध ने मनुष्य को अंधविश्वास और द्वेष से दूर रहकर सत्य, अहिंसा, मैत्री और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर धनंजय बंसोड़ एवं बंसोड़ परिवार की ओर से खीर-पूड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। बौद्ध समाज ने इस सेवा कार्य के लिए बंसोड़ परिवार के प्रति सादर आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष योगेश्वर मेश्राम, उपाध्यक्ष नागेश, सचिव दिनेश गजभिये, कोषाध्यक्ष कोमल मेश्राम सहित कुश मेश्राम, मंगेश मेश्राम, अनिल खोबरागड़े, संजीवन मेश्राम, वैजयंतीमाला बंसोड़, अनिता खोबरागड़े, मनोरमा गजभिये, रेखा रामटेके, शीतल राउत, आशीष गजभिये, विकेश मेश्राम सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

लाख बह गए पानी में! भैंसाकन्हार में भ्रष्टाचार की 'पुलिया' पर चढ़ा बारिश का पानी, कॉलम छोड़कर पाइप में निपटा दिया लाखों का बजट

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। ग्राम भैंसाकन्हार 'क': में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही एक पुलिया शासन के दावों और ठेकेदार की नीयत दोनों की पोल खोल रही है। 15 लाख रुपये की मोटी लागत से बनने वाली इस पुलिया में मानकों को ताक पर रखकर ऐसा घटिया निर्माण किया जा रहा है कि पहली ही बारिश में पुलिया जलमग्न हो गई और पानी सड़कों पर बहने लगा।

ग्रामीणों का आरोप है कि 15 लाख रुपये के भारी-भरकम बजट में मजबूत कॉलम वाली पुलिया बनाई जानी चाहिए थी, लेकिन अधिकारियों और ठेकेदार की

सांठगांठ के खेल में यहां सिर्फ सीमेंट के घटिया पाइप डालकर खानापूर्ति कर दी गई।

सरपंच और ग्रामीणों की चेतावनी दरकिनार - कल से हो रही बारिश के बाद स्थिति और भी भयावह हो गई। पुलिया की ऊंचाई इतनी कम रखी गई है कि जरा सी बारिश में ही पानी पुल के ऊपर से बहने लगता है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। ग्रामीणों और गांव के सरपंच ने निर्माण के दौरान ही गिड़गिड़ाकर और लिखित-मौखिक रूप से अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि पुलिया का लेवल ऊंचा किया जाए। लेकिन कमीशनखोरी की नींद में सोए संबंधित विभाग और ठेकेदार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी।

अलवर खुर्द में टूटे पुल के ऊपर पानी...ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

लगातार बारिश के बीच अलवर खुर्द क्षेत्र में पुल टूट जाने से ग्रामीणों के सामने आवागमन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पुल वर्ष 2017 में ही बारिश के दौरान बह गया था, लेकिन इसके बाद से आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। हर साल बारिश के मौसम में ग्रामीणों को इसी परेशानी से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाए और पुल का स्थायी निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश के मौसम में हर वर्ष पैदा होने वाली इस समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

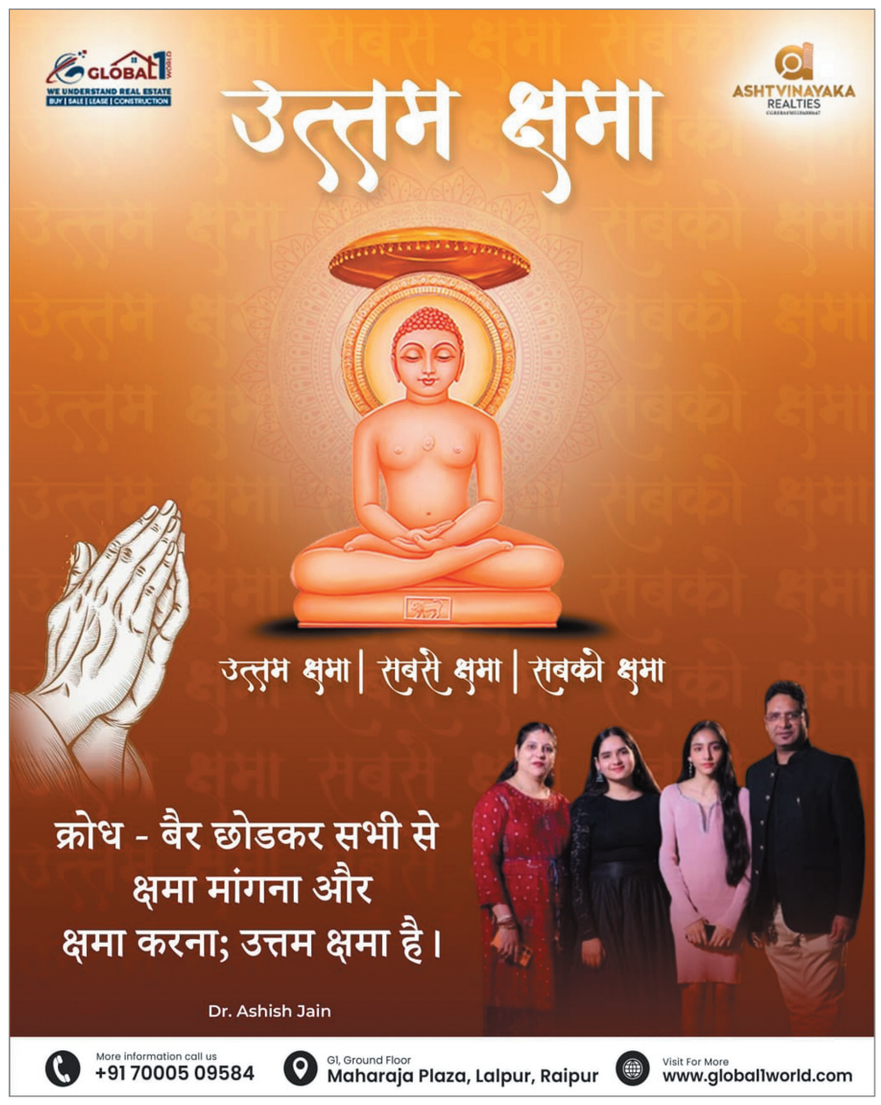

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251